नई दिल्ली । रविवार, 14 जून, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :159/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल अमेरिका ने धमाकेदार जीत के साथ किया आगाज... @ साहित्य केसरी प्रतिनिधि... @ व्यापार भारत में 300 करोड़ घरेलू यात्राएं पर्यटन क्षेत्र को...

देश ने खोये पांच जांबाज

असम में वायुसेना का AN-32 विमान क्रैश

5 एयर वॉरियर्स शहीद

जोरहाट एयरबेस पर लैंडिंग के दौरान हुआ हादसा, सह-पायलट घायल, जांच के आदेश

एजेंसी ■ गुवाहाटी

असम के जोरहाट एयर फोर्स स्टेशन पर शनिवार को उतरते समय एएन-32 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट के क्रैश होने से भारतीय वायुसेना के पांच कर्मियों की मौत हो गई। यह घटना सुबह लगभग 10 बजे हुई। उतरने के लैंडिंग के दौरान विमान में आग लग गई, जिसके बाद एयरफोर्स और एयरपोर्ट की अग्निशमन टीमों ने तुरंत इमरजेंसी कार्रवाई शुरू कर दी। भारतीय वायुसेना ने एक बयान में कहा, 'आज सुबह लगभग 10 बजे असम के जोरहाट में एक रूटीन उड़ान के दौरान आईएएफ के एएन-32 विमान का एक्सीडेंट हो गया। अभी क्रैश वाली जगह पर जांच चल रही है। आईएएफ सभी से अपील करता है कि शुरुआती नतीजे आने तक कोई अटकलें न लगाएं। एक अन्य पोस्ट में आईएएफ ने लिखा, 'भारतीय वायु सेना को असम के जोरहाट में एएन-32 विमान दुर्घटना में अपने पांच कर्मियों के खोने का गहरा दुख है। स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीर वायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीर वायु दानिश आलम ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। भारतीय वायु सेना शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है और दुख की इस घड़ी में मजबूती से उनके साथ खड़ी है। एक्सीडेंट की वजह का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच के आदेश दिए जाने की उम्मीद है। टेक्निकल एक्सपर्ट और एयरफोर्स के अधिकारी क्रैश वाली जगह की जांच कर रहे हैं, जबकि शुरुआती जांच जारी है।

रक्षा मंत्री ने जताया शोक

"रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया और शहीद वायुयोद्धाओं को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, "राष्ट्र उनके सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखेगा। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं शहीदों के परिवारों के साथ हैं।"

क्या है AN-32 विमान?

AN-32 भारतीय वायुसेना का प्रमुख परिवहन विमान है, जिसका उपयोग सैनिकों, उपकरणों और रसद सामग्री के परिवहन में किया जाता है। यह विशेष रूप से दुर्गम और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में संचालन के लिए जाना जाता है।

बिल का बोझ

500 यूनिट से अधिक बिजली खपत करने वालों पर बढ़ेगा

डीईआरसी ने पीपीएसी लागू करने को मंजूरी, जून में जेब पर पड़ेगा असर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली के बिजली उपभोक्ताओं को जून महीने में बड़ा झटका लग सकता है। दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) ने राजधानी की तीनों बिजली वितरण कंपनियों, बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (बीआरपीएल), बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (बीवाईपीएल) और टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) को अप्रैल 2026 के लिए पावर परचेज एडजस्टमेंट चार्ज (पीपीएसी) वसूलने की अनुमति दे दी है। इसके चलते अधिक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं के बिलों में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। यह पहली बार है जब दिल्ली में पीपीएसी की समीक्षा और वसूली मासिक आधार पर की जाएगी। इससे पहले यह प्रक्रिया प्रत्येक तीन महीने में होती थी। डीईआरसी के अनुसार, बिजली उत्पादन कंपनियों से बिजली खरीदने की लागत में वृद्धि होने पर उसका कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए पीपीएसी लगाया जाता है। कोयला और अन्य ईंधनों की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण बिजली खरीद महंगी हुई है, जिसके चलते यह कदम उठाया गया है।

कितनी लगेगी पीपीएसी

तीनों बिजली कंपनियों को इतनी दर से पीपीएसी लगाने की मंजूरी

बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (बीआरपीएल)	17.94%
बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (बीवाईपीएल)	17.43%
टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल)	16.00%

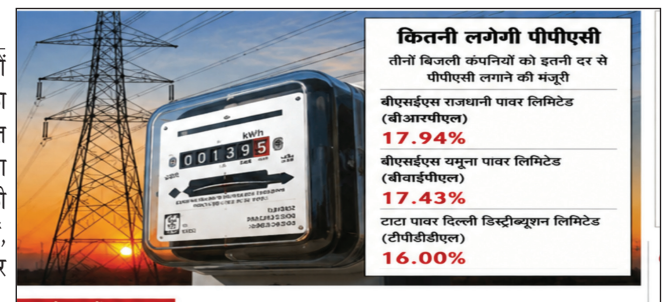

उपभोक्ताओं पर असर

राहत किसे: 200 से 400 यूनिट तथा 500 यूनिट तक बिजली खर्च करने वाले सब्सिडी लाभार्थियों के बिलों में कोई अतिरिक्त बोझ नहीं आएगा। सब्सिडी खपत की गई यूनिटों पर आधारित है।

किसे झटका: 500 यूनिट से अधिक बिजली खर्च करने वाले और सब्सिडी के दायरे से बाहर आने वाले उपभोक्ताओं को अप्रैल के बिल में 7 से 18 प्रतिशत तक अतिरिक्त सरचार्ज देना होगा।

नया नियम 'एफ' लागू: यदि किसी महीने की कोई राशि समायोजित नहीं हो पाती है तो उसे बाद के महीनों में धीरे-धीरे वसूला जाएगा। इससे कंपनियों को समय पर भुगतान करने में मदद मिलेगी और ब्याज का बोझ कम होगा।

डीईआरसी का कहना

"पीपीएसी की दरों को कंपनियों की मांग से कम रखा गया है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ को कम करना और बिजली आपूर्ति व्यवस्था को संतुलित बनाए रखना है।

– डीईआरसी अधिकारी

क्यों लगाया जाता है पीपीएसी?

बिजली उत्पादन कंपनियों से बिजली खरीदने की लागत बढ़ने पर उसका कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए पीपीएसी लगाया जाता है।

सक्षिप्त खबर

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ होंगे अगले सेना प्रमुख

नई दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को केंद्र सरकार ने भारतीय सेना का अगला प्रमुख (चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ) नियुक्त किया है। धीरज सेठ मौजूदा आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह लेंगे। 30 जून को आर्मी स्टाफ के मौजूदा चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी उसी दिन रिटायर हो रहे हैं। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ नेशनल डिफेंस एकेडमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं और दिसंबर 1986 में उन्हें आर्मड कॉर्प्स में कमीशन मिला था। लगभग चार दशकों के शानदार मिलिट्री करियर में, उन्हें ऑपरेशनल, स्ट्रैटेजिक, क्षमता विकास और संस्थागत क्षेत्रों में व्यापक अनुभव मिला है, जिससे भारतीय सेना की युद्ध क्षमता और लंबे समय के बदलाव में महत्वपूर्ण योगदान मिला है।

भारतीय बाजार और स्टार्टअप इकोनॉमी की वजह से साझेदारी के लिए स्लोवाकिया उत्साहित : राजदूत अपूर्वा श्रीवास्तव

ब्रातिस्लावा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो दिवसीय स्लोवाकिया दौरे को लेकर जोरशोर से तैयारी चल रही है। इसको लेकर स्लोवाकिया में भारत की राजदूत अपूर्वा श्रीवास्तव ने आईएएनएस को बताया कि यह भारत के लिए यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (ईयू-एफटीए) के लिए गेटवे टू यूरोप हो सकता है। उन्होंने बातचीत के दौरान भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका और आर्थिक तकनीक को लेकर स्लोवाकिया के नजरिए को भी सामने रखा। उन्होंने कहा, 'स्लोवाकिया मध्य यूरोप का महत्वपूर्ण देश है। अगर आप इसे जगह देते हैं, तो भारतीय कंपनियों के लिए यह गेटवे टू यूरोप की तरह भी महत्वपूर्ण है। यहां की तकनीक हमारे लिए बहुत जरूरी है। ईयू-एफटीए की वजह से संभावनाएं अपार हैं। सहयोग के लिए क्षेत्र खुल गए हैं।

अमेरिका कनाडा ब्रिटेन फ्रांस जर्मनी जापान इटली

G7 शिखर सम्मेलन के लिए

फ्रांस रवाना हुए PM मोदी

ग्लोबल साउथ के मुद्दों को उठाएंगे प्रधानमंत्री, फ्रांस और स्लोवाकिया के साथ अहम द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस और स्लोवाकिया दौरे को भविष्योन्मुखी बताया है। रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने एक बयान में इस दौरे की अहमियत और तय कार्यक्रमों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि फ्रांस गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम इमैनुएल मैक्रों और स्लोवाक गणराज्य के प्रधानमंत्री महामहिम रॉबर्ट फीको के आमंत्रण पर वो 13-18 जून 2026 तक फ्रांस और स्लोवाकिया का दौरा कर रहे हैं।

विदेश मंत्रालय ने पीएम मोदी का वक्तव्य जारी किया है। जिसमें उन्होंने कहा, 'फ्रांस हमारे रणनीतिक दृष्टिकोण में एक विशेष स्थान रखता है। इस वर्ष की शुरुआत में राष्ट्रपति मैक्रों की भारत यात्रा के दौरान हमारे संबंधों को 'स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का दर्जा दिया गया था। मैं नीस (फ्रांसीसी शहर) में राष्ट्रपति मैक्रों से मुलाकात करूंगा, जहां हम फरवरी से अब तक हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे और भविष्य की सहयोग योजनाओं को आगे बढ़ाएंगे। साथ ही, हम आपसी हित के वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे।

नीस में ही प्रधानमंत्री 14 जून 2026 को राष्ट्रपति मैक्रों के साथ मिलकर 'भारत इनोवेट्स' का उद्घाटन करेंगे। यह आयोजन 'इंडिया-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन' के तहत हो रहा है, जिसका उद्देश्य भारत के उभरते स्टार्टअप्स को वैश्विक निवेशकों से जोड़ना और देश के उच्च शिक्षा संस्थानों से निकलने वाले नवाचारों को बढ़ावा देना है। तय कार्यक्रमानुसार इसके बाद पीएम स्लोवाक गणराज्य की दो दिवसीय (14-15 जून) राजकीय यात्रा पर रवाना होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'यह वर्ष 1993 में स्वतंत्रता के बाद किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा होगी। ब्रातिस्लावा में मैं राष्ट्रपति पीटर पेलीग्रिनी और प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको से वार्ता करूंगा और स्लोवाकिया के उद्योग जगत की हस्तियों से भी मुलाकात करूंगा। यह यात्रा भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में चल रही प्रगति को और गति देगी।

पीएम ने आगे बताया, 'स्लोवाकिया से मैं एवियन जाऊंगा, जहां मैं 16 और 17 जून को होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा। भारत की उपस्थिति जी7 में हमारे साझेदारों के विश्वास और वैश्विक भूमिका को दर्शाती है। यह लगातार आठवां अवसर है जब भारत को जी7 में आमंत्रित किया गया है। इस मंच पर भारत न केवल अपने विचार रखेगा, बल्कि ग्लोबल साउथ की आवाज को भी आगे बढ़ाएगा। '

18 जून 2026 को प्रधानमंत्री पेरिस में वीवा टेक 2026 कार्यक्रम में राष्ट्रपति मैक्रों के साथ शामिल होंगे। यह यूरोप का प्रमुख तकनीकी और नवाचार मंच है, जहां इस बार भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय पवेलियन होगा।

फ्रांस में होगी पीएम मोदी-ट्रंप की मुलाकात, प्रस्तावित व्यापार समझौते पर चर्चा की उम्मीद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को फ्रांस और स्लोवाकिया के छह दिवसीय दौरे पर रवाना हुए। पीएम मोदी इन दोनों देशों की द्विपक्षीय आधिकारिक यात्रा करने के साथ ही फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा भी लेंगे।

भारतीय पीएम की इस यात्रा के दौरान प्रौद्योगिकी क्षेत्र में चर्चा काफी अहम रहेगी, लेकिन उनकी वैश्विक नेताओं के साथ होने वाली बैठकों पर नजर रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी की इस दौरे पर राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के साथ मुलाकात होगी। व्हाइट हाउस ने इस मुलाकात की पुष्टि की है। पीएम मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों से भी मिलेंगे। इस वार्ता में दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करेंगे। रवाना होने से पहले जारी अपने वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'फ्रांस भारत की रणनीतिक दृष्टि में विशेष स्थान रखता है। इस वर्ष की शुरुआत में राष्ट्रपति मैक्रों की भारत यात्रा के दौरान हमने अपने संबंधों को स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप तक ऊंचा उठाया था।

अमेरिका भारत से बोला-होर्मुज से गुजरने वाले जहाज आदेश मानें:नाकाबंदी तोड़ी तो कार्रवाई करेंगे

एजेंसी ■ तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बीच आज होर्मुज स्ट्रेट के हालात को लेकर फोन पर बात हुई। रुबियो ने कहा कि इस रास्ते से गुजरने वाले सभी कारोबारी जहाज अमेरिकी सेना के निर्देशों का तुरंत पालन करें, ताकि इलाके में शांति और सुरक्षा बनी रहे। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी नाकाबंदी तोड़ने या ईरानी तेल ले जाने वाले जहाजों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं जयशंकर ने अमेरिकी नौसेना के हमलों पर भारत का कड़ा विरोध जताया। उन्होंने कहा कि इन हमलों में तीन भारतीय नाविकों की मौत हुई है और व्यापारिक जहाजों पर इस तरह की जानलेवा कार्रवाई बिल्कुल स्वीकार नहीं की जा सकती।

भारत ने जीत के साथ किया वनडे सीरीज का आगाज

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आईपीएल के शोर और टेस्ट की शांति के बाद अब बारी वनडे क्रिकेट की है। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत आज से धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में हो गई है। दोनों टीमों के लिए ये सीरीज अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिहाज से काफी अहम है।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया है। भारत की ओर से तेज गेंदबाज गुरनूर बरार और बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष ने डेब्यू किया है। बारिश के कारण मैच देरी से शुरू हुआ, ऐसे में यह 25-25 ओवर का हो रहा है।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान टीम 24.5 ओवर में 194 रन पर सिमट गई। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज (102) ने शतक लगाया। भारत की ओर से डेब्यू मैच खेल रहे हर्ष दुबे और गुरनूर बरार ने 3-3 विकेट चटकाए।

2024 का चुनाव हम हारे नहीं और 2029 का चुनाव जीत चुके हैं : राहुल गांधी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। अब उन्होंने एक ऐसा बयान दिया है, जिससे राजनीतिक गलियारों में सियासत तेज हो गई है। राहुल गांधी ने कहा कि 2024 का चुनाव हम हारे नहीं थे और 2029 का चुनाव हम जीत चुके हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि कई साथियों ने इंडिया गठबंधन की बैठक में मेरे भाषण का हिंदी अनुवाद मांगा था। यह रहा, जरूर सुनें। 8 जून को इंडिया गठबंधन की बैठक में 20 से भी ज्यादा नेताओं के भाषणों और बातों को सुनने के बाद आखिर में मैंने इस भाषण से उन्हें संबोधित किया। जब भारत की सोच, देश की आत्मा पर संकट हो, जब संस्थाओं पर कब्जा हो, जब जनता की आवाज दबाई जाए, तब सिर्फ एकता के साथ प्रतिरोध काम आता है। मैं फिर से कह रहा हूं कि 2024 का चुनाव हम हारे नहीं थे और 2029 का चुनाव हम जीत चुके हैं। हम एकजुट रहेंगे, जन-जन को संगठित करेंगे और प्रतिरोध की ताकत से भाजपा और उसके भारत की संस्थानों पर कब्जे को हराएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि मैं साल 2004 से सांसद हूं। हमारी पार्टी का संगठन अन्य पार्टियों से अलग है। लाखों कांग्रेस कार्यकर्ता को मैं जानता हूं कि जो कहेंगे कि हमारे सिर काट दो, लेकिन हम संघ से समझौता नहीं कर सकते हैं।

मल्टी लेयर्ड बैलिस्टिक डिफेंस सिस्टम का टेस्ट कामयाब

5000km दूर से आ रही मिसाइल को मार गिराएगा, यह तकनीक हासिल करने वाला भारत 5वां देश

एजेंसी ■ नई दिल्ली

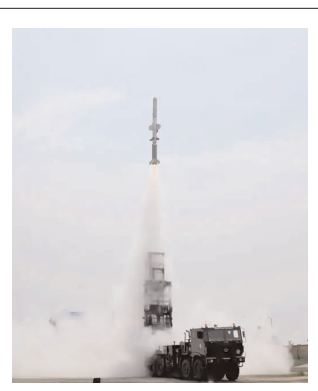

भारत अब लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों, यहां तक कि इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल के खतरों का भी मुकाबला कर सकता है। DRDO ने 10 और 11 जून को लगातार 3 फ्लाइट टेस्ट किए गए, जिनमें मल्टी-लेयर्ड बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (BMD) सिस्टम का प्रदर्शन किया गया। इसमें इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) क्लास तक के खतरों समेत बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने और बेअसर करने की क्षमता भी शामिल है। यह स्वदेशी तकनीक दुश्मन की मिसाइलों को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले हवा में ही नष्ट कर देती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 13 जून को टेस्टिंग की तस्वीरें X अकाउंट पर शेयर की हैं।

इसके साथ-साथ नेवल एंटी शिप मिसाइल-मीडियम रेंज का भी टेस्ट किया गया। इसे भारत की समुद्री स्ट्राइक और डिफेंस स्किल को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

भारत अब उन खास देशों के ग्रुप में शामिल हो गया है, जिनके पास ऑपरेशनल-लेवल की बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस क्षमता है। भारत से पहले यह तकनीक अमेरिका, रूस, इजराइल और चीन के पास थी।

बिहार: नीट यूजी पेपर लीक और सीबीएसई की अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

पटना। नीट यूजी परीक्षा पेपर लीक और सीबीएसई में रिजल्ट और कॉपी जांच में अनियमितताओं के विरोध में बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व में शनिवार को कांग्रेस ने पटना में प्रदर्शन किया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में 89 परीक्षा प्रश्नपत्र लीक हुए हैं और खुद एनटीए के अधीन नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र चार बार लीक हो चुके हैं, जिससे केंद्रीय परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं, लेकिन केंद्र सरकार ने ऐसी भ्रष्ट व्यवस्था बना दी है कि अमीर परिवारों के बच्चों को ही मेडिकल सीटें और नौकरियां मिलेंगी, जबकि गरीब परिवारों के छात्रों को उम्मीद के सहारे हर बार धोखा ही खाना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली इस एनडीए सरकार के तहत शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। इस व्यवस्था को बदलने के लिए और छात्रों के भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से कांग्रेस पार्टी लगातार सड़कों पर संघर्ष कर रही है।

उन्होंने कहा कि आज बिहार के छात्रों के हक के लिए हम सड़कों पर हैं। वर्तमान सरकार को अविलंब एनटीए के तहत आयोजित होने वाली नीट परीक्षा में पारदर्शिता और पेपर लीक की समस्या को खत्म करना चाहिए और आगामी 21 जून को आयोजित होने वाली परीक्षा के साथ भविष्य की प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर गंभीरता बरतनी चाहिए। उन्होंने सीबीएसई की प्रणाली पर भी सवाल उठाए।

विधान परिषद में दल के नेता डॉ. मदन मोहन झा ने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले 12 वर्षों में शिक्षा तंत्र को बर्बाद कर दिया है और वर्तमान शिक्षा मंत्री नैतिकता के आधार पर भी अपने पद से इस्तीफा तो दूर, 22 लाख पीड़ित छात्रों के प्रति संवेदना प्रकट करने की भी जहमत नहीं उठाते हैं। उनकी उदासीनता बताने के लिए काफी है कि केंद्र सरकार ने उन्हें शैक्षणिक गतिविधियों को बर्बाद करने की ही जिम्मेदारी दे रखी है और इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनका इस्तीफा नहीं मांगा।

उन्होंने शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करने की मांग की। राजापुर पुल की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने गोसाई टोला से आगे मरीन ड्राइव चौराहे पर रोक दिया। इससे नाराज प्रदर्शनकारियों ने वहीं धरने पर बैठ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ गगनभेदी नारे लगाने लगे।

इस दौरान कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जुलूस भी निकाल कर अपना विरोध दर्ज किया।

गृह मंत्री शाह का आश्वासन, मिजोरम के शरणार्थियों को राहत देगी केंद्र सरकार

आइजोल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा को आश्वासन दिया है कि केंद्र सरकार राज्य में रह रहे शरणार्थियों की राहत और सहायता के लिए 10 करोड़ रुपये मूल्य का चावल उपलब्ध कराएगी। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम नई दिल्ली में हुई बैठक के दौरान मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने गृह मंत्री को बताया कि मिजोरम में वर्तमान में मणिपुर, बांग्लादेश और म्यांमार से आए करीब 40,000 शरणार्थी रह रहे हैं।

इसके जवाब में अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार शरणार्थियों के भोजन और राहत कार्यों के लिए मिजोरम सरकार को 10 करोड़ रुपये मूल्य का चावल उपलब्ध कराएगी।आधिकारिक दौरे पर दिल्ली पहुंचे मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने कर्तव्य भवन स्थित गृह मंत्री कार्यालय में अमित शाह से मुलाकात कर मिजोरम के विकास और जनकल्याण से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) योजना के तहत मिजोरम को अन्य पूर्वोत्तर राज्यों की तरह सहायता नहीं मिल रही है, क्योंकि राज्य लंबे समय से उग्रवाद और कानून-व्यवस्था की समस्याओं से मुक्त और शांतिपूर्ण रहा है।उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि मादक पदार्थों की तस्करी, सीमा पार अपराधों और बढ़ते साइबर अपराधों से निपटने के लिए एसआरई योजना का लाभ मिजोरम को भी दिया जाए।गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर विकास पहल (पीएम-डेवाइन) योजना के तहत अधिक परियोजना प्रस्ताव भेजने की सलाह दी और इन परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया।

एयर फोर्स अकादमी की ग्रेजुएशन परेड, नए फ्लाइंग ऑफिसर्स ने साझा की सफलता की कहानी

हैदराबाद। तेलंगाना के डुंडीगल स्थित एयर फोर्स अकादमी में आयोजित संयुक्त ग्रेजुएशन परेड के दौरान देश के नए सैन्य अधिकारियों ने भारतीय वायुसेना में अपने सफर की शुरुआत की। इस अवसर पर शानदार एरियल डिस्प्ले भी आयोजित किया गया।

परेड के दौरान 217वें कोर्स के कैडेट्स ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने के बाद अधिकारी के रूप में कमीशन प्राप्त किया। चार वर्षों की कठिन ट्रेनिंग, अनुशासन और समर्पण के बाद वर्दी पहनकर देश सेवा के लिए तैयार हुए युवा अधिकारियों ने इसे अपने जीवन का सबसे गर्वपूर्ण क्षण बताया।

हरियाणा के चरखी दादरी जिले से आने वाले एक नवनियुक्त अधिकारी ने कहा कि एयर फोर्स अकादमी और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में बिताए गए चार वर्ष उनके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण अनुभवों में से एक रहे हैं। उन्होंने कहा, 'आज यहां खड़े होकर मुझे बेहद सम्मान और गर्व महसूस हो रहा है। यह क्षण मेरे लिए और मेरे माता-पिता के लिए अत्यंत भावुक और गर्वपूर्ण है। चार वर्षों की यह यात्रा शानदार रही है और इसे शब्दों में बताना आसान नहीं है। 'नव-नियुक्त फ्लाइंग ऑफिसर रितुल ने बताया कि पहले बैच का हिस्सा बनना उनके लिए विशेष गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के पीछे केवल उनकी मेहनत नहीं, बल्कि उनके माता-पिता, प्रशिक्षकों और वरिष्ठ अधिकारियों का भी महत्वपूर्ण योगदान है। हमारे व्यक्तित्व को गढ़ने में कई लोगों ने योगदान दिया है। मैं उन सभी की आभारी हूं क्योंकि उन्होंने मुझे आज इस मुकाम तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई है।

उन्होंने लड़कियों को प्रेरित करते हुए कहा कि उन्हें बड़े सपने देखने चाहिए। महिलाओं के लिए आज हर क्षेत्र में अवसर उपलब्ध हैं और सशस्त्र बल भी इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं। उन्होंने बताया कि उनके परिवार में उनसे पहले कोई रक्षा सेवाओं में नहीं था और वह अपने परिवार की पहली पीढ़ी हैं, जिसने सशस्त्र बलों में प्रवेश किया है।

एक नवनियुक्त अधिकारी ने कहा कि यह केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि उन सभी लोगों की सफलता है, जिन्होंने उनके सपने को पूरा करने में योगदान दिया। मेरे लिए यह बेहद सफल और संतोषजनक क्षण है। सिर्फ मैंने ही नहीं, बल्कि मेरे परिवार, प्रशिक्षकों और कई अन्य लोगों ने अथक प्रयास किए हैं, जिसकी बदौलत मैं आज यहां तक पहुंच पाई हूं। पिछले चार वर्षों में हमने कठिन प्रशिक्षण और कई चुनौतियों का सामना किया है। उन सभी परिस्थितियों को पार करते हुए आज हम पास आउट हुए हैं। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। समारोह में मौजूद एक नवनियुक्त महिला अधिकारी निधि की मां ने भी खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी का वर्षों पुराना सपना आज पूरा हुआ है।

गुजरात ने योजना के दूसरे चरण में भारत के आधे से अधिक 'स्वामित्व' संपत्ति कार्ड जारी किए

गांधीनगर। गुजरात प्रधानमंत्री-स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन में अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। कार्यक्रम के दूसरे चरण में पूरे भारत में तैयार किए गए सभी संपत्ति कार्डों में से आधे से अधिक कार्ड गुजरात ने जारी किए और 11,500 से अधिक गांवों में ड्रोन आधारित मानचित्रण पूरा किया।

यह उपलब्धि ऐसे समय में हासिल हुई है जब केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रही है। इस दौरान स्वामित्व योजना को ग्रामीण क्षेत्रों में आवासीय संपत्तियों के कानूनी स्वामित्व रिकॉर्ड उपलब्ध कराने और वित्तीय सेवाओं तक पहुंच में सुधार लाने की एक प्रमुख पहल के रूप में स्थापित किया गया है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, योजना के दूसरे चरण के दौरान देश भर में 32,35,260 संपत्ति कार्ड तैयार किए गए।

इनमें से अकेले गुजरात ने 18,50,614 संपत्ति कार्ड जारी किए, जो सभी राज्यों में सबसे अधिक संख्या है और राष्ट्रीय कुल का 50 प्रतिशत से अधिक है। सरकार ने कहा कि यह योजना ग्रामीण निवासियों की एक लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान करती है, जिनके पास अक्सर अपने घरों और संपत्तियों के लिए औपचारिक कानूनी दस्तावेजों की कमी होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, केंद्र ने पिछले 12 वर्षों में ग्रामीण सशक्तिकरण के उद्देश्य से कई पहलें की हैं, जिनमें स्वमित्वा योजना आधुनिक सर्वेक्षण तकनीक के माध्यम से कानूनी स्वामित्व अभिलेखों के निर्माण पर केंद्रित है। गुजरात में, इस कार्यक्रम को ड्रोन तकनीक का उपयोग करके एक बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण अभियान के माध्यम से लागू किया गया। कुल 14,900 ड्रोन उड़ानें संचालित की गईं, जिसके परिणामस्वरूप 11,511 गांवों का मानचित्रण और पंजीकरण किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर, योजना के दूसरे चरण के दौरान 58,197 गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण किए गए।गुजरात ने सबसे अधिक कार्य पूरा किया, सर्वेक्षण, सत्यापन और पंजीकरण प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद जारी किए गए संपत्ति कार्डों की संख्या में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई।इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन में सर्वे ऑफ इंडिया, गुजरात राजस्व विभाग और गुजरात पंचायती राज विभाग के समन्वित प्रयास शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन सर्वेक्षण और जीआईएस आधारित मानचित्रण से संपत्ति के अधिक सटीक रिकॉर्ड बनाने और ग्रामीण नियोजन एवं प्रशासन में पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिली है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कौशल विकास को मिला बढ़ावा: धर्मेंद्र प्रधान

भोपाल। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पहली बार देश में कौशल विकास को व्यापक बढ़ावा मिला है। मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भोपाल पहुंचे, जहां उन्होंने मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के साथ शूटिंग अकादमी का दौरा किया और खिलाड़ियों से संवाद कर उनके अनुभवों को जाना।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में पहली बार कौशल विकास (स्किल डेवलपमेंट) को व्यापक स्तर पर बढ़ावा दिया गया है। युवाओं को केवल डिग्री आधारित शिक्षा तक सीमित न रखकर उन्हें कौशल, खेल और नवाचार से जोड़ने का कार्य किया गया है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से खेल और शारीरिक शिक्षा को शिक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है। अब विद्यार्थियों को खेल और पढ़ाई में से किसी एक का चयन करने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि दोनों क्षेत्रों में समान रूप से आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों और विद्यार्थियों के लिए विशेष कोर्स वर्क तैयार किया जा रहा है, जिससे खेल गतिविधियों और शैक्षणिक उपलब्धियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सके।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि एपीएआर आईडी के माध्यम से विद्यार्थियों और खिलाड़ियों की शैक्षणिक तथा खेल संबंधी उपलब्धियों को एक मंच पर जोड़ा जाएगा। इससे उनकी प्रतिभा और उपलब्धियों का समग्र रिकॉर्ड तैयार होगा, जो भविष्य में शिक्षा और करियर दोनों क्षेत्रों में लाभकारी साबित होगा। उन्होंने बताया कि इंटर-स्पोर्ट्स गतिविधियों को क्रेडिट स्कोर से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है, ताकि खेलों में सक्रिय भागीदारी को भी अकादमिक मूल्यांकन का हिस्सा बनाया जा सके।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पहली बार आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में भी स्पोर्ट्स कोटा की व्यवस्था की गई है। यह कदम खेल प्रतिभाओं को उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करने और खेल संस्कृति को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आने वाले 20 वर्षों में भारत को आत्मनिर्भरता की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ना है। उन्होंने 2036 ओलंपिक को देश का महत्वपूर्ण लक्ष्य बताते हुए कहा कि खेलों के क्षेत्र में भारत को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभानी होगी।

अभिषेक बनर्जी के खिलाफ दो नए मामले दर्ज, 14 से 16 जून तक लगातार तीन दिन होगी पूछताछ

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ शनिवार को पश्चिम बंगाल के दो अलग-अलग जिलों के दो पुलिस थानों में अलग-अलग आरोपों को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई है।

पहली शिकायत दार्जिलिंग जिले के सिलीगुड़ी महानगर पुलिस के अंतर्गत आने वाले सिलीगुड़ी साइबर पुलिस स्टेशन में कारोबारी संजय कुमार सिंघल ने दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विधानसभा चुनाव से पहले विभिन्न चुनावी सभाओं में अभिषेक बनर्जी द्वारा दिए गए कई बयान चुनाव बाद हिंसा भड़काने वाले थे। शिकायतकर्ता ने पुलिस से मामले की गहन जांच कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

दूसरी शिकायत दक्षिण 24 परगना जिले के बिष्णुपुर थाने में भाजपा नेता अविजीत दास उर्फ बॉबी ने दर्ज कराई है। अविजीत दास वर्ष 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव में डायमंड हार्बर सीट से अभिषेक बनर्जी के खिलाफ भाजपा उम्मीदवार रह चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि वर्ष 2020 में आए चक्रवात अम्फान के बाद राहत सामग्री वितरण में भ्रष्टाचार हुआ था, जिसमें अभिषेक बनर्जी की भूमिका की जांच होनी चाहिए। उन्होंने इस मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की मांग की है। इस बीच अभिषेक बनर्जी को 14 से 16 जून तक लगातार तीन दिनों में तीन अलग-अलग मामलों में जांच एजेंसियों के समक्ष पेश होना होगा।

कर्नाटक भाजपा ने 'सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट' निविदा में अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग की

बेंगलुरु । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) आर. अशोक ने शनिवार को सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट निविदा में कथित अनियमितताओं की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग की। उन्होंने राज्य सरकार पर एक बड़े भ्रष्टाचार घोटाले में संलिप्त होने का आरोप लगाया।

एक बयान में अशोक ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार इस मामले की गहन जांच से बच रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री को 'मुख्य आयोग मंत्री' करार दिया। मुख्यमंत्री के इस बयान का जिक्र करते हुए कि वे किसी भी जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं, अशोक ने उन्हें चुनौती दी कि यदि उन्हें विश्वास है कि कथित अनियमितताओं में न तो उनकी और न ही उनकी सरकार की कोई भूमिका है, तो वे इस मामले को सीबीआई को सौंप दें।

अशोक ने कहा कि मुख्यमंत्री को मीडिया के सामने बयान देने के बजाय कथित घोटाले की सीबीआई जांच का आदेश देकर पारदर्शिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करनी चाहिए।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि ठोस अपशिष्ट निपटान निविदा की आड़ में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का रैकेट चलाया गया है और दावा किया कि सच्चाई केवल एक स्वतंत्र जांच के माध्यम से ही सामने आएगी।

अशोक ने कहा कि वह स्वयं कथित अनियमितताओं के संबंध में शिकायत दर्ज करेंगे और सरकार से मामले की व्यापक जांच का आदेश देने का आग्रह किया।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि निविदा प्रक्रिया के संबंध में कमीशन लिया गया था और मांग की कि दोषियों की पहचान कर उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाए।

भाजपा नेता ने कहा कि कर्नाटक की जनता को कथित भ्रष्टाचार के पीछे की सच्चाई और इस सरकार का असली चेहरा जानने का अधिकार है।

सीएम योगी के नेतृत्व में पंचायती राज विभाग ने पांच वर्षों में रचा विकास का नया इतिहास

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के पंचायती राज विभाग ने पिछले पांच वर्षों में ग्रामीण विकास, डिजिटल सुशासन, स्वच्छता और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में विभाग की उपलब्धियों और भावी योजनाओं पर प्रस्तुत किए गए विवरण में ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए किए गए कार्यों को प्रमुखता से रेखांकित किया गया। उत्तर प्रदेश में वर्तमान में 57,694 ग्राम पंचायतें हैं और ग्रामीण आबादी लगभग 15.53 करोड़ है, जो राज्य की कुल जनसंख्या का 78 प्रतिशत है। बीते वर्षों में सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सचिवालय स्थापित किए गए हैं तथा 24,311 पंचायत भवनों का निर्माण कराया गया। पंचायत सचिवालयों में फर्नीचर, कंप्यूटर, इंटरनेट और पेयजल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। डिजिटल सेवाओं के विस्तार के तहत 54,958 कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) संचालित किए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से 49.38 लाख से अधिक सेवाएं ग्रामीणों को उपलब्ध कराई गईं। इससे पंचायतों की आय और पारदर्शिता दोनों में वृद्धि हुई।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत उत्तर प्रदेश ने सामुदायिक शौचालय निर्माण में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। राज्य में हजारों गांवों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, ग्रे-वाटर मैनेजमेंट और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के कार्य सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही 'वेस्ट टू वेल्थ' मॉडल के माध्यम से पंचायतों की आय में भी वृद्धि हुई है।

विभाग ने पंचायत प्रतिनिधियों और कर्मचारियों के क्षमता विकास पर भी विशेष जोर दिया है। विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाखों जनप्रतिनिधियों और कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया है, जबकि डिजिटल लाइब्रेरी, पंचायत गेटवे पोर्टल और परिवार रजिस्टर के डिजिटलीकरण जैसे नवाचार ग्रामीण प्रशासन को आधुनिक स्वरूप प्रदान कर रहे हैं।

स्कूलों में प्रार्थना और मंत्र-पाठ अनिवार्य, सियासत तेज

आरएसएस की विचारधारा थोपना चाह रही है सरकार : कांग्रेस

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में नए शिक्षा सत्र 2026-27 से दिन में तीन बार प्रार्थना और मंत्र-पाठ अनिवार्य किए जाने के स्कूल शिक्षा विभाग के आदेश पर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार अब स्कूलों में सुबह, दोपहर और छुट्टी के समय निर्धारित प्रार्थनाएं एवं मंत्रों का पाठ कराया जाएगा।

विभाग ने 12 जून को जारी आदेश में कहा है कि विद्यार्थियों के ज्ञान-विकास और उन्हें भारतीय संस्कृति से परिचित कराने के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की जा रही है। निर्देश के मुताबिक स्कूल शुरू होने पर सरस्वती वंदना, गुरु मंत्र सहित छह प्रार्थनाएं कराई जाएंगी। वहीं मध्याह्न भोजन के समय भोजन मंत्र और स्कूल की छुट्टी के समय गायत्री मंत्र का पाठ कराया जाएगा। विभाग ने सभी स्कूलों को इसका नियमित पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इस आदेश को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा थोपने का आरोप लगाया है। कांग्रेस के प्रदेश संचार विभाग प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकारी स्कूल किसी एक धर्म या विचारधारा के नहीं हैं, बल्कि यहां विभिन्न धर्मों और समुदायों के बच्चे पढ़ते हैं। ऐसे में धार्मिक गतिविधियों और मंत्र-पाठ को अनिवार्य बनाए जाने की आवश्यकता पर सवाल उठता है।

वहीं भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों को निराधार बताते हुए पलटवार किया है। भाजपा प्रवक्ता अमित चिमनानी ने कहा कि जब भी सनातन संस्कृति की बात होती है, कांग्रेस को आपत्ति होने लगती है। उन्होंने कहा कि गायत्री मंत्र विश्व कल्याण का संदेश देता है और इसे लेकर विवाद खड़ा करना उचित नहीं है।

सरकारी स्कूलों में प्रार्थना और मंत्र-पाठ को लेकर शुरू हुई यह बहस अब राजनीतिक रंग ले चुकी है। एक ओर सरकार इसे सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों से जोड़कर देख रही है, वहीं विपक्ष इसे शिक्षा व्यवस्था में धार्मिक अनिवार्यता बढ़ाने का प्रयास बता रहा है। आने वाले दिनों में यह मुद्दा और अधिक राजनीतिक चर्चा का विषय बन सकता है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में समृद्ध और सशक्त भारत का हो रहा है निर्माण : सीएम साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 साल पूरे होने पर प्रदेश की तीन करोड़ की जनता की ओर से आभार जताया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के ध्येय वाक्य के साथ उनके नेतृत्व में समृद्ध और सशक्त भारत का निर्माण हो रहा है। एक ऐसा नया भारत, जो किसी को छेड़ता नहीं है, लेकिन छेड़ने वालों को छोड़ता भी नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत 60 करोड़ से ज्यादा हेल्थ कार्ड बना है। पीएम सुरक्षा बीमा योजना के तहत 58 करोड़ से ज्यादा लोगों को फायदा मिल रहा है। पीएम आवास योजना के तहत कई लोगों को इस योजना का लाभ प्राप्त हुआ। छत्तीसगढ़ के लोगों को भी 10 लाख 60 हजार पीएम आवास योजना का लाभ मिला। पीएम उज्ज्वला योजना के तहत गैस का कनेक्शन दिया गया। जल जीवन मिशन के तहत 16 करोड़ से ज्यादा घरों में नल से पानी पहुंचा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 अगस्त 2014 से पीएम ने जब घोषणा की तो विरोधी लोग उपहास उड़ा रहे थे कि क्या पीएम जैसे लोग शौचालय बनवाते हैं। आज उनके मुंह बंद हो गए। 12 करोड़ से ज्यादा शौचालय का निर्माण हुआ। पीएम स्वनिधि योजना के जरिए लोगों को लोन मिला है। 12 सालों में जनजातीय लोगों का सम्मान हुआ है। राष्ट्रपति के पद पर जनजातीय समाज की बेटी द्रौपदी मुर्मू विराजमान हैं।

उन्होंने कहा कि पीएम जनमन योजना के तहत राष्ट्रपति के दत्तक पुत्रों को फायदा मिल रहा। उनके राशन कार्ड बन रहे, पीएम आवास योजना का लाभ उन्हें मिलता है। जनजातीय समाज के विकास के लिए धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना का लाभ मिल रहा है। जनजातीय लोगों के विकास के लिए आदिम जाति कल्याण का अलग से विभाग है। पहले खेती करने के लिए पूंजी की व्यवस्था नहीं थी। आज किसान क्रेडिट कार्ड की व्यवस्था है। 3 करोड़ से ज्यादा माता बहने लखपति बनी हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री सोलर ऊर्जा को बढ़ावा दे रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत लोगों को फायदा मिल रहा है। लोगों के घरों में सोलर लगाया जा रहा है। 12 वर्षों में गरीबों के कल्याण के काम हुए हैं। देश के विकास के लिए वे 24 में से 18 घंटे काम करते हैं। पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत विकास के काम हो रहा है। 12 वर्षों में चार लाख किलोमीटर सड़कें बनी हैं। किसानों के विकास के लिए भी सरकार संकल्पबद्ध है। पीएम सिंचाई योजना के तहत किसानों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सिंचाई का रकबा बढ़ा है। 1.46 लाख किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग में बढ़ोतरी हुई। दुर्गम क्षेत्रों में भी विकास पहुंचा है। विश्व के सबसे ऊंचा ब्रिज अटल टनल पवन ब्रिज बनाने का काम हुआ।

संक्षिप्त खबरें

डंगनिया में 10 लाख की लूट का खुलासा, अंतरराज्यीय गैंग के दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी के डंगनिया क्षेत्र में गैस एजेंसी के मैनेजर से 10 लाख रुपये की लूट के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। जांच में सामने आया है कि वारदात को अंतरराज्यीय गैंग के पांच सदस्यों ने मिलकर अंजाम दिया था। पुलिस ने गैंग के दो आरोपियों को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर रायपुर ले आई है, जबकि तीन अन्य आरोपी अब भी फरार हैं। उनकी तलाश में पुलिस की टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। पुलिस के अनुसार, घटना 4 जून की शाम डीडी नगर थाना क्षेत्र में हुई थी। टाटीबंध स्थित एक गैस एजेंसी के मैनेजर श्रवण कुमार साहू करीब 10 लाख रुपये लेकर जा रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार बदमाशों ने उनका पीछा कर नोटों से भरा बैग छीन लिया और मौके से फरार हो गए। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई। जांच में पता चला कि आरोपियों ने रकम को हवाला का पैसा समझकर लूट की योजना बनाई थी। वारदात से पहले गैंग के सदस्य चौबे कॉलोनी इलाके से मैनेजर की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे और लगातार रेकी कर रहे थे। पूरी योजना के तहत घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी उत्तर प्रदेश भाग गए थे। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों की सूचना के आधार पर उत्तर प्रदेश से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। वहीं, फरार तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही बाकी आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

निवेश के सरकारी दावे भ्रामक, भाजपा सरकार में उद्योग दम तोड़ रहे : कांग्रेस

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राज्य सरकार के निवेश संबंधी दावों पर सवाल उठाते हुए कहा है कि भाजपा सरकार नए निवेश लाने में पूरी तरह विफल रही है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने हैदराबाद में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट के तहत 9,580 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव के दावों को भ्रामक बताया। पिछले ढाई वर्षों में सरकार ने पहले 7 लाख करोड़ रुपये, फिर 33 हजार करोड़ रुपये और अब 9,580 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों का दावा किया, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई बड़ा निवेश नहीं आया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री और मंत्रियों के विदेश दौरों के बावजूद राज्य में नए उद्योग स्थापित नहीं हो सके। कांग्रेस ने दावा किया कि भाजपा सरकार की नीतियों के कारण पहले से संचालित उद्योग भी संकट में हैं। वर्मा ने कहा कि जून 2025 तक राज्य में पंजीकृत 18,940 कंपनियों में से 4,288 कंपनियां बंद हो चुकी हैं। उन्होंने स्पंज आयरन, रोलिंग मिल, राइस मिल, सहकारी शक्कर कारखानों और एथेनॉल प्लांटों के बंद होने का भी उल्लेख किया। कांग्रेस प्रवक्ता ने सरकार से सवाल किया कि बस्तर इन्वेस्टर कॉन्क्लेव में घोषित 967 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों में से कितने प्रोजेक्ट धरातल पर उतरे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया से सेमीकंडक्टर, आईटी, एआई, टेक्सटाइल, फार्मा और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में निवेश के दावों का भी अब तक कोई परिणाम नहीं दिखा है।

जीरो ट्रांसमिशन लक्ष्य पर मंथन, कुष्ठ उन्मूलन को लेकर क्षेत्रीय कार्यशाला शुरू

रायपुर। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम (एनएलईपी) के तहत कुष्ठ रोग के संक्रमण को पूरी तरह समाप्त करने और 'जीरो ट्रांसमिशन' के राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने के उद्देश्य से नया रायपुर में दो दिवसीय क्षेत्रीय समीक्षा एवं रणनीतिक कार्ययोजना कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में छत्तीसगढ़ सहित पांच राज्यों के स्वास्थ्य विशेषज्ञों, कार्यक्रम प्रबंधकों और तकनीकी अधिकारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन संचालक आराधना पटनायक, स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया, आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं एवं मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छत्तीसगढ़ संजीव कुमार झा, संयुक्त सचिव निखिल गजराज तथा कुष्ठ रोग प्रकोष्ठ के उप महानिदेशक डॉ. सुनील वी. गिट्टे सहित महाराष्ट्र, ओडिशा, झारखंड और मध्यप्रदेश के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

उरला स्थित पोरवाल ऑयल फैक्ट्री में लगी आग, एक कर्मचारी घायल

रायपुर (संवाददाता)। राजधानी रायपुर के उरला औद्योगिक क्षेत्र स्थित पोरवाल ऑयल फैक्ट्री में शनिवार को अचानक आग लग गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में एक कर्मचारी को मामूली चोट आई है, जिसका अस्पताल में उपचार जारी है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार फैक्ट्री में नियमित प्रक्रिया के तहत सैंपल लिया जा रहा था। इसी दौरान तकनीकी कारणों से एक वाल्व बंद नहीं हो पाया, जिससे गर्म पदार्थ बाहर निकलकर फैल गया। बताया जा रहा है कि ऑक्सीजन के संपर्क में आते ही सेल्फ इग्नीशन (स्वत: दहन) की प्रक्रिया शुरू हो गई और देखते ही देखते आग भड़क उठी।

आग लगने के दौरान सैंपल लेने में जुटा एक कर्मचारी इसकी चपेट में आ गया, जिससे उसके हाथ में हल्की चोट आई। घटना के तुरंत बाद उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। राहत की बात यह रही कि कोई बड़ा जनहानि नहीं हुई।

आग की वजह से फैक्ट्री परिसर से उठता काला धुआं काफी दूर तक दिखाई देता रहा, जिससे आसपास के लोगों में भी चिंता का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और समय रहते आग को नियंत्रित कर लिया गया, जिससे बड़ा नुकसान टल गया।पुलिस और संबंधित विभाग के अधिकारी घटना की जांच में जुट गए हैं। आग लगने के कारणों और हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद आवश्यक सुरक्षा उपायों को लेकर भी समीक्षा की जाएगी।

नगर निगम में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 8 जोनों के आयुक्त बदले

E-mail - commissionerbmcbilaspur@gmail.com, Website - www.bilaspurnagarnigam.com

:: आदेश ::

क्र GENS-2101/7971/2026-COMMISSIONER NN GEN SEC BSP बिलासपुर दिनांक 11/06/2026

प्रशासनिक दृष्टिकोण से निम्नानुसार अधिकारियों को अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त उनके नाम के सम्मुख कालम 4 में अंकित नवीन दायित्व सौंपा जाता है :-

क्र.	अधिकारी का नाम, पदनाम	वर्तमान दायित्व	नवीन दायित्व
1	2	3	4
1	श्रीमती मधुलिका सिंह जोन कमिश्नर	जोन कमिश्नर जोन क्रमांक-6	जोन कमिश्नर जोन क्रमांक-1
2	श्री प्रवीण शर्मा जोन कमिश्नर	जोन कमिश्नर जोन क्रमांक-7	जोन कमिश्नर जोन क्रमांक-2
3	श्री प्रवेश कश्यप जोन कमिश्नर	जोन कमिश्नर जोन क्रमांक-5	जोन कमिश्नर जोन क्र.-3 के साथ-साथ निम्नानुसार अतिरिक्त कार्य :- • स्वास्थ्य अधिकारी। • उपायुक्त, स्थापना। • स्वच्छता सर्वेक्षण एवं सिटी 2.0 से संबंधित कार्य।
4	श्रीमती विभा सिंह जोन कमिश्नर	जोन कमिश्नर जोन क्रमांक-8	जोन कमिश्नर जोन क्रमांक-4
5	श्रीमती सवीना अनंत जोन कमिश्नर	उपायुक्त स्टोर, खाद्य, उद्यान, संजय तरण पुष्कर, भविष्य निधि शाखा, पेंशन शाखा	जोन कमिश्नर जोन क्रमांक-5 के साथ-साथ निम्नानुसार अतिरिक्त कार्य :- • संजय तरण पुष्कर • उद्यान शाखा

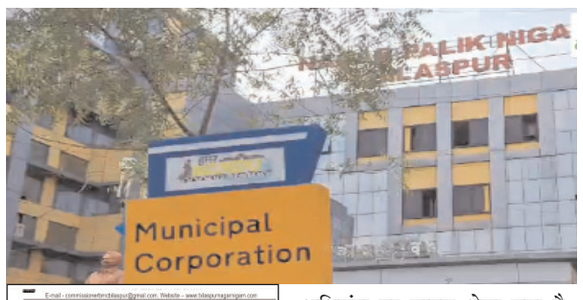

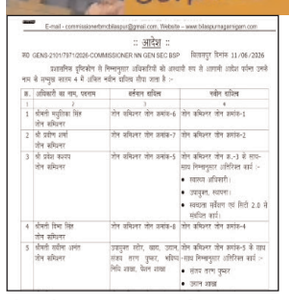

रायपुर/बिलासपुर (संवाददाता)। बिलासपुर नगर निगम में प्रशासनिक कसावट लाने और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों की निगरानी मजबूत करने के उद्देश्य से बड़ा फेरबदल किया गया है। निगम प्रशासन ने 8 जोनों के जोन आयुक्तों के प्रभार में बदलाव करते हुए नई पदस्थापनाएं जारी की हैं।

जानकारी के अनुसार, लंबे समय से एक ही जोन में पदस्थ अधिकारियों के खिलाफ मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए यह कार्रवाई की गई है। शिकायतों के बाद तत्कालीन जोन कमिश्नर रंजना अग्रवाल को उनके प्रभार से हटा दिया गया है।

जारी आदेश के मुताबिक, प्रवेश कश्यप को जोन क्रमांक-5 से हटाकर वीआईपी माने जाने वाले जोन क्रमांक-3 का जोन आयुक्त नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही उन्हें अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी सौंपी गई हैं। वहीं, प्रवीण शुक्ला को जोन कमिश्नर पद से कार्यमुक्त कर उनके मूल पद कार्यपालन अभियंता पर वापस भेजा गया है। साथ ही उन्हें जोन क्रमांक-3 और 7 की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दी गई है। नगर निगम के इस प्रशासनिक फेरबदल को कार्यप्रणाली में सुधार, जवाबदेही बढ़ाने और शहर के विकास कार्यों में गति लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। निगम प्रशासन का मानना है कि नए प्रभार मिलने से जोन स्तर पर कार्यों की निगरानी और जनसमस्याओं के निराकरण में तेजी आएगी।

मोदी सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया : गिरिराज सिंह

मीडिया कॉन्क्लेव में कांग्रेस पर साधा निशाना, मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियां गिनाईं

रायपुर (संवाददाता)। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि कांग्रेस अपने छह दशक के शासनकाल में गरीबी समाप्त नहीं कर सकी, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने विकास के साथ-साथ विरासत को भी आगे बढ़ाने का कार्य किया है।

रायपुर में मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित मीडिया कॉन्क्लेव में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी उपस्थित रहे।

गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस के दौर में 'इंदिरा जी को लाएंगे, आधी रोटी खाएंगे, गरीबी को मिटाएंगे' जैसे नारे लगाए जाते थे, लेकिन गरीबी खत्म नहीं हुई। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबी के खिलाफ प्रभावी लड़ाई लड़ी और करोड़ों लोगों को इससे बाहर निकालने में सफलता प्राप्त की। उन्होंने कहा कि 'लखपति दीदी' जैसी योजनाएं गरीब परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी टिप्पणी करते हुए वर्ष 2008 में महाराष्ट्र के यवतमाल में किसान की विधवा कलावती बंडुरकर के घर उनके दौरे का उल्लेख किया।

महक ने बढ़ाया छत्तीसगढ़ का मान, सीएम साय ने किया सम्मानित

महक नरवासे श्रीलंका दौरे के लिए बनी उपकप्तान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजनांदगांव जिले की प्रतिभाशाली युवा क्रिकेटर महक नरवासे ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह एवं सांसद बृजमोहन अग्रवाल उपस्थित थे। मुख्यमंत्री साय ने भारतीय महिला अंडर-19 क्रिकेट टीम के आगामी श्रीलंका दौरे के लिए टी-20 एवं वनडे दोनों टीमों का उपकप्तान नियुक्त किए जाने पर महक नरवासे को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर महक का सम्मान किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

साय ने कहा कि महक नरवासे की यह उपलब्धि केवल उनके परिवार या राजनांदगांव जिले की नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। प्रदेश की बेटियां आज खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बना रही हैं। महक ने अपनी मेहनत, अनुशासन और समर्पण के बल पर यह मुकाम हासिल किया है, जो प्रदेश के युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणादायी है।

खूब खेलो, आगे बढ़ो और नई ऊंचाइयों को छुओ

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि महक आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ और देश का नाम गौरवान्वित करेंगी। उन्होंने महक को प्रोत्साहित करते हुए कहा, 'खूब खेलो, आगे बढ़ो और नई ऊंचाइयों को छुओ। आपकी सफलता प्रदेश के हजारों युवा खिलाड़ियों के सपनों को नई उड़ान देगी।

खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित कर रही सरकार

सीएम साय ने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। महक नरवासे का भारतीय अंडर-19 महिला टीम की उपकप्तान के रूप में चयन प्रदेश में विकसित हो रहे खेल वातावरण और खिलाड़ियों को मिल रहे अवसरों का उत्कृष्ट उदाहरण है। महक नरवासे ने सम्मान एवं शुभकामनाओं के लिए मुख्यमंत्री साय के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उनके पिता राधेश्याम नरवासे, महापौर मधुसूदन यादव, कोच मनोज तिवारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भावी आचार्य विनय कुशल मुनि और विराग मुनि का नवकार नगर में स्वागत

रायपुर (संवाददाता)। राजधानी के नवकार नगर स्थित नव-निर्मित मुनिसुव्रत स्वामी जिनालय एवं मणिधारी दादाबाड़ी में धर्म, श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। परम पूज्य भावी आचार्य विनय कुशल मुनि महाराज एवं उग्र तपस्वी विराग मुनि महाराज के प्रथम मंगल आगमन पर जैन समाज ने भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं शामिल हुईं। गुरुभगवंतों के मंगल पदार्पण के अवसर पर 163 मंगल कलशों के साथ विशेष वर्धापन एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। लाल और पीले परिधानों में सुसज्जित महिलाओं ने मंगल कलश यात्रा में भाग लेकर पूरे परिसर को भक्तिमय बना दिया। गुरुभगवंतों के आगमन के साथ ही जिनालय परिसर जयकारों, मंगल ध्वनियों और धार्मिक उल्लास से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने गुरु वंदना, धर्म आराधना तथा पूजन-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

कहानी

हरिप्रकाश राठी

ज्ञान-वृद्ध सूर्य क्षितिज के उस पार अस्ताचल में उतरने का मन बना ही रहे थे कि सांझ ने छिछोरी चुहिया की तरह बिल से मुँह बाहर निकाला। अवसर मिलते ही वह बाहर आने को यूँ उतावली थी जैसे चिर-समय से अंधकूप में पड़ा अज्ञानी बाहर निकलने को उत्कंठित रहता है।

शाम के छ: बजे होंगे।

जेट एयरवेज की बिजनिस क्लास में खिड़की के पास बैठे पूर्णदत्त आँखे मूंदे जाने क्या सोच रहे थे। वे पहली बार हवाई यात्रा कर रहे थे। जीवन में प्रथम बार किए जाने वाले हर कार्य का अनुभव कितना अद्भुत होता है। मनुष्य कितने ही ऊँचे मुकाम पर क्यों न पहुँच जाये, प्रथम प्यार, प्रथम व्यवसाय, प्रथम संतति एवं ऐसी अनेक प्रथमत: प्राप्त होने वाली उपलब्धियाँ कितनी रोमांचक होती हैं। निश्चय ही पूर्णदत्त चाहते तो यह यात्रा पच्चीस वर्ष पूर्व कर सकते थे। अब वे पचास पार थे लेकिन उनके उत्साह एवं चेहरे-मोहरे को देखकर लगता जैसे पैंतीस-चालीस वय के युवक हों। आज भी उनके सर पर अधिकांश काले बाल थे। भरे गाल, ऊँचा कद, सुघड़ दंतपंक्ति एवं आँखों पर लगा चश्मा उनके व्यक्तित्व को एक नया आयाम देता। उनके बातचीत करने की अदा एवं पहनावे से रईसी स्पष्ट दृष्टिगत होती। वे कोई नये रईस नहीं थे, अपने कैरियर के प्रारंभिक वर्षों में ही उन्होंने इतनी धन-संपदा अर्जित कर ली थी कि वे चाहते तो कभी भी हवाईयात्रा कर लेते लेकिन वही बात, वही परमसत्य कि नसीब में जो जब मिलना होता है तभी मिलता है। आज वे 'चैन ऑफ कंपनीज' के मालिक थे, प्रोपट्री डीलिंग व्यवसाय में उनकी पैठ थी लेकिन आश्चर्य! हवाईयात्रा की उनकी इच्छा आज तक पूरी नहीं हो पाई।

वे आठ वर्ष के थे तो जाने किस मरदूद ज्योतिषी ने उनकी माँ को कह दिया कि उसके जीते जी पूरण को हवाईयात्रा से खतरा है। माँ के जीते पुत्र को खतरा? यह भी कोई तर्क हुआ। उनकी माँ को इस विज्ञान में प्रगाढ़ आस्था थी, फिर पूर्णदत्त इकलौते पुत्र थे, उसने पुत्र को हवाईयात्रा की इजाजत नहीं दी। अब जबकि माँ के निधन को तीन माह हुए वे प्लेन में पहली बार सफर कर रहे थे।

पूर्णदत्त में वैसे तो उनेक गुण थे पर अभिमान सर चढ़कर बोलता। पैसा अगर इस रफ्तार से मिले तो अच्छे-अच्छों की आँखों में चर्बी चढ़ जाती है। उपलब्धियाँ किसे मोहचित्त नहीं करती। वे तनिक-सी बात पर तुनक जाते। दोपहर के ग्रीष्म-सूर्य की तरह सभी उनके ताप से संतप्त रहते। कर्मचारी उन्हें आग का पुतला कहते। वे स्वयं के आगे किसी को कुछ नहीं मानते। बात बेबात कर्मचारियों को आँख दिखाते रहते। 'तेरी औकात क्या है' जैसा वाक्य तो उनका तकियाकलाम था। कड़वी-रूखी बातें उनकी जुबान पर होती। ऐसे में उन्हें कौन समझायें? सूर्य को कौन आँख दिखा सकता है?

प्रतिनिधि

लेकिन आज की हवाईयात्रा से उनके मन में खलबली मच गई। हवाईपट्टी से उड़कर प्लेन ऊपर उठकर सीधा हुआ तो उन्होंने खिड़की से नीचे देखा। वे यह देखकर दंग रह गए कि उनका शहर कितना छोटा है एवं इसमें उनकी कंपनियाँ, जमीन तो न के बराबर है। उन्हें जीवन में पहली बार लघु होने का अहसास हुआ। धीरे-धीरे यह दृश्य भी विलुप्त होने लगा तो वे एक विचित्र सोच में पड़ गए। यह चिंतन धीरे-धीरे इतना सघन हुआ कि वे पड़ौसी मुसाफ़िर को कहे बिना नहीं रह सके, 'दुनिया ऊपर से कितनी छोटी लगती है।' भावातिरेक मन रीता होने का माध्यम ढूंढ ही लेता है।

'क्या आप प्रथम बार हवाईयात्रा कर रहे हैं?' उनके पड़ौस में बैठे प्रोफेसर शर्मा ने उनकी तरफ देखकर पूछा। प्रो. शर्मा उन्हीं के शहर में एस्ट्रानोमी यानि खगोल विज्ञान के प्रोफेसर थे।

'जी हाँ मैं यह यात्रा प्रथम बार ही कर रहा हूँ' यह कहते हुए उन्होंने शर्माजी को अब तक हवाईयात्रा न करने की कथा बताई तो प्रो. शर्मा का कौतुहल शांत हुआ।

पूर्णदत्त अब पूर्ण चन्द्र को एकटक देख रहे थे। पूर्णिमा के महासागर की तरह आज उनका चिंतन भी क्षुब्ध हो उठा था। संयत हुए तो पुन: प्रो. शर्मा की ओर मुड़कर बोले, 'हवाईयात्रा करके ही मुझे पता चला हम कितने छोटे हैं।'

प्रो. शर्मा ने अब उनकी ओर यूँ देखा जैसे एक अनुभवी गुरु अपने नये शिष्य की ओर देखता है। उन्होंने पूर्णदत्त के मन की अपूर्णता को भाँप लिया। ज्ञान बघारने का इससे अच्छा अवसर फिर कब मिलता। पूर्णदत्त की ओर मुड़कर बोले, 'आप सामने उगते हुए पूर्णमासी के चन्द्रमा को देखें। क्या आप जानते हैं यह पृथ्वी का आधा भी नहीं है?'

'मैं तो इन चांद-तारों के बारे में कुछ नहीं जानता। मेरी उम्र तो व्यवसाय लगाने एवं बढ़ाने में ही गुजर गई' पूर्णदत्त बोले।

प्रो. शर्मा की बांछे खिल गई। ज्ञानी के सानिध्य में बैठा निपट अज्ञानी कितना सुखकर होता है, इस तथ्य को उन्होंने आज शिद्दत से महसूस किया। उनका आत्मविश्वास पूर्ण चन्द्र की तरह उत्कर्ष छूने लगा। आँखों की चमक दूनी हो गई। पूर्णदत्तजी से पुन: मुखातिब होकर बोले, 'आप यह जानकर हैरान रह जायेंगे कि जैसे चन्द्रमा पृथ्वी से छोटा है, पृथ्वी वृहस्पति एवं शनि जैसे ग्रहों के आगे आधी भी नहीं है।'

'ओह! क्या सूर्य इतना बड़ा है?' आश्चर्यमुग्ध पूर्णदत्त बोले।

'आप यूँ समझिये कि सूरज को अगर क्रिकेट की गेंद के आकार का माना जाय तो पृथ्वी कंचे के बराबर है।' कहते-कहते प्रो. शर्मा ने उनकी ओर यूँ देखा मानो कह रहे हों कि धंधे में भले आप उस्तादों के उस्ताद हो यहाँ तो शार्गिद ही बने रहो। पूर्णदत्त की आँखे आश्चर्य से लबालब थी। उनके चेहरे के आश्चर्य को देख प्रो. शर्मा ने अपने व्याख्यान को यूँ गति दी जैसे एक कुशल ड्राइवर खाली सड़क मिलते ही गाड़ी प्रथम से द्वितीय एवं अन्य आगे के गियर में डालता है।

'यह तो कुछ नहीं है पूर्णदत्तजी! इस ब्रह्माण्ड में ऐसे अनेक तारे हैं जिन्हें गेंद के आकार का माना जाए तो सूर्य कंचे के बराबर हो जायेगा एवं तुलनात्मक रूप में तब आपकी पृथ्वी बिन्दु बराबर दृष्टिगत होगी। इससे और आगे बढ़े तो ऐसे तारे भी हैं जिनके आगे सूर्य बिन्दु बराबर दिखेगा एवं वहाँ पर आपकी पृथ्वी दृष्टिगत भी नहीं होगी।' प्रो. शर्मा का व्याख्यान निर्बाध जारी था।

'अरे बाप रे! मैं तो इस तथ्य से अब तक अनभिज्ञ था। आपको सुनकर तो मेरी जिज्ञासा की आग भड़क गई है।' पूर्णदत्त बोले।

'यह ब्रह्माण्ड अनंत रहस्यों से भरा है पूर्णदत्तजी! यह अरबों-खरबों वर्ष पुराना है। इस ब्रह्माण्ड में सूर्य से अनंतगुना असंख्य तारे, नेबुला, पुच्छलतारे एवं जाने क्या-क्या हैं। यहाँ ऐसे-ऐसे ब्लेक हॉल हैं जिसमें असंख्य पृथ्वियाँ समा सकती हैं। यह तारे अनवरत् बनते-टूटते जा रहे हैं। कहते तो यहाँ तक है कि इन ब्रह्माण्डों से परे भी अनेक ब्रह्माण्ड हैं जिन्हें मनुष्य आज तक नहीं खोज पाया।' प्रो. शर्मा का ज्ञान आज भरे घड़े की तरह छलक रहा था।

प्रो. शर्मा की आँखों में जीत का नशा छा गया। एक सब कुछ जानकर भी वह नहीं जान पाया जिसे कुछ न जानने वाले ने सहज ही जान लिया।

पूर्णदत्त अब गंभीर हो चले थे। सीट पर सर टिकाकर उन्होंने आँखें मूंद ली। उनके चेहरे पर महायोगियों से भाव उभर आए। जगत का संपूर्ण दर्शन विस्तार लेकर उनके आगे खड़ा हो गया। वे मन ही मन सोचने लगे, इस वृहद् अस्तित्व में हमारी पृथ्वी का क्या अस्तित्व है? कितना क्षुद्र? कितना लघु? इस अस्तित्व में भी कितने अस्तित्व सर उठाकर खड़े हैं? कितनी संस्कृतियाँ, कितने शहर, कितनी अट्टालिकाएँ, बड़ी-बड़ी नदियाँ, महान पर्वत, कितने धर्म, कितनी जातियाँ, कितने युद्ध, कितनी समस्याएँ, कितनी महानताएँ, कितनी मजबूरियाँ, कितनी सरकारें-देश-विचारधारा एवं इन सबके बीच एक वलवले-सा मनुष्य। इन सबका रचयिता ईश्वर कितना महान है। महान होकर भी कितना मौन। उसे कोई दंभ नहीं, लेकिन मनुष्य ख़ाक का पुतला होकर भी कितने दंभ से भरा है।

नवगीत

जाते होम हुए

नंदन पंडित

सुलग रही है
धरती बेबस
जलती भाठी में
लिए लुआठी
नाच रहा है
सूरज माठी में
बैरी हो गए
खेत, रास्ते
वैरी व्योम हुए
खड़े-खड़े ही
पेड़, बगीचे
जाते होम हुए
कुक्कुर बैठा
नाली हाँफे
बैल जुआठी में
पाव-पाव
घटती हैं नदियाँ
निर्धन थाली सी
गर्म हवाएँ
लगती तन को
भद्दी गाली सी
ले-देकर
थोड़ी बाकी है
छहियाँ आँठी में
तोड़ रहे हैं
थर्मामीटर
पल-पल रोज सुई
बिना पिए ही
जिसकी देखो
आँखें लाल हुईं
देशी कौवे
बोल रहे हैं
बोल मराठी में
छोड़ लूटना
पर्वत, सागर
मानव! विपिन हरा
धुआँ छोड़ते
धुआँ-धुआँ
हो जाए नहीं धरा
होती है आवाज़
तनिक न दैव
की लाठी में.

इटियाथोक, गोण्डा- उत्तर प्रदेश
मो ? न ? 6009126009

लघुकथा

यह पारी ही तो है!

पवन शर्मा

अचानक पिताजी ने जाने की घोषणा कर दी, फिर उन्होंने अपना सामान समेटना शुरू कर दिया और एक छोटे बक्से में सामान सहेज-सहेजकर रखने लगे। ऐसा अक्सर ही होता है कि पिताजी एकाध माह रहकर जाने की अचानक घोषणा कर देते हैं। शुरू-शुरू में मैं चौंकता था; किन्तु अब कोई आश्चर्य नहीं होता। जब तक माँ थी, पिताजी ने गाँव नहीं छोड़ा था, किन्तु माँ के गुजर जाने के बाद वे तीनों बेटों के यहाँ कुछ-कुछ रहकर दिन बिताने लगे।

''तो क्या आज ही निकल जाएँगे ?'' मैने पूछा।

''हाँ।'' वे बोले।

''एकाध दिन और रुक जाते।''

''नहीं, अब नहीं रुकूँगा.... जाऊँगा ही ..... काफी दिन रह लिया।''

''हाँ.... मँझला भी राह देख रहा होगा।'' मैं कहता हूँ।

''मँझले के यहां नहीं जाऊँगा.... सोचता हूँ कि अब गाँव निकल जाऊँ। वहीं रहूँ।''

''क्यों?''

''अब जीवन के आखिरी दिनों में यह अच्छा नहीं लगता कि एकाध महीने रहकर तेरे यहाँ से मँझले के यहाँ..... मँझले के यहाँ से छोटे के यहाँ..... और फिर तेरे यहाँ..... जैसे कि एक पारी-सी बँधी हुई हो....'' पिताजी कह रहे थे.... मैं चुपचाप था. एक सन्नाटा -सा खिंच आया था मेरे और पिताजी के मध्य...।

पुस्तक समीक्षा

बदलाव के प्रति प्रतिबद्धता का आह्वान करती कविताएं

अशोक शर्मा

गीतों की झुक गई कमर अब,
बूढ़ी हर आवाज़ हो गयीं।
सूरज का विश्वास नहीं अब,
किरणें धोखेबाज़ हो गयीं। गहरी पीड़ा और अत्यंत संवेदनशीलता के साथ रची गयी ये पंक्तियां वरिष्ठ साहित्यकार और सुपरिचित कवि स्वराज्य करुण के कविता संग्रह 'दिलवालों का देश कहाँ हैं ' में समाहित रचनाओं के मूल स्वर का भलिभांति परिचय देती हैं । सर्वप्रिय प्रकाशन रायपुर, नई दिल्ली से प्रकाशित श्री स्वराज्य करुण के इस कविता संग्रह में उनकी तिरासी रचनाएं शामिल हैं जिनमें मुख्यत: गीत रचनाओं के साथ कुछ ग़ज़लें और मुक्तक भी शामिल हैं। लगभग पांच दशकों से निरंतर रचनारत श्री स्वराज्य करुण की अनुभव दृष्टि अत्यंत व्यापक और समृद्ध है। समाज के अनेक बदलावों को उन्होंने घटित होते देखा है। समाज में जो होना चाहिए और जो हो रहा है वह निश्चित रूप से स्वीकार्य नहीं है। प्रत्येक संवेदनशील रचनाकार की तरह श्री स्वराज्य करुण भी इन विसंगतियों को लेकर विचलित हैं।अपनी रचनाओं में बार -बार वे इन विसंगतियों की ओर ध्यान न केवल आकर्षित करते हैं बल्कि बदलावों के विकल्प भी प्रस्तुत करते हैं।

पाँव-पाँव काँटे ही काँटे, गाँव-गली की धूल नहीं है
मेरे दिल की धड़कन भी अब मेरे ही अनुकूल ?नहीं है।
कैसे - कैसे मंज़र आए गाँधीजी के देश में,
फूल नहीं अब खंज़र आए गाँधीजी के देश में।
कोई मछली कैसे दिखाए मछुवारे को अपने आँसू ,
उसकी तो किस्मत बंधक है घड़ियालों के बीच।

उपरोक्त पंक्तियों से रचनाकार की पीड़ा और छटपटाहट से स्वत: स्पष्ट है। स्वाभाविक रूप से कवि इस स्थिति से संतुष्ट नहीं हैं । संग्रह की शुरूआत में पाठकों से अपनी बात कहते हुए श्री स्वराज्य करुण स्वीकारते हैं कि ' यह सवाल अक्सर मेरे मन मस्तिष्क को विचलित करता रहता है कि आधुनिकता की तेज आँधी में हम दिनों-दिन बेदिल और बेरहम होते जा रहे हैं।----स्नेह, ममता,दया और करुणा से भरे दिल वाले इन्सान कहाँ मिलेंगे ?--ऐसे संवेदनशील दिलवालों का देश कहाँ हैं? अगर नहीं तो क्यों न हम अपने ही देश को दिलवालों का एक सहृदय देश बनाने की कोशिश क्यों न करें? इन प्रश्नों से जूझते रचनाकार की पीड़ा लगभग उनकी प्रत्येक रचना में देखी जा सकती है। ऐसी ही कुछ पंक्तियां देखें --

ईश्वर तेरे नाम पर ,
अल्ला तेरे नाम पर,
जाने क्यों करते हैं इतना हल्ला तेरे नाम पर।
पता नहीं फिर कब आएगा, सावन मेरे देश में,
अब तो चारों ओर घूमते रावण मेरे देश में।
ताश-महल के आँगन परियाँ बावन मेरे देश में,
अब तो चारों ओर घूमते रावण मेरे देश में।

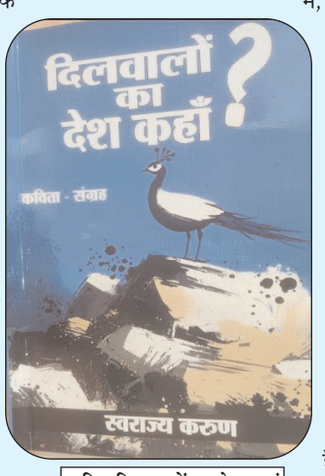

कृति : दिल वालों का देश कहां
(काव्य संग्रह)
कवि : स्वराज्य करुण
प्रकाशक : सर्वप्रिय प्रकाशन, नई दिल्ली
क़ीमत : 200 रुपये

इस कविता संग्रह की एक बड़ी विशेषता यह है कि कवि अपनी बात रखने के लिए अनावश्यक शब्द जाल नहीं बुनता बल्कि बड़ी सरलता से अपने दिल की बात रखता है और यही बात पाठक के दिल को छूती भी है। उल्लेख करने के लिए अनेक अच्छी रचनाएं इस संग्रह में हैं लेकिन आप स्वंय पढ़कर अनुभव करेंगे तो निश्चित ही आप भी रचनाओं के मर्म को महसूस कर पायेंगे जो कि रचनाकार का उद्देश्य भी है। जीवन के इस महायुद्ध में श्री स्वराज्य करुण स्वंय को एक सिपाही मानते हैं और अपने पाठकों से भी यही आह्वान करते हैं कि स्थितियों को स्वीकारने के बदले उन्हें बदलने के लिए आगे आएँ.

प्रसिद्ध भाषाविद और वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. चितरंजन कर ने संग्रह की रचनाओं की गूढ़ और विस्तृत विवेचना करते हुए लिखा है है कि 'श्री स्वराज्य करुण की कविता का स्थायी भाव करूणा है। इन कविताओं में कवि का यथार्थ बोध कहीं भी तिरोहित नहीं है।

श्री स्वराज्य करुण की कविता जीवन के नए-नए आयामों में अर्थ संधान करते हुए जीवन एक दृष्टि भी देती है --सौंदर्य दृष्टि।' निश्चित ही संग्रह की रचनाओं को पढ़ते हुए पाठक डॉ. चितरंजन कर से सहमत होंगे।

अत्यंत दुरूह ,भाव विहीन और भारी -भरकम वैचारिक कविताओं के इस दौर में 'दिलवालों का देश कहाँ हैं?'संग्रह की रचनाएं छंदबद्ध है , भाषा सरल और सम्प्रेषणीय है और विषय-वस्तु हम सबके मन की बात है इसलिए सहज ही ये उम्मीद है कि श्री स्वराज्य करुण के इस कविता संग्रह को व्यापक सराहना मिलेगी।.

व्यंग्य

भगवान बचाये मेहमान से !

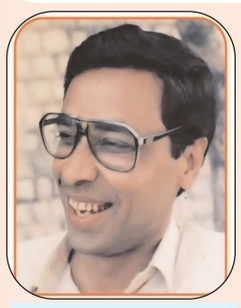

पूरन सरमा

वह देवता का रूप मानकर आये थे मेरे यहाँ। उन्हीं ने बताया कि इस शहर में पांच दिन का निजीकार्य है और वे पांचों ही दिन मेरे यहाँ मे हमाननवाजी का लुत्फ उठायेंगे। मेहमाननवाजी का लुत्फ और मेरे यहाँ, यह जानकर मुझे उनकी मंदबुद्धि पर हंसी आ गई। उन्होंने अपने दादाजी से सुना था कि अतिथि देवो भव:। उसके बाद उन्हें किसी ने नहीं बताया कि इस महंगाई के युग में मेहमान अधिकतम एक समय तक ही टिक पाता है, बाद में तो वह घर की मुर्गी की तरह दाल बन जाता है। वैसे भी मेरी पत्नी की मेजबानी से जिसका भी पाला पड़ा है, वह हमारे यहाँ लौटकर कभी अतिथि बनकर नहीं आया है। मैं इसमें पत्नी का दोष नहीं मानकर समय के फेर को ज्यादा जिम्मेदार मानता हूँ। यदि गेहूँ एक रूपये किलो और चीनी डेढ़ रूपये किलो मिले एवं साथ में असली घी चार रूपये किलो मिले तो भला मेहमान किसे बुरा लगता है। सब्जियाँ बाबा के भाव होकर सेंसेक्स की तरह उछाला मार रही हैं, तो अकेला सलाद ही मुर्गी को तकुवे का घाव जैसा लगता है। उनके दादाजी ने संभवत: बाजार को इतना सस्ता ही देखा होगा, लेकिन वे अपने पिताजी से बाजार भाव पूछना भूल गये थे, इसलिए पांच दिनों का प्रोग्राम बनाकर आये थे। उसी दिन मुझे लगा था-अतिथि दानवो भव:।

पत्नी उनके आगमन के तत्काल बाद मुझे दूसरे कमरे में ले गई और बोली-'बोलो, क्या करना है ?' मैंने इधर-उधर देखकर कहा-'मैं क्या बताऊं, तुम ही जानती हो ऐसे लाइलाज मर्ज की दवा तो।' पत्नी के चेहरे पर मुसकान फैल गई, बोली-'चलो आप उनके साथ चाय सिप करो, मैं कोई ताण्डव सोचती हूँ। पांच घण्टे का मेहमान ही बर्दाश्त नहीं होता तो यह पांच दिन की आफत कैसे झेली जा सकती है ? आप तो शेव बनाओ और दफ्तर के लिए दफा हो जाओ और मैं जाती हूँ अपने मायके। फिर देखते हैं इस मछन्दर नाथ के कोई फर्क पड़ता है या नहीं। अब तुम जाओ, चिकनी-चुपड़ी बातों से इसका मन बहलाओ, पांच मिनट बाद में दफ्तर के लिए तैयार होने का बहाना करके इसी कमरे में चुपचाप बैठकर गाजर का हलुवा खाओ।'

मेरी भृकुटियाँ तन गईं और बोला-'गाजर का हलुवा, यह कहाँ से आया ?'

पत्नी बोली-'बच्चे जिद कर रहे थे, मैंने कल शाम को उनके लिए बनाया था। मुझे क्या पता था कि हलुवे की गंध इतनी प्रखर है कि

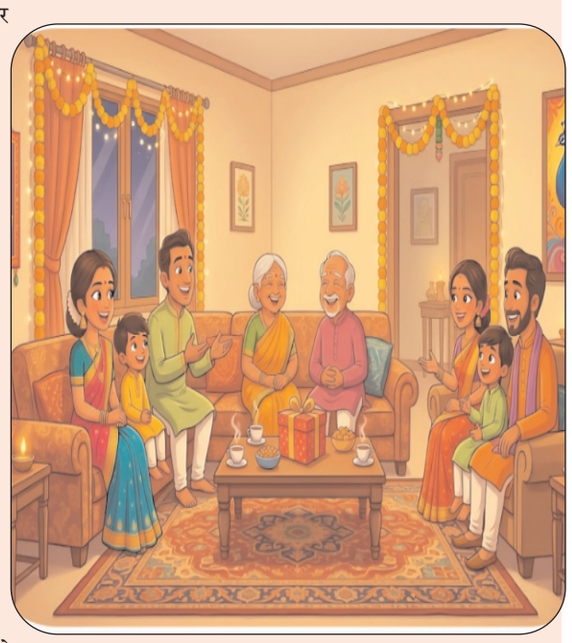

यह भ्रमर उड़ता हुआ सीधा हमारे ही घर आ जायेगा।

शहर में होटल हैं और धर्मशालायें हैं, परन्तु इसे तो मेहमानवाजी की सूझ रही थी न, इसलिए ले आये अपनी तशरीफ का टोकरा।'

'लेकिन थोड़ा गाजर का हलुवा इस गरीब को भी पहले भोजन में परोस देना। अच्छा लगेगा। अब आ ही गया है तो यह हुआ तो हमारा देवता समान अतिथि ही।' मैंने कहा तो पत्नी ने दांत पीसे और बोली-'खबरदार दुबारा ज्यादा जुबान हिलायी तो। प्रथम भोजन पर ही टिका है इसका भविष्य। एक बार हलुवा खा लिया न, तो फिर यह पांच दिन तक के लिए यहीं समाधि ले लेगा। मैंने सुबह का मैनू तैयार कर लिया है। सुनोगे तो दांतों तले अंगुली दबा लोगे ?'

(पूरन सरमा)
124/61-62, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर-302 020,
मोबाइल-9828024500

कविता

मां तो पुण्य है हमार

दिनेश विजयवर्गीय

दुनिया भर के रिश्तों में
एक सुखद सुहाना नाम है-मां
जिसकी ममता का कोई और न छोर
कोई सानी नहीं उसकी ममता का
वह तो सदा अपना स्नेह प्यार से भरा
आशीर्वाद देकर हमें बनाये रखती है प्रसन्न
आभावों में जीकर भी
नहीं होने देती किसी कमी का अहसास
दिन रात लगी रहती है हमारा जीवन संवारने में
मुसीबत में भी वह होने नहीं देती ि नराशा
हमारा आत्मविश्वास जगा बढ़ा देती है
मांगलिक अवसर की ओर
कोई होती नहीं चाह मां की हमसे
वह तो हमारे जीवन को सुखमय बनाने के लिए
लगा देती अपना जीवन
परिवार की धुरी होती है वह
जोड़े रखती है सबको
और बनाये रखती है सुख शांति से भरा अपनापन
गुणों की खान होती है मां
ममता का सागर है वह
मां तो पुण्य है हमारा
जीवन भर लाड़ लड़ाने वाली प यारी मां
तुझे शत-शत नमन।

215 मार्ग 4 रजत कॉलोनी, बूंदी- 323001 राजस्थान, मोबाइल-94131 28514

लघुकथा

गुलामगिरी

अशोक वाधवानी

आत्माराम के पास एक हृष्ट-पुष्ट गधा था। सुबह-शाम वे उससे काफी परिश्रम करवाते। इसके साथ ही उसके खान-पान, सेहत का भी विशेष खयाल करते थे। इसके बावजूद कभी-कभी गधे के मन में विचार आता कि कोई अवसर मिले तो यहां से भाग जाए।

आखिरकार एक दिन गधा काम की अधिकता के कारण थककर चूर हो गया। मन में दबी चिंगारी ने ज्वालामुखी का रूप धारण कर लिया। क्रोध में आकर मालिक से पूछ बैठा, ' क्या आप मुझे आजादी का अर्थ समझा सकते हैं ? ' आत्माराम ने कहा, ' चलो, देखते हैं। शायद तुम्हारे सवाल का सही जवाब मिल जाए। ' दोनों थोड़ा आगे आए। आत्माराम ने देखा, एक नौजवान नींद से जागकर, हाथ-मुंह धोकर, मोबाइल पर चैटिंग करने में व्यस्त हो गया। आत्माराम ने गधे को इशारे से वो युवक दिखलाया और कहा, ' चलो उस नौजवान से पूछते हैं ? ' ' उससे क्या पूछना, वो तो खुद मोबाइल का गुलाम बन चुका है। ' गधे ने ठंडी आहें भरते हुए जवाब दिया। उस दिन के बाद गधे ने मालिक से आज़ादी के बारे में कभी कोई सवाल नहीं किया।

गांधी नगर, कोल्हापुर, महाराष्ट्र , संपर्क : 9421216288, ई मेल ashok.wadhwaniz|@gmail.com

लघुकथा

नमक

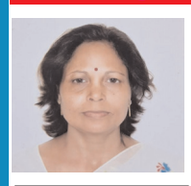

नील मणि

मैं और रीना रोज़ की तरह शाम की सैर पर निकले ही थे कि अचानक उसका फोन बज उठा।

रीना ने धीरे से मेरे कान में फुसफुसाया - 'कर्नल साहब। 'उधर से भारी-भरकम आवाज़ आई -

'तुमने पकौड़ियों में नमक नहीं डाला!'

रीना चौंकी - 'डाला है... मैं तो खाकर भी आई हूं।'

कर्नल साहब तर्क पर उतरे - 'नहीं! एक पकौड़ी मैंने बचा कर रखी है, तुम आकर खाकर देखना- नमक नहीं है।'

रीना ने आराम से कहा- 'सॉरी जी... 'और फोन कट!

मैंने रीना की ओर देखा तो वह बड़ी शांति से बोली -

'अब मैं किसी बहस में नहीं पड़ती। सॉरी बोल देती हूं और बात खत्म। चालीस साल साथ रहने के बाद इतना तो सीख ही लिया कि बहस में जीतकर भी घर की शांति भंग हो जाती है।'

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री आवास योजना में गड़बड़ी के आरोप, बाराद्वार नगर पंचायत की जांच शुरू

सक्ती। जिले की बाराद्वार नगर पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत स्वीकृत आवासों को लेकर कथित अनियमितताओं का मामला सामने आया है। शिकायत मिलने के बाद जिला प्रशासन ने जांच टीम गठित कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि आवास स्वीकृति के लिए तैयार किए गए दस्तावेजों में भूमि रिकॉर्ड से संबंधित गंभीर गड़बड़ियां की गई हैं। नेता प्रतिपक्ष एवं शिकायतकर्ता अभिषेक राय ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत 288 आवासों के प्रकरणों में नियमों की अनदेखी की गई। उनके अनुसार, प्रस्तावित 288 आवासों में से करीब 246 आवास आबादी भूमि और घास मद की भूमि पर स्वीकृत किए गए हैं। शिकायत में कहा गया है कि घास मद की भूमि का उपयोग आवास निर्माण के लिए नहीं किया जा सकता, लेकिन उसे आबादी भूमि के रूप में दर्शाकर दस्तावेज तैयार किए गए और स्वीकृति के लिए भेजे गए। शिकायतकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया है कि पात्रता संबंधी दस्तावेज तैयार करने के लिए भूमि अभिलेखों और राजस्व रिकॉर्ड में कथित रूप से हेरफेर की गई। अभिषेक राय का कहना है कि मामले से जुड़े भूमि अभिलेख, राजस्व रिकॉर्ड और अन्य आवश्यक दस्तावेज जांच अधिकारियों को सौंप दिए गए हैं। अब जांच टीम संबंधित दस्तावेजों और रिकॉर्ड का परीक्षण कर रही है।

दुर्ग में 7 साल के मासूम के साथ क्रूरता

दुर्ग। जिले के नेवई थाना क्षेत्र में एक 7 वर्षीय बालक के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 6 नाबालिगों को हिरासत में लेकर बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया है। मामले की जांच जारी है और बाल आयोग को भी इसकी जानकारी दे दी गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार वायरल वीडियो लगभग एक सप्ताह पुराना है। बताया जा रहा है कि एक ही गांव के रहने वाले कुछ नाबालिग बच्चों ने सुनसान स्थान पर 7 वर्षीय बालक को घेर लिया। वहां उसके साथ अभद्र व्यवहार किया गया और बाद में उसकी पिटाई की गई। वीडियो में कुछ बच्चे उसे लात-घूंसों, चप्पलों और डंडों से मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। जानकारी के मुताबिक घटना की रिकॉर्डिंग भी आरोपित बच्चों ने ही की और बाद में उसे सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद मामला पुलिस तक पहुंचा, जिसके बाद तत्काल जांच शुरू की गई। पुलिस ने वीडियो में दिखाई दे रहे 6 नाबालिगों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया है। सभी को किशोर न्याय अधिनियम के तहत बाल संप्रेक्षण गृह भेजा गया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है।

छत्तीसगढ़ पीडब्ल्यूडी में बड़ा घोटाला ब्लैकलिस्ट फर्म को दिया करोड़ों का ठेका

डिप्टी सीएम साव बोले - जांच के बाद होगी कार्रवाई

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ लोक निर्माण विभाग की विद्युत एवं यांत्रिकी शाखा में एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। विभाग ने नियमों को ताक पर रखकर बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा पांच साल के लिए ब्लैकलिस्ट की जा चुकी कंपनी मेसर्स श्री कृष्णा इंफ्रा डेवलपर को करीब 13 करोड़ रुपए के ठेके बांट दिए। मामला सामने आने के बाद राजनीति गरमा गई है।

कंपनी ने टेंडर हासिल करने के लिए विभाग को झूठा शपथपत्र सौंपा, जिसे विभागीय अधिकारियों ने आंखें मूंदकर स्वीकार भी कर लिया। दस्तावेजों के मुताबिक, कंपनी के संचालक ने स्टांप पेपर पर लिखित दावा किया था कि उनकी फर्म किसी भी सरकारी विभाग में ब्लैकलिस्ट या प्रतिबंधित नहीं है, जबकि सच्चाई यह है कि बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने साल 2023 में ही इस कंपनी की निविदा सुरक्षा राशि जब्त कर इसे ब्लैकलिस्ट घोषित कर दिया था।

जांच के बाद होगी कार्रवाई : डिप्टी सीएम अरुण साव

ब्लैकलिस्टेड के बाद भी विभाग ने बिलासपुर खेल परिसर और विद्युत नवीनीकरण कार्य के लिए मेसर्स कृष्णा इंफ्रा डेवलपर को करीब 4.87 करोड़ रुपए का आवंटन किया। इस पूरे घोटाले से राजनीति गरमाई हुई है। मामले में पीडब्ल्यूडी के अधिकारी बोलने से बच रहे हैं। वहीं उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने जांच के बाद कारवाई करने की बात कही है।

आपसी विवाद में खूनी वारदात, बड़े भाई को गैती से हमला कर उतारा मौत के घाट

बेमेतरा। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ढारा में हत्या की सनसनीखेज वारदात सामने आई है. कलयुगी छोटे भाई ने आपसी विवाद के चलते अपने बड़े भाई की गैती से हमला कर हत्या कर दी। मृतक की पहचान 25 वर्षीय प्रदीप साहू के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में घटना से हड़कंप मच गया। वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, किसी बात को लेकर दोनों भाइयों के बीच विवाद हुआ था। विवाद इतना बढ़ गया कि छोटे भाई ने गुस्से में आकर बड़े भाई पर गैती से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल प्रदीप साहू की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल से शव को बरामद कर साक्ष्य जुटाए गए। हत्या में प्रयुक्त गैती को भी जब्त कर लिया गया है। मामले में परिजनों से पूछताछ की गई है। प्रारंभिक जांच में दोनों भाइयों के बीच आपसी विवाद को हत्या की वजह सामने आई है।

बेटियों के अधिकार को लेकर हाई कोर्ट ने दिया अहम फैसला

बिलासपुर। बेटियों के अधिकार को लेकर हाई कोर्ट ने एक अहम फैसला दिया है। कोर्ट ने कहा है, कि बालिग होने के बाद भी बेटी के भरण-पोषण की जिम्मेदारी से पिता पूरी तरह मुक्त नहीं हो सकते, खासकर जब पहले से ही फैमिली कोर्ट का आदेश लागू हो। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की सिंगल बेंच ने इस टिप्पणी के साथ पिता द्वारा दायर पुनर्विचार याचिका को खारिज करते हुए फैमिली कोर्ट का आदेश बरकरार रखा है। जिसमें बेटी को हर महीने 5,000 रुपये भरण-पोषण देने का निर्देश दिया गया था।

मामला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले का है। याचिकाकर्ता गोरखनाथ यादव ने फैमिली कोर्ट मनेंद्रगढ़ के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी बेटी प्रिया को भरण-पोषण देने का निर्देश दिया गया था। फैमिली कोर्ट ने पहले 2016 में 2,000 रुपये प्रतिमाह की राशि तय की थी, जिसे बाद में 2023 में बढ़ाकर 5,000 रुपये कर दिया गया।

याचिकाकर्ता पिता ने कोर्ट में दलील दी कि बेटी अब बालिग हो चुकी है और इसलिए भरण-पोषण का अधिकार समाप्त हो जाता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बच्ची की मां के पास पर्याप्त कृषि भूमि और आय है, जिससे उसका पालन-पोषण संभव है। पिता की ओर से यह भी तर्क दिया गया कि बेटी उनकी वैध पत्नी की संतान नहीं है और पारिवारिक परिस्थितियों में भी मतभेद हैं। मामले में सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया, कि 2016 से लगातार भरण-पोषण आदेश लागू है। पिता ने पहले कभी इस आदेश को चुनौती नहीं दी। अब अचानक रिश्ते या जिम्मेदारी पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। संतान के पालन-पोषण की नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी पिता की ही है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में 'नकली' मंगलसूत्र का आरोप, नवविवाहिताओं ने मांगा मुआवजा

एमसीबी। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत नवविवाहिताओं को दिए गए मंगलसूत्रों को लेकर मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में विवाद खड़ा हो गया है। सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुई महिलाओं ने आरोप लगाया है कि उन्हें दिए गए मंगलसूत्र कुछ ही दिनों में काले पड़ गए। जांच कराने पर इनमें चांदी की जगह गिलट इस्तेमाल होने की बात सामने आई है।

जानकारी के अनुसार, खड़गवां ब्लॉक के चनवारीडांड में 10 फरवरी 2026 को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 189 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया गया था। योजना के अंतर्गत दुल्हनों को मंगलसूत्र समेत अन्य उपहार भी प्रदान किए गए थे। विवाह के कुछ समय बाद कई महिलाओं ने शिकायत की कि उनके मंगलसूत्र का रंग बदलने लगा और वह काला पड़ गया। नवविवाहिता संजना दयाल ने बताया कि शादी के दौरान मिला मंगलसूत्र पहनने के कुछ दिन बाद ही खराब होने लगा। इसके बाद जांच कराने पर पता चला कि यह असली चांदी का नहीं है। इसी तरह अन्य महिलाओं ने भी मंगलसूत्र की गुणवत्ता को लेकर नाराजगी जताई है। मामला सामने आने के बाद प्रभावित महिलाओं ने प्रशासन से नकली मंगलसूत्र के बदले राशि देने की मांग की है, ताकि वे नया मंगलसूत्र खरीद सकें। उनका कहना है कि गरीब परिवारों की बेटियों के लिए संचालित योजना में इस तरह की लापरवाही बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

इधर, शिकायत मिलने के बाद कलेक्टर ने पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं स्थानीय लोगों ने भी मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

कथित गौमांस को लेकर बवाल : मोहल्ले में बुलडोजर लेकर पहुंची निगम की टीम

स्थानीय लोगों ने जमकर मचाया हंगामा, कार्रवाई जारी

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी में कथित गौ मांस मिलने के मामले के बाद माहौल गरमाया हुआ है। इस बीच हिंदू संगठन की मांग के बाद निगम टीम आज साल्हेवार पारा वार्ड के गाड़ापारा में अतिक्रमण हटाने बुलडोजर लेकर पहुंची। कार्रवाई की शुरूआत में ही स्थानीय लोग विरोध करने लगे। मौके पर हंगामे की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने हस्तक्षेप किया। विरोध के चलते बुलडोजर कार्रवाई कुछ समय के लिए रोकनी पड़ी, हालांकि निगम अमला हथौड़ों की मदद से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी रखता रहा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और प्रशासन के बीच लगातार तनातनी का माहौल बना रहा।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताई। अतिक्रमणकारियों का आरोप है कि बिना पर्याप्त समय, उचित नोटिस और वैकल्पिक व्यवस्था के उनके मकानों को हटाया जा रहा है। वहीं, नगर निगम अधिकारियों ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि संबंधित लोगों को पूर्व में नोटिस जारी किया जा चुका था और यह कार्रवाई पहले से तय प्रक्रिया के तहत की जा रही है। निगम के मुताबिक क्षेत्र में करीब आठ मकानों को अतिक्रमण मुक्त कराया जाना है।

विरोध और हंगामे के बीच कुछ समय के लिए कार्रवाई प्रभावित हुई, लेकिन प्रशासन की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने का अभियान जारी रहा। फिलहाल मौके पर स्थिति सामान्य बताई जा रही है और पुलिस बल की निगरानी में निगम की कार्रवाई जारी है।

86 किलो पशु मांस हुआ था बरामद

दरअसल, हिंदू जागरण मंच ने 11 जून को पुलिस के पास साल्हेवारपारा वार्ड के गाड़ापारा में घर के सामने एक व्यक्ति द्वारा अवैध ढंग से गौ मांस को काटने की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि मंच के पदाधिकारी व कार्यकर्ता सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंचे। इस दौरान एक व्यक्ति बस्ती के अंदर गौ मांस काटाते हुए दिखाई दिया। गौ सेवकों को वह व्यक्ति देखकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मांस को जब्त किया गया।

घटना की जांच के लिए पशु चिकित्सा विभाग के डॉ। सुरेंद्र मरकाम और डॉ। मयंक पटेल भी मौके पर पहुंचे थे। प्रारंभिक जांच में करीब 86 किलो पशु मांस बरामद होने की पुष्टि हुई है। हालांकि, यह मांस गाय का है या किसी अन्य पशु का, इसकी पुष्टि के लिए सैंपल हैदराबाद के लैब में भेजे जाएंगे। अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही मांस की वास्तविक पहचान स्पष्ट हो सकेगी।

अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर कार्रवाई 8 वाहन और मशीन जब्त, कोयला भंडारण डिपो सील

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर में खनिज विभाग ने अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर शिकंजा कसा है। टीम ने अवैध खनन और परिवहन में लगे 8 वाहनों के साथ ही मशीनों को भी जब्त किया है। इतना ही नहीं एक कोयला डीपो को भी सील कर दिया गया है।

बिलासपुर और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले की खनिज टीम को गतौरी गांव स्थित बालाजी कोल ट्रेनिंग एंड कंस्ट्रक्शन के कोयला भंडारण डिपो में कोयले की गुणवत्ता में मिलावट और भंडारण शर्तों का उल्लंघन की शिकायत मिली थी। शिकायत के बाद जब टीम ने छापा मारा, तो शिकायत सही पाई गई।

इस दौरान मौके से 01 ट्रेलर और 01 जेसीबी मशीन जब्त किया गया। साथ ही अनियमितता मिलने पर संचालित भंडारण डिपो को तत्काल सील कर दिया गया। जब्त वाहन और मशीन को कोनी थाना पुलिस की अभिरक्षा में रखा गया है।

इसी कड़ी में सकरी, कोटा, विजयपुर, दर्री और तखतपुर क्षेत्रों में सघन जांच अभियान के दौरान बिना वैध दस्तावेज खनिज परिवहन करने वालों पर कार्रवाई की गई है। दर्री-विजयपुर क्षेत्र से गिट्टी का अवैध परिवहन करते 01 हाइवा, सकरी क्षेत्र में रेत परिवहन करते 01 हाइवा और गिट्टी परिवहन करते 01 अन्य हाइवा को पकड़ा गया। वहीं खोंगसरा क्षेत्र में अरपा नदी से अवैध रेत उत्खनन करते 03 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की गई।

पीएम आवास निर्माण पर फिर लगा स्टे, परेशान होकर हितग्राही ने कलेक्टर से लगाई गुहार

मुंगेली। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन मकान पर तहसील प्रशासन द्वारा दूसरी बार स्टे आदेश लगाए जाने के बाद नया विवाद खड़ा हो गया है। ग्राम सेमरकोना निवासी देवेंद्र कश्यप ने कलेक्टर मुंगेली को विस्तृत आवेदन सौंपकर आरोप लगाया है कि उनकी निजी भूमि पर बन रहे प्रधानमंत्री आवास को बिना स्पष्ट सीमांकन और चिन्हांकन के बार-बार रोका जा रहा है। इससे उनका परिवार मानसिक, आर्थिक और सामाजिक परेशानियों का सामना कर रहा है।

बता दें कि देवेंद्र कश्यप के अनुसार ग्राम बेलसरी स्थित खसरा नंबर 143/3 की निजी भूमि पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान 29 जनवरी को तहसीलदार लोरमी ने निर्माण कार्य पर स्टे लगा दिया। इसके चलते करीब चार माह तक निर्माण पूरी तरह बंद रहा। बाद में 4 जून को स्टे हटाए जाने से उन्हें राहत मिली, लेकिन महज चार दिन बाद 8 जून को फिर नया स्टे आदेश जारी कर दिया गया। आवेदक का कहना है कि लगातार बदलते आदेशों के कारण उनका परिवार गहरे तनाव में है। उनका आरोप है कि प्रशासन मामले में स्पष्ट स्थिति सामने नहीं ला पा रहा है, बावजूद इसके

निर्माण कार्य को बार-बार रोका जा रहा है।

देवेंद्र कश्यप ने आवेदन में दावा किया है कि पूरे मामले में अब तक करीब 10 बार जांच दल मौके पर पहुंच चुका है और तीन बार भूमि का सीमांकन भी कराया जा चुका है। इसके बावजूद प्रशासन यह स्पष्ट नहीं कर पाया कि उनकी निजी भूमि का वास्तविक क्षेत्र कौन-सा है और उसका मौके पर चिन्हांकन क्यों नहीं किया जा रहा। उन्होंने सवाल उठाया कि जब बार-बार जांच और सीमांकन कराया जा चुका है, तब भी यदि जमीन की स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है तो इसका खामियाजा एक गरीब हितग्राही को क्यों भुगतना पड़ रहा है। आवेदन में वर्तमान स्टे आदेश को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े किए गए हैं।

देवेंद्र का कहना है कि प्रशासन यह दावा कर रहा है कि निर्माण का कुछ हिस्सा निजी भूमि और कुछ हिस्सा शासकीय भूमि पर स्थित है, लेकिन आदेश में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि विवादित हिस्सा कौन-सा है और कौन-सा भाग शासकीय भूमि में आता है।

उनका कहना है कि यदि केवल किसी हिस्से को लेकर विवाद है तो पूरे निर्माण कार्य पर रोक लगाना उचित नहीं है। पहले विवादित क्षेत्र का स्पष्ट चिन्हांकन किया जाना चाहिए, उसके बाद ही आगे की कार्रवाई होनी चाहिए।

देवेंद्र ने बताया कि बरसात का मौसम शुरू होने वाला है और ऐसे समय में निर्माण कार्य बंद रहने से आर्थिक नुकसान लगातार बढ़ रहा है। निर्माण सामग्री खराब होने लगी है और अब तक लगभग 50 बोरी सीमेंट खराब हो चुकी है।उन्होंने आशंका जताई कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो मकान लंबे समय तक अधूरा रह सकता है, जिससे प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य भी प्रभावित होगा।

चिल्फी घाटी में ट्रक से गिरी भारी मशीन

कवर्धा। जिले की चिल्फी घाटी में एक बार फिर यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई है। घाटी के नाग मोड़ी के पास एक ट्रक से फैक्ट्री की भारी-भरकम मशीन सड़क पर गिर जाने के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-30 (रायपुर-जबलपुर मार्ग) पर 12 घंटे से अधिक समय से जाम की स्थिति बनी हुई है। इससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई है और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, जबलपुर की ओर से आ रहा एक ट्रक फैक्ट्री की मशीन लेकर जा रहा था। चिल्फी घाटी के नाग मोड़ी के पास पहुंचते ही मशीन अचानक ट्रक से फिसलकर सड़क के बीचों-बीच गिर गई। मशीन के सड़क पर गिरने से मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया और वाहनों की आवाजाही ठप हो गई।

भारत में 300 करोड़ घरेलू यात्राएं पर्यटन क्षेत्र को वैश्विक संकटों से बचाती हैं: मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री को दर्शाती हैं।

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि पिछले एक वर्ष में भारत में लगभग 300 करोड़ घरेलू यात्राएं दर्ज की गईं, जो देश के पर्यटन क्षेत्र की बढ़ती मजबूती और वैश्विक अनिश्चितताओं का सामना करने की क्षमता को दर्शाती हैं।

शेखावत ने हाल ही में आयोजित एनडीटीवी इग्नाइट समिट में कहा कि भारत में घरेलू यात्रा में तेज़ी से वृद्धि हुई है। इस आंकड़े में घूमने-फिरने, सामाजिक कार्यक्रमों, शादियों, चिकित्सा यात्रा और अन्य उद्देश्यों से की गई सभी तरह की यात्राएं शामिल हैं।

उन्होंने कहा, 'भारत में घरेलू यात्रा करने वाले लोगों की संख्या...इसमें पर्यटन, सामाजिक कार्यक्रम, शादी या चिकित्सा यात्रा शामिल हो सकती है। यदि कोई व्यक्ति बाहर जाता है, होटल में ठहरता है और वापस लौटता है, तो उसे एक यात्रा माना जाता है। ऐसी यात्राओं की संख्या 300 करोड़ है।'

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस आंकड़े में हाल ही में आयोजित कुंभ मेले से जुड़ी यात्राएं शामिल नहीं हैं, जहां लगभग 66 करोड़ लोगों के आने का अनुमान लगाया गया था।

घरेलू बाजार के महत्व पर जोर देते हुए मंत्री ने कहा कि भारत का पर्यटन उद्योग भू-राजनीतिक तनावों और वैश्विक व्यवधानों से अपेक्षाकृत सुरक्षित है, क्योंकि देश के पास बहुत बड़ा घरेलू पर्यटन आधार मौजूद है।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे घटनाक्रम वैश्विक अर्थव्यवस्था और पर्यटन क्षेत्र को प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि, उनके अनुसार भारत में घरेलू पर्यटन की मजबूत मांग बाहरी झटकों के खिलाफ एक मजबूत सुरक्षा कवच का काम करती है।

उन्होंने कहा, 'भारत उन सौभाग्यशाली देशों में से एक है, जहां घरेलू यात्रा और पर्यटन की ताकत इतनी अधिक है कि इसका हमारे उद्योग पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा।

मंत्री ने यह भी कहा कि किसी पर्यटन बाजार की ताकत का आकलन केवल आने वाले पर्यटकों की संख्या से नहीं किया जाना चाहिए।

थाईलैंड और दुबई जैसे पर्यटन स्थलों की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि भारत आने वाले विदेशी पर्यटक यहां कहीं अधिक समय तक ठहरते हैं।

शेखावत के अनुसार, भारत आने वाले विदेशी पर्यटक औसतन कम से कम 10 दिन तक देश में रहते हैं, जिससे अपेक्षाकृत कम संख्या होने के बावजूद बड़ी आर्थिक गतिविधियां पैदा होती हैं।

सेबी ने भारतीय शेयर बाजार को अमेरिका से अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाया: स्पेसएक्स शेयरों पर विशेषज्ञ

नई दिल्ली। जेरोधा के संस्थापक नितिन कामथ और कैपिटलमाइंड म्यूचुअल फंड के सीईओ दीपक शेनॉय ने हाल ही में हुए स्पेसएक्स आईपीओ में शेयर पाने वाले निवेशकों पर अमेरिकी ब्रोकरेज कंपनी फिडेलिटी द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की ओर ध्यान दिलाया है और इस व्यवस्था की तुलना भारत के नियामकीय ढांचे से की है।

फिडेलिटी की नीति के तहत, जिन निवेशकों को स्पेसएक्स आईपीओ में शेयर आवंटित हुए हैं, यदि वे शेयरों की लिस्टिंग के 15 कैलेंडर दिनों के भीतर उन्हें बेच देते हैं, जिसे 'फ्लिपिंग' कहा जाता है, तो उन्हें भविष्य में फिडेलिटी के माध्यम से आईपीओ आवंटन पाने का अधिकार खोना पड़ सकता है।

इस नीति पर प्रतिक्रिया देते हुए नितिन कामथ ने भारत के पूंजी बाजार और बाजार नियामक सेबी तथा स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा लागू सुरक्षा उपायों की सराहना की।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'निश्चित रूप से अभी भी सुधार की गुंजाइश है, लेकिन यह देखकर हैरानी होती है कि सेबी और एक्सचेंजों की वजह से भारतीय बाजार अमेरिका की तुलना में कितने अधिक पारदर्शी और सुरक्षित हैं। कामथ ने यह भी कहा कि केवल फिडेलिटी ही ऐसी शर्तें लागू नहीं करती, बल्कि अमेरिका की अन्य बड़ी ब्रोकरेज कंपनियों में भी इसी तरह के प्रतिबंध देखने को मिलते हैं। कैपिटलमाइंड के संस्थापक और पोर्टफोलियो प्रबंधक दीपक शेनॉय ने भी इस व्यवस्था पर सवाल उठाए और कहा कि भारत के नियामकीय ढांचे में ऐसी शर्तों को सही ठहराना मुश्किल होगा।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'यह कानूनी कैसे हो सकता है? सोचिए, कोई ब्रोकर आपसे कहे कि आईपीओ में मिले शेयरों को आप पहले 15 दिनों तक बेच नहीं सकते। भारत में सेबी ऐसी स्थिति में तुरंत कार्रवाई कर देगी। ब्रोकरेज कंपनी के दिशा-निर्देशों के अनुसार, पहली बार नियम तोड़ने पर निवेशक को छह महीने तक नए इक्विटी ऑफर में भाग लेने से रोका जा सकता है। दूसरी बार उल्लंघन करने पर एक साल का प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

मोगावीरा सहकारी बैंक पर आबीआई की बड़ी कार्रवाई, खाताधारकों के लिए पैसा निकलने की तय हुई लिमिट

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने मोगावीरा सहकारी बैंक, मुंबई की वित्तीय स्थिति में गिरावट को देखते हुए इसपर कई पाबंदियां लगा दी हैं। इसके तहत खाताधारकों के लिए पैसे निकालने की अधिकतम सीमा एक लाख रुपये निर्धारित की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक बयान में कहा कि ये पाबंदियां शुक्रवार को कारोबार बंद होने के बाद से लागू हुईं, जो छह महीने की अवधि के लिए प्रभावी होंगी। हालांकि, इनकी समय-समय पर समीक्षा की जाएगी।

बयान के अनुसार, सहकारी बैंक अब कोई भी ऋण और उधार को मंजूर नहीं दे सकेगा और न ही मौजूदा ऋणों का नवीनीकरण कर पाएगा। इसके अलावा, बैंक किसी प्रकार का निवेश नहीं कर सकेगा, कोई नयी देनदारी नहीं ले सकेगा तथा उधार लेने और नए जमा स्वीकार करने पर भी रोक रहेगी।

बयान में कहा गया, ''बैंक की वर्तमान नकदी स्थिति को देखते हुए उसे निर्देश दिया गया है कि वह किसी भी जमाकर्ता को उसके बचत, चालू अथवा अन्य किसी खाते से अधिकतम एक लाख रुपये तक की निकासी की अनुमति दे।'' आरबीआई ने कहा कि बैंक के कामकाज में सुधार के लिए वह लगातार उसके निदेशक मंडल और वरिष्ठ प्रबंधन के साथ संपर्क में था।

बयान में कहा, ''हालांकि, बैंक ने निगरानी संबंधी चिंताओं को दूर करने और जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया। इसी कारण ये निर्देश जारी करना आवश्यक हो गया।

भारत-केन्या आर्थिक साझेदारी मजबूत, व्यापार और निवेश बढ़ाने की अपार संभावनाएं: भारतीय उच्चायुक्त

नैरोबी । केन्या में भारत के उच्चायुक्त ने शनिवार को एल्डोरेट में आयोजित एक व्यावसायिक कार्यक्रम के दौरान भारत और केन्या के बीच मजबूत आर्थिक साझेदारी तथा भविष्य में इसके और विस्तार की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

नैरोबी स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भारत-केन्या चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईकेसीसी) के सहयोग से एल्डोरेट में भारत और केन्या के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक बिजनेस कार्यक्रम आयोजित किया गया।'

उच्चायोग ने आगे कहा, 'उच्चायुक्त ने भारत और केन्या के बीच मजबूत आर्थिक साझेदारी और इसके आगे और विस्तार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। एल्डोरेट के भारतीय और केन्याई उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने

भारतीय कंपनियों के साथ अपने कारोबारी संबंधों की जानकारी दी और द्विपक्षीय व्यापार को और मजबूत करने के लिए कई सुझाव भी दिए।'

इस बैठक में काउंटी सरकार के प्रतिनिधियों, केन्या नेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केएनसीसीआई) तथा भारत-केन्या चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईकेसीसी) के अध्यक्ष ने भी हिस्सा लिया।

शुक्रवार को भारतीय उच्चायुक्त ने एल्डोरेट यात्रा के दौरान उआसिन गिशु काउंटी के गवर्नर से भी मुलाकात की और सहयोग के विभिन्न अवसरों पर चर्चा की।

भारत के उच्चायोग, नैरोबी ने एक्स पर लिखा, 'उच्चायुक्त ने एल्डोरेट यात्रा के दौरान उआसिन गिशु काउंटी के माननीय गवर्नर जोनाथन बी चेलेलिम से मुलाकात की।'

उच्चायोग ने बताया, 'चर्चा का मुख्य विषय भारत-केन्या साझेदारी के व्यापक ढांचे के तहत भारत और उआसिन गिशु काउंटी के बीच सहयोग की संभावनाएं रहीं। विशेष रूप से कृषि एवं कृषि-प्रसंस्करण, स्वास्थ्य सेवाएं, खेल, शिक्षा और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में भारतीय निवेश आकर्षित करने पर विचार-विमर्श किया गया।'

उच्चायोग के अनुसार, 'इस बैठक ने विभिन्न क्षेत्रों में भारत और केन्या के बीच बढ़ते सहयोग और भविष्य में और अधिक साझेदारी की संभावनाओं को रेखांकित किया।'

अमेरिका-ईरान शांति समझौते की उम्मीद से बाजार में लौटी तेजी, इस सप्ताह सेंसेक्स-निफ्टी में दर्ज की गई शानदार बढ़त

मुंबई। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौते को लेकर निवेशकों में बढ़ते भरोसे और ब्रेंट क्रूड तेल की कीमतों में आई गिरावट के चलते भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्कों में इस सप्ताह शानदार बढ़त दर्ज की गई। लगातार दो सप्ताह की गिरावट के बाद बाजार में मजबूती देखने को मिली।

निफ्टी इस सप्ताह 1.10 प्रतिशत चढ़ा और आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार 1.99 प्रतिशत की मजबूत बढ़त के साथ 23,623 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं, सेंसेक्स 1,695 अंक यानी 2.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75,528 पर बंद हुआ, इस तरह इस पूरे सप्ताह में सेंसेक्स में 1.73 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

विश्लेषकों के अनुसार, वैश्विक चुनौतियों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर नीति को लेकर बनी अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय शेयर बाजार ने मजबूती दिखाई।

इस दौरान लार्ज-कैप शेयरों का प्रदर्शन बेहतर रहा, जबकि हालिया तेज रैली के बाद मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में मुनाफावसूली देखने को मिली।

विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में इस सप्ताह कुछ नरमी आई, लेकिन लगातार बने महंगाई दबाव और मजबूत रोजगार आंकड़ों के कारण ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें फिलहाल टलती नजर आ रही हैं।

एक विश्लेषक ने कहा, 'भारतीय शेयर बाजार पूरे सप्ताह सीमित दायरे में कारोबार करता रहा और हल्के नकारात्मक रुख के बावजूद सप्ताह के अंत में इसमें अच्छी रिकवरी देखने को मिली।'

इस बीच, भारतीय बॉन्ड यील्ड में भी गिरावट आई, जिसका कारण भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतियों से बाजार में बढ़ी तरलता और ऋण बाजार में विदेशी निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी रही।

सेक्टोरल प्रदर्शन की बात करें तो वित्तीय क्षेत्र सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला सेक्टर रहा। निजी बैंकों में सकारात्मक नियामकीय घटनाक्रम और निवेशकों के रक्षात्मक रुख के कारण इन शेयरों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली। इसके साथ ही, एफएमसीजी शेयरों में भी कीमतों को बनाए रखने की क्षमता के कारण तेजी दर्ज की गई।

दूसरी ओर, आईटी सेक्टर में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। वहीं, चीन में मांग कमजोर रहने की आशंकाओं और कमोडिटी कीमतों में नरमी के कारण मेटल शेयरों पर दबाव बना रहा।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली की रफ्तार और कम होती है या अमेरिकी फेड की नीतियों को लेकर स्पष्टता बढ़ती है, तो घरेलू शेयर बाजार को और समर्थन मिल सकता है।

पूरे सप्ताह के दौरान एफआईआई ने करीब 15,300 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, जो बाजार के लिए एक प्रमुख चुनौती बना रहा। हालांकि सप्ताह के अंतिम दिनों में बिकवाली की गति कुछ धीमी पड़ गई।

नेट-जीरो लक्ष्य के लिए गैर-जीवाश्म ऊर्जा की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक होनी चाहिए : नीति आयोग

नई दिल्ली। भारत को अपने नेट-जीरो लक्ष्य को हासिल करने के लिए जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता में बड़ी कमी लानी होगी और अपनी कुल ऊर्जा खपत में गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक करनी होगी। यह बात नीति आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कही।

हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी में ट्रेड प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (टीपीसीआई) द्वारा आयोजित इंडिया बायो एनर्जी कॉन्फ्रेंस (आईबीईसी) 2026 में बोलते हुए नीति आयोग के सलाहकार (ऊर्जा) राजनाथ राम ने कहा कि वर्तमान में भारत की प्राथमिक ऊर्जा खपत का

80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा जीवाश्म ईंधन आधारित स्रोतों से आता है, जबकि नवीकरणीय और गैर-जीवाश्म स्रोतों की हिस्सेदारी केवल 15 से 18 प्रतिशत के बीच है। उन्होंने कहा, 'यदि आप वास्तव में नेट-जीरो देश बनना चाहते हैं, तो आपकी प्राथमिक ऊर्जा व्यवस्था, जो अभी जीवाश्म ईंधन आधारित स्रोतों पर अत्यधिक निर्भर है, उसे पूरी तरह बदलना होगा।'

तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य के बीचऊर्जा सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए राम ने कहा कि भारत को अपने ऊर्जा स्रोतों और आयात के स्रोतों में विविधता लाने के साथ-साथ घरेलू संसाधनों का बेहतर उपयोग भी करना होगा।

उन्होंने बताया कि हालिया वैश्विक व्यवधानों के बाद भारत ने अपने ऊर्जा आयात नेटवर्क को 27 देशों से बढ़ाकर 40 से अधिक देशों तक विस्तारित किया है। इसके अलावा, उन्होंने भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में कोयला गैसीकरण की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि देश के पास लगभग 300 अरब टन कोयले का भंडार है, जिसका उपयोग सिंथेटिक प्राकृतिक गैस और अन्य औद्योगिक उत्पाद बनाने में किया जा सकता है। इससे आयात पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। सरकार द्वारा हाल ही में मंजूर की गई 37,500 करोड़ रुपए की कोयला गैसीकरण पहल का उल्लेख करते हुए राम ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य घरेलू कोयला और लिग्नाइट भंडार को संश्लेषण (सिंथेसिस) गैस में बदलना है।

बाहरी जोखिमों में कमी आने से भारत वैश्विक झटकों का सामना करने के लिए बेहतर स्थिति में है: सीईए नागेश्वरन

नई दिल्ली। भारत का बाहरी क्षेत्र (एक्सटर्नल सेक्टर) पहले की तुलना में काफी अधिक मजबूत हो गया है और देश की व्यापक आर्थिक (मैक्रोइकोनॉमिक) बुनियाद अब वैश्विक झटकों का सामना करने के लिए बेहतर स्थिति में है। यह बात मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने कही।

एनडीटीवी इग्नाइट समिट में बोलते हुए नागेश्वरन ने कहा कि बाहरी क्षेत्र के सामने मौजूद जोखिमों में काफी कमी आई है। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को रुपए को संभालने के लिए अपने विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करने का दबाव पड़ने की संभावना भी कम है।

उन्होंने कहा कि बाहरी मोर्चे पर सबसे कठिन दौर अब पीछे छूट चुका है। हाल के वैश्विक संकटों के दौरान अपनाए गए विवेकपूर्ण आर्थिक प्रबंधन और समय पर किए गए नीतिगत हस्तक्षेपों को उन्होंने इस बेहतर स्थिति का प्रमुख कारण बताया।

आरबीआई द्वारा वित्त वर्ष 2026-27 के लिए दिए गए 6.6 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान का समर्थन करते हुए नागेश्वरन ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति अब पहले की तुलना में कहीं अधिक नियंत्रण में है।

भविष्य की संभावनाओं पर बात करते हुए नागेश्वरन ने कहा कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश को लंबे समय तक लगभग 8 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर बनाए रखनी होगी।

हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यदि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव लंबे समय तक बना रहता है या कच्चे तेल की कीमतें लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहती हैं, तो इसका आर्थिक वृद्धि पर असर पड़ सकता है और विकास दर घटकर करीब 6 प्रतिशत तक आ सकती है।

रोजगार और तकनीक के विषय पर नागेश्वरन ने कहा कि तेजी से बढ़ रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्षेत्र के आसपास नए रोजगार अवसर पैदा करना बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को ऐसे कौशल विकसित करने पर ध्यान देना होगा जो एआई के साथ काम कर सकें और स्वचालन (ऑटोमेशन) के कारण होने वाले बदलावों से कम प्रभावित हों। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि लिस्टेड कंपनियों ने निवेश बढ़ाना शुरू कर दिया है, जो निजी पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) चक्र में सुधार के संकेत देता है। इसके अलावा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था से विकास को समर्थन मिलने की उम्मीद है, और नागेश्वरन ने आगामी खरीफ सीजन को लेकर सकारात्मक रुख जताया।

चावल में कितनी सीटी लगती है? कुकर में गिला-जल जाता है राइस, जानें खिले-खिले चावल बनाने का सही तरीका

इसमें कोई दोराय नहीं कि प्रेशर कुकर में चावल जल्दी पक जाता है. लेकिन यदि तरीका थोड़ा सा भी गलत हुआ तो चावल गिला या जल सकता है. ज्यादातर लोग इसलिए कुकर में चावल बनाने से डरते हैं, यदि आप भी इनमें से एक हैं तो यहां जान लीजिए कुकर में खिले-खिले चावल बनाने का सही तरीका क्या है.

चावल में कितना पानी जाना चाहिए?

कुकर में परफेक्ट चावल बनाने के लिए सही अनुपात में पानी डालना बहुत जरूरी होता है. क्योंकि कम पानी चावल को जला सकता है और ज्यादा पानी चावल को चिपचिपा बना सकता है. इसलिए जब भी आप कुकर में चावल मिलाएं तो इसे नापने के लिए गिलास या कटोरी का इस्तेमाल जरूरी करें।

उदाहरण, के लिए यदि आप एक गिलास चावल ले रहे हैं, तो इसमें इसी गिलास से डेढ़ गिलास पानी मिलाएं. वहीं, यदि आप दो गिलास चावल बना रहे हैं तो 3 गिलास पानी डालें. तभी चावल अच्छी तरह से पक पाएंगे.

चावल भारतीय थाली में सबसे अहम जगह रखता है. ज्यादातर लोग गरम-गरम चावल खाना पसंद करते हैं. इसलिए अक्सर चावल को पकने के लिए तभी रखा जाता है जब खाना खाने का वक्त होने वाला होता है. कई बार चावल जल्दी बनाने का भी प्रेशर होता है, जिसके लिए कुकर बेहतरीन विकल्प साबित होता है. लेकिन इसके साथ समस्या ये है कि इसमें खिले-खिले चावल बनाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी होता है, जिबरें फटाफटसके बारे में कई लोग नहीं जानते हैं.

छोटी सी भी गलती या जानकारी की कमी से कुकर में बना चावल गिले चिपचिपे या फिर जल सकते हैं. ऐसे में यदि आप कुकर में खिले-खिले चावल बनाना चाहते हैं, तो ये लेख आपके लिए है. यहां आप चावल बनाने का सही तरीका जान सकते हैं.

कितनी सीटी में चावल पक जाता है?

चावल को पकने के लिए ज्यादा देर नहीं लगती है, इसलिए सीटी भी ज्यादा नहीं लगायी जाती है. यदि आप 3 गिलास या इससे ज्यादा चावल बना रहे हैं, तो गैस के फ्लेम को हाई रखें और एक सीटी के बाद बंद कर दें. वहीं, यदि आप 1 या दो गिलास चावल बना रहे हैं, तो गैस के फ्लेम को मीडियम रखें और एक सीटी आने दें।

ध्यान रखें कि कुकर को तब तक न खोले जब कि प्रेशर अपने आप पूरा न निकल जाएं. इससे चावल अच्छी तरह से सेट हो जाता है और खिले-खिले निकलते हैं।

पेड़ नहीं बचा पाएंगे दुनिया?
कार्बन सोखने का दावा निकला झूठा!

नई रिसर्च ने बढ़ाई मौसम विभाग की टेंशन

भारतीय मूल के वैज्ञानिक मकुंद पलत राव की स्टडी के मुताबिक पेड़ उम्मीद से कम कार्बन सोख रहे हैं. रिर्स्च में सामने आया है कि फोटोसिंथेसिस होने का मत्लब यह नहीं है कि पेड़ों की ग्रोथ भी हो रही है. अमेरिका के 137 इलाकों में ओक के पेड़ों पर हुई इस स्टडी ने क्लाइमेट चेंज के पूराने दावों को पूरी तरह हिलाकर रख दिया है.

मुख्य निष्कर्ष

- पेड़ उम्मीद से बहुत कम कार्बन स्टोरेज कर पा रहे हैं.
- फोटोसिंथेसिस का मत्लब लकड़ी की ग्रोथ होना नहीं है.
- गर्म और सूखे मौसम में पेड़ों की ग्रोथ रुक जाती है.
- ज्यादातर कार्बन लकड़ी में नहीं, पतियों और जड़ों में जाती है और फिर हवा में लौट आती है.

भारतीय मूल के वैज्ञानिक मकुंद पलत राव की स्टडी के मुताबिक पेड़ उम्मीद से कम कार्बन सोख रहे हैं. रिसर्च में सामने आया है कि फोटोसिंथेसिस होने का मतलब यह नहीं है कि पेड़ों की ग्रोथ भी हो रही है. अमेरिका के 137 इलाकों में ओक के पेड़ों पर हुई इस स्टडी ने क्लाइमेट चेंज के पुराने दावों को पूरी तरह हिलाकर रख दिया है.

दुनियाभर में बढ़ते तापमान और ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए पेड़ों को सबसे बड़ा हथियार माना जाता है. सब सोचते हैं कि पेड़ हवा से कार्बन डाइऑक्साइड सोखकर धरती को बचाएंगे. साइंस एडवांस जर्नल में छपी एक नई रिसर्च ने इस भरोसे को बड़ा झटका दिया है. कोलंबिया क्लाइमेट स्कूल के साईंटिस्ट मकुंद पलत राव के नेतृत्व में हुई इस स्टडी में चौंकाने वाला सच सामने आया है. रिसर्च के मुताबिक पेड़ उम्मीद से बहुत कम कार्बन स्टोरेज कर पा रहे हैं. अब तक माना जाता था कि अगर पेड़ फोटोसिंथेसिस कर रहे हैं तो उनकी ग्रोथ भी हो रही है. इस रिसर्च ने साफ कर दिया है कि फोटोसिंथेसिस होने का मतलब लकड़ी की ग्रोथ होना बिल्कुल नहीं है. पेड़ अपनी ग्रोथ सीजन के बीच में ही रोक देते हैं. इस कारण वातावरण की जहरीली गैसें हवा में ही बनी रहती हैं.

क्यों फेल हो रहे हैं क्लाइमेट चेंज से निपटने के पुराने मॉडल?

मौसम वैज्ञानिक लंबे समय से मान रहे थे कि पेड़ कार्बन सिंक के रूप में लगातार मजबूत बने रहेंगे. उनका अनुमान था कि हवा में कार्बन डाइऑक्साइड बढ़ने से पेड़ उसे ज्यादा सोखेंगे. इससे पेड़ों का साइज बढ़ेगा और कार्बन हमेशा के लिए लकड़ी में लॉक हो जाएगा. नए एनालिसिस ने इस पुराने अनुमान को गलत साबित कर दिया है.

पेड़ों द्वारा ज्यादा फोटोसिंथेसिस करने का यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि भविष्य में लकड़ी की ग्रोथ भी ज्यादा होगी. पुराने मॉडलों में लकड़ी की वास्तविक ग्रोथ की जगह सिर्फ फोटोसिंथेसिस के लेवल को मापा गया था. इसी वजह से वैज्ञानिक भविष्य में होने वाले कार्बन स्टोरेज का गलत आकलन कर रहे थे.

क्या है सूखे और बढ़ते तापमान का पेड़ों के कनेक्शन पर असर?

वैज्ञानिकों ने चार मुख्य जगहों पर बहुत गहरी रिसर्च की. इससे पता चला कि लकड़ी की ग्रोथ सिर्फ कम तापमान और नमी वाले दिनों में ही होती है. ग्लोबल वार्मिंग के कारण अब ऐसे दिन बहुत कम होते जा रहे हैं.

दुनियाभर में हीटवेव और सूखे की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं. मकुंद पलत राव ने रिसर्च के नतीजों को समझाते हुए कहा, 'जैसे ही मौसम गर्म और सूखा होता है पेड़ों की ग्रोथ तुरंत रुक जाती है.'

हालांकि इस दौरान फोटोसिंथेसिस की स्पीड थोड़ी कम जरूर होती है पर वह चलती रहती है. पानी की कमी होने से पेड़ों के अंदर वह जरूरी प्रेशर खत्म हो जाता है जो उन्हें बढ़ने के लिए चाहिए होता है. मौसम के बदलते मिजाज के कारण पेड़ खुद को बचाने के लिए ग्रोथ बंद कर देते हैं।

पेट में ही आइंस्टीन बनेगा बच्चा! मनचाहा हाईट और आंखों का कलर भी होगा, करवानी होगी प्रेगनेंसी में ये 1 चीज

जीन एडिटिंग और CRISPR जैसी तकनीकों ने जन्म से पहले जेनेटिक बीमारियों को रोकने की उम्मीद जगाई है. हालांकि, बच्चे की हाईट, आंखों का रंग या बुद्धिमत्ता तय करना अभी वैज्ञानिक रूप से संभव नहीं है. फिर भी इस तकनीक को लेकर दुनियाभर में बहस और रिसर्च लगातार जारी है.

क्या ऐसा समय आ सकता है जब माता-पिता अपने बच्चे के जन्म से पहले ही उसकी कुछ खास खूबियां चुन सकें? जैसे कि वह लंबा हो, उसकी आंखों का रंग खास हो या फिर उसे जेनेटिक बीमारियों का खतरा न हो. यह सवाल आज विज्ञान की दुनिया में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय बना हुआ है. इसकी वजह है जीन एडिटिंग (Gene Editing) और CRISPR जैसी आधुनिक तकनीकें, जो इंसानी डीएनए में बदलाव करने की क्षमता रखती हैं. हालांकि, इसका यूज जेनेटिक बीमीरियों की रोकथाम के लिए किया जाना है, लेकिन जब इतना हो सकती है तो साइंस की दुनिया में आगे डिजाइनर बच्चे भी पैदा हो सकते हैं. यह सवाल काफी चर्चा में है.

चलिए थोड़ा डिटेल में जानते हैं, हमारे शरीर का पूरा खाका डीएनए में छिपा होता है. इसी डीएनए में मौजूद जीन (Genes) यह तय करते हैं कि

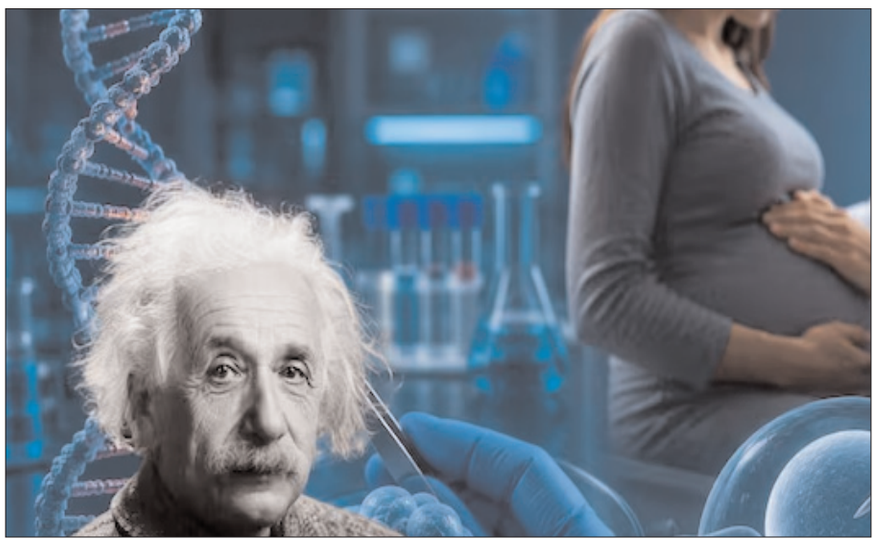

शरीर कैसे विकसित होगा. आंखों का रंग, बालों की बनावट और कई बीमारियों का जोखिम भी जीन से जुड़ा होता है. Healthline की रिपोर्ट के अनुसार, जीन एडिटिंग ऐसी तकनीक है जो वैज्ञानिकों को डीएनए के कुछ हिस्सों में बदलाव करने की अनुमति देती है. फिलहाल इसका मुख्य उद्देश्य उन जेनेटिक गड़बड़ियों को ठीक करना है, जो सिकल सेल एनीमिया या सिस्टिक फाइब्रोसिस जैसी बीमारियों का कारण बनती हैं. हालांकि, जब बात बच्चे की लंबाई, आंखों के रंग या अन्य शारीरिक गुणों को चुनने की आती है, तो मामला काफी जटिल हो जाता है.

पिछले कुछ वर्षों में CRISPR तकनीक ने इस क्षेत्र में नई उम्मीद जगाई है. वैज्ञानिक इसे डीएनए की 'एडिटिंग टूल' के रूप में देखते हैं. इसकी मदद से उन जीनों की पहचान की जा सकती है जो कुछ गंभीर जेनेटिक बीमारियों के लिए जिम्मेदार होते हैं. हालांकि, जीन एडिटिंग के जरिए बच्चे को ज्यादा बुद्धिमान, लंबा या खास रंग की आंखों वाला बनाया जा सकता है. लेकिन वैज्ञानिकों के अनुसार यह इतना आसान नहीं है. इंसान की बुद्धिमत्ता, लंबाई और व्यक्तित्व सिर्फ एक या दो जीन पर निर्भर नहीं करते. इनके पीछे सैकड़ों जीन और वातावरण, पोषण, शिक्षा तथा जीवनशैली जैसे कई कारक काम करते हैं.

यही कारण है कि आज की तारीख में विज्ञान यह दावा नहीं करता कि किसी बच्चे को 'आइंस्टीन' जैसा दिमाग या तय हाईट देकर पैदा किया जा सकता है. हालांकि, जेनेटिक बीमारियों के जोखिम को कम करने के लिए जीन एडिटिंग भविष्य में एक महत्वपूर्ण हथियार बन सकती है.

इस तकनीक को लेकर कई चिंताएं भी सामने आती हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि अगर भविष्य में लोग मनचाहे गुण चुनने लगें, तो इससे सामाजिक असमानताएं बढ़ सकती हैं. इसलिए दुनिया के कई देशों में जीन एडिटिंग पर सख्त नियम लागू है।

घर की बालकनी बन जाएगी छोटा सा बगीचा! आसानी से गमले में उग जाते हैं ये 5 फलदार पेड़, स्वाद भी मिलेगा और हरियाली भी

अगर आप घर की छोटी सी बालकनी को भी हरा-भरा बनाना चाहते हैं, तो यह काम अब बहुत आसान हो सकता है. बड़े-बड़े बाग की जरूरत नहीं, बस कुछ गमले और थोड़ी देखभाल से आप अपने घर पर ही 5 तरह के स्वादिष्ट फलदार पेड़ उगा सकते हैं. इन पेड़ों से आपको ताजे फलों का स्वाद भी मिलेगा और बालकनी में प्राकृतिक हरियाली और ताजगी भी बनी रहेगी...

इनडोर गार्डनिंग अब सिर्फ सजावटी पौधों और हर्ब्स तक सीमित नहीं रह गई है. आजकल घरों, अपार्टमेंट्स और बालकनी में छोटे आकार के फलदार पेड़ उगाने का चलन बढ़ता जा रहा है, जिससे लोग ताजे फलों का आनंद भी ले सकते हैं और अपने घर को खूबसूरत भी बना सकते हैं. कुछ खास किस्म के फलदार पेड़ सही धूप, उपयुक्त गमले और देखभाल के साथ घर के अंदर भी अच्छी तरह पनप सकते हैं. हालांकि इनडोर फलदार पेड़ों को ज्यादा ध्यान और धैर्य की जरूरत होती है, लेकिन ये छोटे घरों और अपार्टमेंट्स के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं. यहां कुछ ऐसे फलदार पेड़ों के बारे में बताया गया है, जो इनडोर गार्डनिंग के लिए बेहतरीन माने जाते हैं.

नींबू का पेड़ - नींबू के बौने (ड्वार्फ) किस्म के पेड़ इनडोर गार्डनिंग के लिए सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं, क्योंकि ये आसानी से गमलों में उगाए जा सकते हैं और सुंदर फूलों के साथ-साथ असली फल भी देते हैं. नींबू के ड्वार्फ पेड़ बालकनी या घर के धूप वाले कोनों में अच्छे से बढ़ते हैं. इन्हें हेल्दी रखने के लिए रोजाना कुछ घंटे की सीधी धूप और सही मिट्टी की जरूरत होती है. फल के अलावा, इनकी चमकदार हरी पत्तियां और सिट्रस खुशबू घर के माहौल को भी ताजा बना देती है.

अंजीर का पेड़ - अंजीर के कुछ किस्म के पेड़ भी इनडोर गार्डनिंग के लिए उपयुक्त होते हैं, जो गमलों में अच्छी तरह बढ़ते हैं. ड्वार्फ अंजीर के पेड़ आकार में छोटे होते हैं और धूप वाली खिड़कियों या बालकनी में आसानी से पनप सकते हैं. इनकी बड़ी और सजावटी पत्तियों के साथ-साथ, सही देखभाल करने पर ये स्वादिष्ट फल भी देते हैं. अंजीर के पेड़ों को हर दिन पानी और धूप चाहिए होती है, जिससे इन्हें घर के अंदर रखना आसान हो जाता है.

जैतून का पेड़ - जैतून के पेड़ ना सिर्फ फल देने के लिए, बल्कि अपनी सिल्वर-ग्रीन पत्तियों की वजह से भी काफी पसंद किए जाते हैं. जैतून की कई कॉम्पैक्ट किस्में हैं, जो पर्याप्त धूप और हवा मिलने पर घर के अंदर भी अच्छी तरह बढ़ती हैं. इनडोर जैतून के पेड़ भले ही ज्यादा फल ना दें, लेकिन अपनी सादगी और खूबसूरती के कारण ये घर की सजावट के लिए काफी लोकप्रिय हैं.

अमरूद का पेड़ - अमरूद के ड्वार्फ किस्म के पेड़ भी इनडोर गार्डनिंग के लिए अच्छे माने जाते हैं. ये बड़े गमलों में और धूप वाली बालकनी या छत पर अच्छी तरह बढ़ सकते हैं. अमरूद के पेड़ों को गर्मी, लगातार धूप और समय-समय पर कटाई की जरूरत होती है. स्वादिष्ट फलों के अलावा, अमरूद के पेड़ अपनी चमकदार पत्तियों और आकर्षक रूप के लिए भी जाने जाते हैं.

अनार का पेड़ - अनार के ड्वार्फ किस्म के पेड़ अपने चमकीले फूलों और नारंगी-लाल दानों के लिए फेमस हैं, साथ ही इनका आकार भी कॉम्पैक्ट होता है. ड्वार्फ अनार के पेड़ गमलों में लगाने के लिए एकदम सही हैं और ये घर के अंदर या धूप वाली बालकनी में भी अच्छी तरह बढ़ सकते हैं. भले ही इनमें ज्यादा फल ना आएं।

मछली खरीदते समय इन 4 चीजों का रखें ध्यान, ऐसे पता करें बासी है या ताजा

मछली खाने के शौकीन लोग अक्सर बाजार से खरीदते समय सिर्फ उसके आकार या कीमत पर ध्यान देते हैं, लेकिन असली बात उसकी ताजगी की होती है. बासी मछली न सिर्फ स्वाद खराब कर सकती है, बल्कि सेहत को भी नुकसान पहुंचा सकती है. ऐसे में कुछ आसान तरीकों की मदद से आप खरीदते समय ही पहचान सकते हैं कि मछली ताजी है या नहीं, आइए जानते हैं वे जरूरी बातें.

मछली पोषक तत्वों से भरपूर होती है और शरीर को प्रोटीन, ओमेगा-3 फैटी एसिड समेत कई जरूरी पोषक तत्व देती है. लेकिन अगर मछली ताजी न हो तो यही सेहत के लिए नुकसानदायक भी बन सकती है. बासी मछली खाने से पेट

खराब होना, उल्टी, दस्त और पाचन संबंधी परेशानियां हो सकती है. इसलिए बाजार से मछली खरीदते समय केवल कीमत या आकार देखकर नहीं खरीदना चाहिए. कुछ आसान संकेतों को पहचानकर आप यह समझ सकते हैं कि मछली ताजी है या काफी समय पहले की है.

मतस्य पालक सत्येंद्र कुमार बताते है कि मछली की ताजगी पहचानने का सबसे आसान तरीका उसकी आंखें हैं. ताजी मछली की आंखें साफ, चमकदार और हल्की उभरी हुई दिखाई देती हैं, वहीं बासी मछली की आंखों पर सफेद परत जम जाती है और वे अंदर की ओर धंसी हुई लगती हैं. कई बार आंखों पर बादल जैसा धुंधलापन भी दिखाई देता है. इस तरह की मछली काफी समय पहले पकड़ी गई होती है, इसलिए खरीदारी करते समय सबसे पहले मछली की आंखों को ध्यान से देखना चाहिए.

वह आगे बताते हैं कि मछली खरीदते समय उसकी गंध पर जरूर ध्यान दें. ताजी मछली से हल्की समुद्री या सामान्य मछली जैसी खुशबू आती है. अगर मछली से तेज, सड़ी हुई या अजीब तरह की बदबू आने लगे तो समझ जाइए कि वह ताजी नहीं है. कई दुकानदार बर्फ या पानी का इस्तेमाल करके मछली को ताजा दिखाने की कोशिश करते हैं, लेकिन उसकी गंध बता देती है कि मछली बासी है. इसलिए खरीदने से पहले मछली को सूंघना बिल्कुल न भूलें. यह सबसे भरोसेमंद तरीकों में से एक माना जाता है.

ताजी मछली देखने में अलग ही नजर आती है. उसकी त्वचा पर प्राकृतिक चमक होती है और रंग भी साफ दिखाई देता है. बासी मछली का रंग फीका पड़ने लगता है और वह बेजान सी दिखती है. अगर मछली के अंदर का हिस्सा लाल या गुलाबी चमकदार दिखाई दे रहा है तो यह ताजी है, वहीं अगर रंग भूरा या मटमैला हो चुका हो तो मछली पुरानी हो सकती है।

गर्मियों का सीजन खत्म होने से पहले घूम आएं ये 5 खूबसूरत जगहें, ट्रिप बन जाएगी हमेशा के लिए यादगार

अगर आप चिलचिलाती गर्मी से राहत पाना चाहते हैं और खूबसूरत नज़ारों का मज़ा लेना चाहते हैं, तो मौसम खत्म होने से पहले भारत की कुछ शानदार जगहों पर ज़रूर जाएं

छुट्टियों और घूमने-फिरने के लिए गर्मियों का मौसम सबसे अच्छा माना जाता है. अगर आप गर्मी से बचना चाहते हैं और साथ ही खूबसूरत प्राकृतिक नज़ारों का मज़ा लेना चाहते हैं, तो मौसम खत्म होने से पहले भारत की कुछ शानदार जगहों पर ज़रूर जाएं. भारत की ये जगहें न सिर्फ़ अपने ठंडे मौसम और शानदार नज़ारों के लिए मशहूर हैं,

बल्कि यहां बिताया गया समय आपकी यात्रा को सचमुच यादगार बना देगा. आइए जानते हैं ऐसी ही 5 जगहों के बारे में विस्तार से....

मनाली

हिमाचल प्रदेश का मनाली गर्मियों में घूमने के लिए सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है. बर्फ से ढके पहाड़, हरे-भरे जंगल और बहती नदियां इसकी खूबसूरती को और बढ़ाते हैं. यहां आप सोलंग वैली, रोहतांग पास और हिडिंबा मंदिर जैसी जगहों का मज़ा ले सकते हैं. एडवेंचर पसंद करने वालों के लिए पैराग्लाइडिंग और रिवर राफ्टिंग बेहतरीन विकल्प हैं.

औली

उत्तराखंड के औली को अक्सर भारत का 'मिनी स्विट्ज़रलैंड' कहा जाता है. यहां की हरी-भरी घाटियां और हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियां पर्यटकों का मन मोह लेती हैं. गर्मियों में यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है, जिससे यह ट्रेकिंग और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक बेहतरीन जगह बन जाती है.

मुन्नार

अगर आप दक्षिण भारत की खूबसूरती का अनुभव करना चाहते हैं, तो केरल के मुन्नार ज़रूर जाएं. चाय के बागान, धुंध से ढकी पहाड़ियां और पहाड़ों की ताज़ी हवा यहां की खासियतें हैं. यहां का शांत माहौल शहर की भागदौड़ से दूर सुकून के पल बिताने का मौका देता है।

असद अली खानः कहानी रुद्र वीणा के उस साधक की, जिनके बाद खाली पड़ गई एक परंपरा

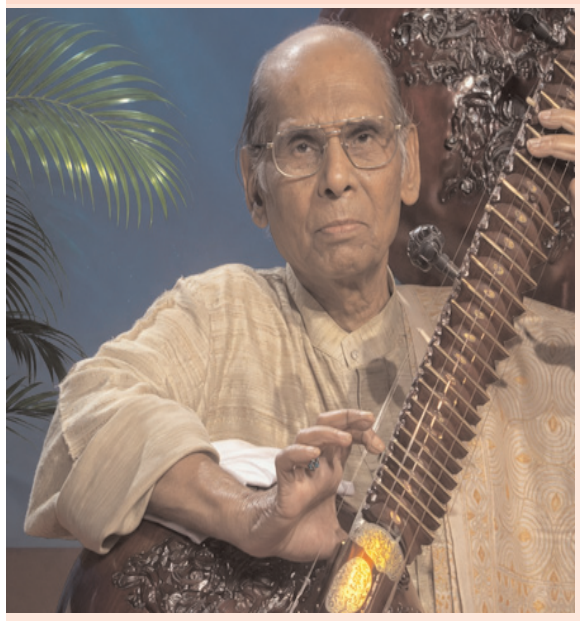

नई दिल्ली। भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा में रुद्र वीणा सिर्फ एक वाद्ययंत्र नहीं बल्कि सदियों पुरानी सांगीतिक विरासत का जीवंत प्रतीक रही है। हालांकि अब यह रुद्र वीणा विलुप्ति के कगार पर है। बदलते समय, घटती साधना और कम होते साधकों के बीच रुद्र वीणा की गूंज अब विरल होती जा रही है। जब भी इस दुर्लभ वाद्य की चर्चा होगी, एक नाम बड़े सम्मान और श्रद्धा के साथ लिया जाएगा और यह नाम है उस्ताद असद अली खान का। उस्ताद असद अली खान रुद्र वीणा के आखिरी महान उस्तादों में से एक थे, जिन्होंने जटिल खंडारबानी परंपरा को आगे बढ़ाया।

1 दिसंबर 1937 को राजस्थान के अलवर में 'बीनकार' परिवार की सातवीं पीढ़ी में जन्मे असद अली खान को छह साल की उम्र से ही उनके पिता उस्ताद सादिक अली खान ने कड़ी ट्रेनिंग दी थी। बेजोड़ तकनीकी सटीकता और ध्यानमग्न करने वाली गहराई के साथ मशहूर हुए असद अली खान प्राचीन रुद्र वीणा परंपरा के आखिरी सच्चे कलाकार के तौर पर जाने गए।

उनकी वीणा की मधुर ध्वनि और उनका आजीवन समर्पण और आत्म अनुशासन उनके जीवनकाल में ही बीते हुए समय की एक स्मृति की तरह प्रतीत होता था। उन्होंने अपने दौर में न सिर्फ रुद्र वीणा की प्राचीन परंपरा को जीवित रखा बल्कि अपने अद्वितीय वादन और समर्पण से इसे नई पीढ़ियों तक पहुंचाने का अथक प्रयास भी किया।

1977 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित असद खान के करियर में कई राष्ट्रीय प्रसारण, कॉन्सर्ट और अंतरराष्ट्रीय दौरे शामिल रहे। उन्होंने यूरोप, अमेरिका, अफगानिस्तान और अन्य जगहों पर दर्शकों के सामने वीणा की अनोखी आवाज पेश की। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी व ऑल इंडिया रेडियो और बाद में भारतीय कला केंद्र में फैकल्टी के तौर पर काम किया। साथ ही निजी तौर पर इस वाद्य को सिखाने में भी अहम भूमिका निभाई। असद अली खान इस बात से भलीभांति परिचित थे कि आधुनिक भारत के आर्थिक विकास, सीमित वित्तीय संसाधनों और अनिश्चित करियर संभावनाओं को देखते हुए ।

शादी सिर्फ प्यार से नहीं चलती, सोच और संस्कार का मेल भी जरूरी: पूनम ढिल्लों

मुंबई। राजीव खंडेलवाल के शो 'तुम हो ना' में बातचीत के दौरान एक्ट्रेस पूनम ढिल्लों ने अपने संघर्षों और परवरिश से जुड़े अपने अनुभव शेयर किए। उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता बेहद सख्त थे और उन्हें अपनी उम्र के लोगों से मिलने या डेट करने की इजाजत नहीं थी। उनका मानना है कि सख्त परवरिश अच्छी होती है, लेकिन आज के माता-पिता को बच्चों को खुद फैसले लेने और दुनिया को समझने का अवसर देना चाहिए।

अभिनेत्री के संघर्षों के बारे में राजीव ने पूछा 'ऐसा लगता है जैसे सभी लड़कियों को आपसे प्रेरित होना चाहिए लेकिन जब भी कोई सार्वजनिक हस्ती यहां आती है, तो मैं यह सुनिश्चित करने की कोशिश करता हूं कि लोग कम से कम इतना समझें कि हम सभी सामान्य इंसान हैं।

हमारे पास भी चुनौतियां हैं और कभी-कभी शायद बड़ी चुनौतियां भी होती हैं क्योंकि हम सार्वजनिक सुर्खियों में रहते हैं।

इस पर पूनम ने कहा, 'जब आप एक सेलिब्रिटी या पब्लिक फिगर होते हैं और सोमवार से शुक्रवार या सोमवार से रविवार तक काम करते हैं तो आपको बहुत कम लोगों से मिलने का मौका मिलता है। आधे लोग आपको ऐसे देखते हैं कि 'ये तो मेरी पसंद के बाहर है' और आधे लोग सोचते हैं 'फिल्मी सितारे'' ऐसे ही होते हैं।' दोनों स्थितियों में आपकी एक अलग छवि बन जाती है।'

वरुण धवन ने बताया कि सारा अली खान से पहली मुलाकात का किस्सा

मुंबई। अभिनेता वरुण धवन ने खुलासा किया था कि उनकी पहली मुलाकात सारा अली खान से तब हुई थी, जब वह महज करीब 15 साल की थीं। यह किस्सा उन्होंने साल 2020 में फिल्म 'कुली नंबर 1' के प्रमोशन के दौरान 'द कपिल शर्मा शो' में साझा किया था।

- शो में बानचीत के दौरान वरुण ने बताया कि उन्होंने सारा को पहली बार किशोरावस्था में देखा था और उसी समय उनकी मुलाकात हुई थी। बाद में दोनों ने फिल्म 'कली नंबर 1' में पहली बार साथ काम किया।

वरुण ने यह किस्सा अपने शब्दों में सुनाया, "मेरी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' रिलीज हो चुकी थी और मैं जिम गया था। चस्मा पहने एक लड़की फोन पर बात करते हुए इधर-उधर घूम रही थी। मैं लिफ्ट में जा रहा था और वह बाहर आ रही थी, लेकिन तभी वह अचानक मुड़ी और वापस लिफ्ट में आ गई। उनने मुझे घूरते हुए और साथ ही हंसते हुए किसी को फोन किया। मुझे ठीक-ठीक नहीं पता कि वह क्या करने की कोशिश कर रही थी।"

> जब होस्ट कपिल शर्मा ने सारा से पूछा कि वह किससे बात कर रहीं थीं, तो उन्होंने माना कि वरुण का पीछा करते समय उन्हें बस कुछ करने का दिखावा करना था।

- 'कुली नंबर 1' में वरुण और सारा की जोड़ी पहली बार पर्दे पर नजर आई थी और इसके बाद से दोनों ने किसी भी प्रोजेक्ट में साथ काम नहीं किया है।
- हाल ही में वरुण को डेविड धवन के निर्देशन में बनी एक और फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में मुख्य भूमिका में देखा गया, जिसमें मृणाब ठाकुर और पूजा हेगड़े लीड एक्ट्रेस थीं।

'हीर सारा और पुडुचेरी' को मिला कीर्ति कुल्हारी का साथ, मानवी गगरू के लिए लिखी खास बात

मुंबई । अभिनेत्री पत्रलेखा और मानवी गगरू स्टारर कॉमेडी ड्रामा 'हीर सारा और पुडुचेरी' बड़े पर्दे पर प्रदर्शित हो चुकी है। शुक्रवार को अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने फिल्म और मानवी गगरू को बधाई देते हुए एक दिलचस्प पोस्ट शेयर किया।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का क्लिप शेयर करते हुए लिखा, 'इस खास दिन पर मानवी गगरू को दिल से ढेर सारी बधाई और शुभकामनाएं। आप पहले से भी ज्यादा चमकें और फिल्म को खूब प्यार मिले, यही कामना है। ढेर सारा प्यार, बड़ी-सी झप्पी और हीर सारा की पूरी टीम को शुभकामनाएं। दोस्तों, जाइए और इस खूबसूरत फिल्म को अपने नजदीकी सिनेमाघरों में देखकर अपना प्यार दीजिए।'

निर्देशक कार्तिक चौधरी द्वारा बनाई गई यह फिल्म दो महिलाओं की भावनात्मक यात्रा पर आधारित है, जो व्यक्तिगत संकटों और सामाजिक दबावों के बीच जीवन में मुक्ति और नया उद्देश्य तलाशती हैं। सारा (पत्रलेखा) एक महत्वाकांक्षी बाइकर हैं और हीर (मानवी गागरू) एक अन्य महिला हैं जो जीवन के अलग-अलग दौर से गुजर रही हैं।

सारा अपनी मां को खोजने के लिए इंदौर से पांडिचेरी (पुडुचेरी) की यात्रा पर निकलती हैं, जबकि हीर अपने बॉयफ्रेंड की शादी को रोकने का प्रयास करती है। यह फिल्म पहचान, महिला दोस्ती और सामाजिक अपेक्षाओं के बंधनों से मुक्त होकर खुद को फिर से खोजने के साहस का जश्न मनाती है।

फिल्म का निर्माण मेघा क्रिएशन्स (दिनेश सोनी), नेक्स्ट लेवल प्रोडक्शंस (नीरज रुहिल और सुभव शर्मा) और ऑप्टिकस इंक ने मिलकर किया है। फिल्म को सोनी म्यूजिक इंडिया का सहयोग मिला है।

फिल्म में आरिफ जकारिया, निशंक वर्मा और श्वेता साल्वे भी अहम किरदारों में नजर आ रहे हैं।

फिल्म को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है।

उनका मानना है कि फिल्म का मूल विचार बहुत अच्छा था, लेकिन पटकथा थोड़ी सुस्त है और इसमें रोमांच या हास्य की कमी है। कई विषयों को छूने के बावजूद, फिल्म उनमें गहराई तक नहीं उतर पाती।

'नहीं पता था कि किस्मत कहां ले जाएगी'; रश्मि देसाई ने अपने पुराने दिनों को किया याद

मुंबई । अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए टीवी एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने कहा कि 'छोटी रश्मि' को कभी नहीं पता था कि किस्मत उन्हें कहां ले जाएगी लेकिन उन्होंने हमेशा अपनी चमक बनाए रखी।

रश्मि ने वर्ष 2006 में 'रावण' से हिंदी टेलीविजन में डेब्यू किया था। उन्होंने अपने बचपन की कुछ पुरानी तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह स्टाइलिश अंदाज में तैयार नजर आ रही हैं। इस सफर में मिले हर सबक, संघर्ष और आशीर्वाद के लिए आभार जताते हुए 2000 के दशक के शो 'उतरन' में तपस्या का किरदार निभाकर मशहूर हुईं इस एक्ट्रेस ने उन अनुभवों का जश्न मनाया जिन्होंने उन्हें आज का इंसान बनाया है।

रश्मि देसाई ने इंस्टाग्राम कैप्शन में लिखा, 'छोटी रश्मि को नहीं पता था कि जिंदगी उसे कहां ले जाएगी, लेकिन फिर भी वह अपने अंदर की चमक बनाए हुए थी। इस सफर में मिले हर सबक, हर संघर्ष और हर आशीर्वाद के लिए आभारी हूं।'

बता दें कि रश्मि देसाई रियलिटी शो 'बिग बॉस 13' में अपने काम से लोगों का ध्यान खींचने में कामयाब रही थीं।

उन्होंने 'परी हूं मैं', 'झलक दिखला जा 5', 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 6', 'जरा नचके दिखा 2' और 'नच बलिए 7' जैसे शो में भी नजर आईं और सलमान खान की फिल्म 'दबंग 2' में एक खास रोल भी किया। 40 वर्षीय रश्मि आखिरी बार 'वागले की दुनिया, नई पीढ़ी नए किस्से' में दिखी थीं। यह शो कार्टूनिस्ट आर. के. लक्ष्मण के किरदारों, खासकर 'द कॉमन मैन' पर आधारित है और इसमें एक आम मिडिल-क्लास भारतीय आदमी की रोजमर्रा की समस्याओं को दिखाया गया है।

सफलता का सफर आसान नहीं था, हर चुनौती ने मुझे मजबूत बनाया : सुम्बुल तौकीर

मुंबई। कहते हैं कि सपने बड़े देखो तो उसकी कीमत भी चुकानी पड़ती है और संघर्ष ही इस कीमत को वसूलता भी है। कई सफल टीवी शो का हिस्सा रह चुकीं अभिनेत्री सुम्बुल तौकीर ने अपने करियर के सफर, संघर्ष और सफलता को लेकर खुलकर बात की है।

'इमली' जैसे चर्चित टीवी शो से घर-घर में पहचान बनाने वाली सुम्बुल का कहना है कि एक सफल कलाकार बनने का उनका रास्ता आसान नहीं था, लेकिन हर अनुभव ने उन्हें आगे बढ़ने और बेहतर बनने की प्रेरणा दी।

मीडिया से बातचीत में सुम्बुल ने बताया कि उनका सपना हमेशा से अभिनेत्री बनने का था। हालांकि, मनोरंजन जगत में उनकी शुरुआत डांस रियलिटी शो के जरिए हुई, लेकिन उनका लक्ष्य कैमरे के सामने अभिनय करना था। उन्होंने कहा कि खुशी है कि समय के साथ उन्हें अपने सपनों को पूरा करने का अवसर मिला।

सुम्बुल ने बताया, 'मैं हमेशा से एक्टर बनना चाहती थी। इंडस्ट्री में मेरा सफर डांस रियलिटी शो से शुरू हुआ, लेकिन मेरा सपना अभिनय करना था। यह सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा। मैंने अच्छे और बुरे दोनों तरह के अनुभव देखे हैं, लेकिन इन्हीं अनुभवों ने मुझे मजबूत बनाया और आगे बढ़ने का हौसला दिया।'

अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें अपने निभाने हर किरदार से कुछ नया सीखने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि शुरुआती शोज से लेकर वर्तमान शो 'इत्ती सी खुशी' तक, अलग-अलग किरदारों को पर्दे पर जीवंत करना उन्हें बेहद पसंद है। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए हर किरदार एक नई चुनौती और सीख लेकर आता है।

सुम्बुल ने यह भी माना कि कई बार दर्शक किसी कलाकार और उसके किरदार के बीच फर्क करना भूल जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई किरदार दर्शकों के दिलों तक पहुंचता है और लोग उस पर मजबूत प्रतिक्रिया देते हैं, तो यह कलाकार के काम की सबसे बड़ी सफलता होती है। उन्होंने कहा कि उन्हें अब तक निभाए गए सभी किरदारों पर गर्व है और भविष्य में भी नए और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने की इच्छा है।

दर्शकों की सोच पर बात करते हुए सुम्बुल ने कहा कि लोग अक्सर पर्दे पर निभाए गए किरदारों के आधार पर कलाकारों की छवि बना लेते हैं। अगर कोई कलाकार नायक या नायिका की भूमिका निभाता है तो दर्शक उससे वास्तविक जीवन में भी वैसा ही व्यवहार करने की उम्मीद करते हैं। वहीं, खलनायक की भूमिका निभाने वाले कलाकारों को कई बार नकारात्मक नजरिए से देखा जाता है।

20 कस्बों को निकासी चेतावनी के बाद दक्षिण लेबनान में हवाई हमले

बेरूत/तेल अवीव। इजरायल डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) ने हिज्बुल्लाह पर संघर्ष विराम नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए दक्षिण लेबनान के कई स्थानों पर हवाई हमले किए। ये हमले 20 स्थानों के लिए निकासी चेतावनी जारी किए जाने के कुछ ही समय बाद हुए।

लेबनान की सरकारी न्यूज एजेंसी एनएनए के अनुसार, शनिवार को दक्षिण लेबनान में कई स्थानों पर इजरायली हवाई हमले हुए। यह हमले उस चेतावनी के बाद हुए, जिसमें नबातिये शहर सहित 20 कस्बों और गांवों को संभावित सैन्य कार्रवाई से पहले खाली करने को कहा गया था।

राष्ट्रीय समाचार एजेंसी ने बताया कि जिन क्षेत्रों को निकासी आदेश में शामिल किया गया था, उन्हीं में कई स्थानों पर बमबारी हुई। इनमें रिहान और सुजूद गांव शामिल हैं, जो नबातिये के पास स्थित हैं। इससे पहले आईडीएफ के अरबी भाषा के प्रवक्ता अविचाय अद्राए ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर स्थानीय लोगों से तुरंत क्षेत्र खाली कर जहरानी नदी के उत्तर की ओर जाने की अपील की थी। इजरायली सेना ने आरोप लगाया है कि हिज्बुल्लाह संघर्षविराम का उल्लंघन कर रहा है और उसके सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है।

हालिया घटनाक्रम ने दक्षिण लेबनान में तनाव को और बढ़ा दिया है, जहां सीमा पार हमलों और जवाबी कार्रवाई का सिलसिला लंबे समय से जारी है। स्थानीय प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है, जबकि प्रभावित इलाकों में लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की जा रही है।

इस बीच, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने लेबनान में यूएन शांति सैनिक की हत्या की निंदा की। परिषद ने लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के एक सैनिक की मौत की कड़ी निंदा की है। यह बयान 4 जून को हुए उस हमले के बाद जारी किया गया, जिसमें संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल लेबनान (यूएनआईएफआईएल) के एक सर्बियाई शांति सैनिक की मौत हो गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, यह सैनिक उस समय गंभीर रूप से घायल हो गया जब उसके तैनाती स्थल पर मोर्टार शेल्स गिरे। इस हमले में दो अन्य शांति सैनिक भी घायल हुए थे। सुरक्षा परिषद के सभी 15 सदस्यों ने संयुक्त बयान में पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

भारत और केन्या ने अलग-अलग क्षेत्रों में साझेदारी और निवेश पर की चर्चा

नैरोबी। केन्या में भारत के उच्चायुक्त डॉ. आदर्श स्वैका ने केन्या के एल्डोरेट शहर (उवासिन गिशु प्रांत) का दौरा किया। इस दौरान भारतीय राजदूत स्वैका ने उवासिन गिशु प्रांत के गवर्नर डॉ. जोनाथन बी चेलिलिम से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने भारत और केन्या के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के मौकों पर चर्चा की।

नैरोबी में भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'उच्चायुक्त ने एल्डोरेट के अपने दौरे के दौरान उसिन गिशु काउंटी के गवर्नर डॉ. जोनाथन बी चेलिलिम से मुलाकात की।'

इसमें आगे कहा गया, 'भारत-केन्या साझेदारी के बड़े फ्रेमवर्क में भारत और उसिन गिशु प्रांत के बीच सहयोग के मौकों पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं के बीच यह चर्चा खास तौर से कृषि और कृषि-प्रसंस्करण, स्वास्थ्य सुविधा, खेल, शिक्षा और कैपेसिटी-बिल्डिंग में भारतीय निवेश को आकर्षित करने के क्षेत्रों में हुई।'

उच्चायोग के मुताबिक, 'मीटिंग में अलग-अलग डोमेन में भारत और केन्या के बीच बढ़ते जुड़ाव और प्रांत के साथ ज्यादा सहयोग की संभावना पर जोर दिया गया।' अप्रैल में, भारत और केन्या की संयुक्त व्यापार समिति की 10वीं मीटिंग नैरोबी में हुई। केन्या में भारत के उच्चायोग ने बताया कि मीटिंग की सहअध्यक्षता भारत के वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और केन्या की व्यापार के प्रधान सचिव रेजिना अकोथ ओम्बम ने की। उच्चायोग ने एक्स पर लिखा, 'दोनों पक्षों ने आपसी व्यापार बढ़ाने, मार्केट एक्सेस में सुधार करने, टैरिफ और नॉन-टैरिफ रुकावटों को दूर करने और फार्मास्यूटिकल्स, कृषि, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, फिनटेक, ऊर्जा, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा और मैन्युफैक्चरिंग शामिल हैं, जैसे खास क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर पूरी चर्चा की।' इसमें बताया गया कि लॉजिस्टिक्स, इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग और कैपेसिटी बिल्डिंग जैसे क्षेत्रों में विकास साझेदारी और सहयोग में हुए विकास की समीक्षा की गई।

संक्षिप्त खबर

पीएम साने ताकाइची जी-7 में होंगी शामिल, ऊर्जा सुरक्षा से संबंधित तीन प्रस्ताव रखेगा जापान

टोक्यो। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची जी7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए फ्रांस जा रही हैं। प्रधानमंत्री ताकाइची बतौर पीएम पहली बार जी7 समिट में हिस्सा लेने जा रही हैं। इसके साथ ही वह ब्रिटेन और इटली की यात्रा भी करेंगी। यूरोप के लिए रवाना होने से पहले पीएम ताकाइची ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। पीएम ताकाइची ब्रिटेन और इटली में अपने समकक्ष कीर स्टार्मर और जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात करेंगी। इस दौरान वह पूर्वी एशिया, मध्य पूर्व और यूक्रेन की स्थिति जैसे मुद्दों पर चर्चा करेंगी। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच अलग-अलग बातचीत में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी विकास को आगे बढ़ाने और आपूर्ति श्रृंखलाओं के लचीलेपन को बढ़ाने की दृष्टि से सुरक्षा, एआई, क्वांटम प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, अर्धचालक और अपतटीय पवन ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के पर विस्तृत चर्चा होने की उम्मीद है। पीएम ताकाइची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'यह मेरा पहला जी7 समिट होगा, लेकिन एवियन समिट में, मिडिल ईस्ट, यूक्रेन और हिंद-प्रशांत में भू-राजनीतिक संकटों को सुलझाने के अलावा मैं सभी नेताओं के साथ अन्य जरूरी मुद्दों पर भी खुलकर बातचीत करने की उम्मीद कर रही हूं।'

पीएम रहमान के सलाहकार बोले, ' हम भारत के साथ सहयोग बढ़ाना चाहते हैं'

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के नेता और प्रधानमंत्री तारिक रहमान के सलाहकार हुमायूं कबीर ने शनिवार को कहा कि उनका देश भारत के साथ सहयोग और अच्छे संबंध बनाए रखना चाहता है। बांग्लादेशी समाचार एजेंसी यूएनबी के अनुसार, एक पैनल चर्चा के दौरान उन्होंने कहा, 'हम भारत के साथ सहयोग चाहते हैं, जो आपसी सम्मान पर आधारित होना चाहिए। हमारे संबंध सकारात्मक होने चाहिए।' उन्होंने यह भी कहा कि पड़ोसी देशों के बीच नियमित कूटनीतिक संपर्क सामान्य प्रक्रिया है और सरकार इसी दिशा में आगे बढ़ना चाहती है। कबीर ने संकेत दिया कि दोनों देशों के बीच उच्च-स्तरीय यात्राओं और संवाद को फिर से सक्रिय किया जाएगा, जिससे संबंधों में 'वर्किंग रिलेशनशिप' को अधिक स्पष्टता और स्थिरता मिल सके। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि इसके लिए अनुकूल माहौल जरूरी है। सलाहकार हुमायूं कबीर ने दावा किया कि पिछले 15 वर्षों में संबंधों में 'काफी असंतुलन' रहा है, जिसे सुधारने की आवश्यकता है। उनके अनुसार, यह स्थिति अक्सर बांग्लादेश के लोगों के हितों को ध्यान में रखकर नहीं बनी। उन्होंने हाल ही में विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान की नई दिल्ली यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि इस यात्रा से सकारात्मक संकेत मिले हैं और दोनों देशों की नेतृत्व टीम आगे बढ़ने के लिए इच्छुक है।

एसेक्स के चेल्म्सफोर्ड सेंट्रल पार्क में 21 वर्षीय युवक की हत्या, तीन किशोर गिरफ्तार

लंदन। इंग्लैंड के एसेक्स काउंटी क्षेत्र में एक 21 वर्षीय युवक की हत्या के मामले में तीन किशोरों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से एक की उम्र 14 बरस है।

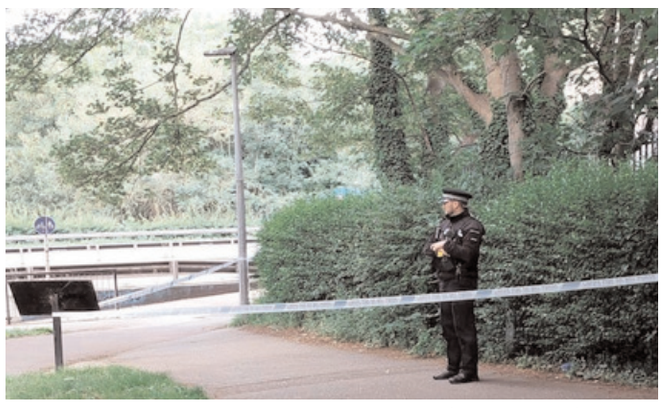

यह घटना शुक्रवार शाम करीब 7 बजे चेल्म्सफोर्ड स्थित सेंट्रल पार्क चेल्म्सफोर्ड में हुई, जहां आपातकालीन सेवाओं को एक युवक गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला। पुलिस के अनुसार, तमाम प्रयासों के बावजूद पैरामेडिक्स उसे बचा नहीं सके और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मामले की जांच शुरू करते हुए पुलिस ने ऑकलैंड क्लोज चेल्म्सफोर्ड में एक पते पर छापेमारी की, जिसके बाद 14, 17 और 18 वर्ष के तीन किशोरों को हत्या के संदेह में गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपी फिलहाल पूछताछ के लिए हिरासत में हैं।

एसेक्स पुलिस ने बताया कि मृतक के परिवार को सूचना दे दी गई है और उन्हें विशेष प्रशिक्षित अधिकारियों की सहायता प्रदान की जा रही है।

पुलिस की आधिकारिक साइट पर जारी बयान में डिटेक्टिव इंस्पेक्टर लिडिया जॉर्ज ने घटना को दुखद बताया। उन्होंने कहा, 'इस वक्त एक परिवार गहरी पीड़ा से गुजर रहा है और पुलिस पीड़ित जनों की निजता का सम्मान करने की अपील करती है।' उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की परिस्थितियों को स्पष्ट करने के लिए पूरी गंभीरता से जांच कर रही है।

पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस घटना में शामिल सभी संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया है और जनता के लिए कोई और खतरा नहीं है। हालांकि, चूंकि घटना एक व्यस्त सार्वजनिक स्थान पर हुई थी, इसलिए पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी के पास कोई जानकारी है, तो वह जांच में मदद के लिए सामने आए। उनके अनुसार, छोटी-सी जानकारी भी जांच में अहम साबित हो सकती है। डीआई जॉर्ज ने लोगों से अफवाहों और अटकलों से बचने की भी अपील की।

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ का दावा, 'अमेरिका-ईरान शांति समझौता 24 घंटे में ले सकता है अंतिम रूप'

इस्लामाबाद/नई दिल्ली। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दावा किया कि अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौता अगले 24 घंटों में अंतिम रूप ले सकता है। उन्होंने ई-साइनिंग की तैयारियों का भी जिक्र किया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शहबाज शरीफ ने अपने संदेश में कहा, 'हम पहले से कहीं अधिक शांति समझौते के करीब हैं।' उन्होंने बताया कि पाकिस्तान इस समझौते पर इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर (ई-साइनिंग) की तैयारी कर रहा है, जिसके बाद तकनीकी स्तर की वार्ताएं आगे बढ़ेंगी।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने वार्ता प्रक्रिया में सहयोग के लिए अमेरिका और ईरान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'हम अमेरिका और इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की वार्ता के दौरान जारी प्रतिबद्धता की सराहना करते हैं। साथ ही क्षेत्र के अपने भाई देशों के समर्थन के लिए भी उनका धन्यवाद करते हैं।' शरीफ ने विश्वास जताया कि यह 'ऐतिहासिक शांति समझौता' क्षेत्र में स्थायी शांति की मजबूत नींव साबित होगा। हालांकि, समझौते के अंतिम मसौदे, उसकी शर्तों और औपचारिक घोषणा को लेकर अभी तक संबंधित पक्षों की ओर से विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। ऐसे में समझौते के आधिकारिक रूप से लागू होने तक स्थिति पर नजर बनी हुई है।

शनिवार को ही ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के विचारों को तस्नीम न्यूज एजेंसी ने प्रकाशित किया। इसमें उन्होंने दो चरणों में समझौते की ओर इशारा किया। अराघची ने बताया कि प्रस्तावित समझौते में होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोलना, जारी संघर्ष को खत्म करना और अमेरिका-ईरान का एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में दखल न देने का वादा शामिल है। उन्होंने बताया कि समझौते के मसौदे में 14 बिंदु हैं।

चीन में ई-कॉमर्स रसद सूचकांक में बढ़ोतरी

बीजिंग। चीन रसद और क्रय संघ ने शनिवार को पिछले महीने चीन में ई-कॉमर्स रसद सूचकांक जारी किया। सूचकांक में बढ़ोतरी जारी रही। ई-कॉमर्स रसद का प्रदर्शन बेहतर हुआ है।

आंकड़ों के अनुसार मई में चीन में ई-कॉमर्स रसद सूचकांक 111.0 अंक था, जो अप्रैल की तुलना में 0.4 अंक अधिक है। कुल व्यापार मात्रा सूचकांक 128.3 अंक था, जो अप्रैल से 0.4 अंक ज्यादा है। वहीं, ग्रामीण ई-कॉमर्स रसद के बाजार में मांग बढ़ी। ग्रामीण ई-कॉमर्स रसद के व्यापार मात्रा सूचकांक फिर से उन्नत हुआ। पश्चिमी इलाके में बढ़ोतरी सबसे अधिक है। मई में एक्सप्रेस डिलीवरी व्यवसाय का अच्छा प्रदर्शन दिखाया गया। सेवा की गुणवत्ता और परिचालन के स्तर में सुधार आया। मई में लागत सूचकांक 113.3 अंक है, जो अप्रैल की तुलना में 0.5 अंक कम है। इससे जाहिर है कि उद्यमों में परिचालन के दबाव में सुधार आया।

बलूचिस्तान में बढ़ती हिंसा: एक नागरिक की कथित हत्या, दो छात्रों के जबरन लापता किए जाने का आरोप

क्वेटा। बलूचिस्तान में आम नागरिकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा के बीच प्रमुख मानवाधिकार संगठनों ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के हाथों एक नागरिक की न्यायेतर हत्या (एक्स्ट्रा-ज्यूडिशियल किलिंग) की गई है, जबकि दो अन्य लोगों को जबरन लापता कर दिया गया है।

मानवाधिकार संगठन बलूच यकेती कमिटी (बीवाईसी) के अनुसार, 28 वर्षीय सद्दाम का शव शुक्रवार को केच जिले के तुर्बत क्षेत्र के डी-बलोच इलाके में बरामद हुआ। संगठन का कहना है कि उनकी मौत की परिस्थितियों ने स्थानीय लोगों और मानवाधिकार पर्यवेक्षकों के बीच गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

बीवाईसी ने अपने बयान में कहा कि इस तरह की घटनाएं प्रभावित परिवारों और पूरे समाज को गहरे दुख, भय और असुरक्षा में धकेल रही हैं। संगठन के मुताबिक, 'सद्दाम की हत्या बलूचिस्तान में जारी हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघनों की एक और दुखद कड़ी है। क्षेत्र के अनेक परिवार अपने प्रियजनों को खोने का दर्द झेल रहे हैं, जबकि उन्हें न्याय नहीं मिल पा रहा है।'

संगठन ने इस कथित न्यायेतर हत्या की निंदा करते हुए कहा कि बार-बार सामने आ रही ऐसी घटनाएं इस बात का संकेत हैं कि आम नागरिक लगातार असुरक्षित हैं और प्रभावित परिवारों को अनिश्चितता तथा शोक का बोझ उठाना पड़ रहा है। बीवाईसी ने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों, पत्रकारों और वैश्विक संस्थाओं से मामले का संज्ञान लेने की अपील की है। इसी बीच, मानवाधिकार संगठन बलूच वॉयस ऑफ जस्टिस (बीवीजे) ने आरोप लगाया कि 19 वर्षीय शुक्रुल्लाह और 20 वर्षीय जुबैर बलूच नामक दो छात्रों को 4 जून को बलूचिस्तान के दलबंदिन क्षेत्र से पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा जबरन गायब कर दिया गया।

बांग्लादेश में खसरे के प्रकोप से एक और बच्चे की मौत, मरने वालों की संख्या बढ़कर 643 हुई

ढाका। बांग्लादेश में खसरे के बढ़ते प्रकोप के बीच, शुक्रवार को इस बीमारी से एक और बच्चे की मौत हो गई। इसके साथ ही 15 मार्च से अब तक खसरे से जुड़ी पुष्टि और संदिग्ध मौतों की कुल संख्या बढ़कर 643 हो गई है।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के मुताबिक, मौत की खबर शुक्रवार सुबह तक के 24 घंटों में मिली। बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट यूएनबी ने बताया कि बीमारी से हुई सबसे नई मौत की पहचान संदिग्ध के तौर पर हुई है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, जहां पुष्टि किए गए मौतों की संख्या 92 पर स्थिर रही, वहीं संदिग्ध मौतों की कुल संख्या बढ़कर 551 तक पहुंच गई। इसका मतलब यह है कि 551 मौतें आधिकारिक तौर पर अब तक पुष्टि नहीं हुई हैं।

डीजीएचएस ने पिछले 24 घंटों में खसरे के कुल 1,027 संदिग्ध मामले दर्ज किए, जिससे संदिग्ध मामलों की कुल संख्या 84,266 हो गई। इसके अलावा, इसी समय में 126 नए कन्फर्म मामले सामने आए, जिससे कुल मामलों की संख्या बढ़कर 10,185 हो गई। बांग्लादेशी अखबार, ढाका ट्रिब्यून, ने बताया कि सरकार के इस दावे के बावजूद कि वैक्सीनेशन कवरेज टारगेटेड बच्चों में से 100 फीसदी से ज्यादा हो गया है, देश में खसरे का गंभीर प्रकोप फैलता जा रहा है।

कांगो में इबोला के मामलों की संख्या बढ़कर 689 हुई, मृतकों की संख्या 139 पहुंची

किंशासा। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो (डीआरसी) में इबोला के पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर 689 हो गई है, जिनमें 139 लोगों की मौत शामिल है। यह जानकारी स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा जारी नवीनतम स्थिति रिपोर्ट में दी गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को 17 नए पुष्ट मामले सामने आए, जिनमें पांच मौतें शामिल हैं। ये सभी मामले पूर्वी प्रांत इटुरी में दर्ज किए गए। इबोला वायरस के बुंडिबुग्यो स्ट्रेन से फैले इस प्रकोप ने पूर्वी क्षेत्र के तीन प्रांतों- इटुरी, नॉर्थ किवू और साउथ किवू के 29 स्वास्थ्य क्षेत्रों को प्रभावित किया है।

गुरुवार तक 168 संदिग्ध मामले भी दर्ज किए गए थे, जिनमें 64 लोगों की मौत हो चुकी है। रिपोर्ट में कई परिचालन चुनौतियों का भी उल्लेख किया गया है, जिनमें मृत्यु के बाद नमूना परीक्षण (पोस्ट-मॉर्टम स्वैबिंग) कराने में लोगों की अनिच्छा, इबोला उपचार केंद्रों की सीमित क्षमता, नॉर्थ किवू में संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण सामग्री की कमी, तीनों प्रांतों में चेतावनी एवं निगरानी रिपोर्टिंग प्रणाली की कमजोरी तथा 2.15 करोड़ डॉलर (21.5 मिलियन डॉलर) की वित्तीय कमी शामिल है।

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) द्वारा गुरुवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, इटुरी में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों (आईडीपी) के एक शिविर में इबोला से संबंधित दो मौतें दर्ज की गई हैं। वर्तमान प्रकोप को डीआरसी के स्वास्थ्य मंत्रालय ने 15 मई को आधिकारिक रूप से घोषित किया था। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, 1976 में वायरस की पहचान होने के बाद से यह देश में इबोला का 17वां प्रकोप है।

मई 2026 में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा दोनों में इबोला प्रकोप की पुष्टि हुई थी। इस बार फैला बुंडिबुग्यो प्रजाति का इबोला ऐसा प्रकार है, जिसके लिए अभी तक कोई स्वीकृत टीका या विशेष उपचार उपलब्ध नहीं है, हालांकि संभावित वैक्सीन और उपचारों के परीक्षण जारी हैं। यह प्रकोप ऐसे समय में फैल रहा है जब क्षेत्र मानवीय संकट, दूरस्थ और घनी आबादी वाले इलाकों, असुरक्षा की स्थिति तथा लोगों और व्यापारिक गतिविधियों की अधिक आवाजाही जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है।

इबोला रोग पहली बार 1976 में दो अलग-अलग प्रकोपों के रूप में सामने आया था। पहला प्रकोप वर्तमान दक्षिण सूडान के नज़ारा क्षेत्र में सूडान वायरस रोग के रूप में हुआ था, जबकि दूसरा प्रकोप वर्तमान डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो के यामबुकु क्षेत्र में इबोला वायरस रोग के रूप में दर्ज किया गया था। दूसरा प्रकोप इबोला नदी के निकट स्थित एक गांव में हुआ था, और इसी नदी के नाम पर इस बीमारी का नाम इबोला रखा गया।

केंद्र सरकार ने हमेशा हिमाचल को भरपूर आर्थिक सहायता और समर्थन दिया : जेपी नड्डा

शिमला। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को शिमला में भाजपा सरकार के 12 साल पूर्ण होने पर मीडिया से संवाद किया। इस दौरान जहां उन्होंने केंद्र की ओर से हिमाचल प्रदेश को मिले फंड और सहयोग के बारे में विस्तार से बात की तो वहीं, प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोला।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार सिर्फ झूठ बोलती है कि उन्हें केंद्र से सहयोग नहीं मिला है। हकीकत यह है कि पीएम मोदी की नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने हमेशा हिमाचल को भरपूर आर्थिक सहायता और समर्थन दिया है।

जेपी नड्डा ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में भी हिमाचल को केंद्र सरकार से बड़ा सहयोग मिला है। 1,400 करोड़ रुपए की लागत से एम्स बिलासपुर पूरी तरह ऑपरेशनल है और प्रदेश में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का केंद्र बन रहा है। चंबा, नाहन और हमीरपुर मेडिकल कॉलेजों के लिए 547 करोड़ रुपए की सहायता दी गई है। इसके अलावा पीजीआई सैटेलाइट सेंटर और चमियाणा सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक जैसी परियोजनाओं से हिमाचल में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हो रहा है। माचल में हाइड्रो, शिक्षा, शहरी विकास, रेलवे और ऊर्जा के क्षेत्र में केंद्र सरकार ने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को गति दी है।

रेणुका डैम को राष्ट्रीय महत्व का प्रोजेक्ट घोषित कर 7,000 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं, वहीं लुहरी स्टेज-1 हाइड्रो प्रोजेक्ट के लिए 1,800 करोड़ रुपए मंजूर हुए हैं। आईआईएम सिरमौर, आईआईआईटी ऊना, स्मार्ट सिटी परियोजनाओं और रेलवे विस्तार के माध्यम से प्रदेश में आधारभूत ढांचे को मजबूती मिली है। 13,168 करोड़ रुपए की रेल परियोजनाओं, वर्ल्ड क्लास रेलवे स्टेशनों और सौर ऊर्जा योजनाओं से हिमाचल विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है।

भारत सरकार ने हिमाचल के विकास के लिए निरंतर बड़ा सहयोग दिया है। वर्ष 2024-25 में 2381 रुपए करोड़ स्पेशल असिस्टेंस, 2006 करोड़ रुपए एनडीआरएफ और 2150 करोड़ रुपए एक्सटर्नली एडेड प्रोजेक्ट्स के तहत दिए गए हैं। सड़क कनेक्टिविटी के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। लगभग 40,000 करोड़ रुपए की लागत से 668 किलोमीटर फोर-लेन सड़कों का निर्माण हुआ है, जिससे प्रदेश में बेहतर कनेक्टिविटी, पर्यटन और विकास को नई गति मिली है।

मध्य प्रदेश में राज्यसभा उम्मीदवार का नामांकन निरस्त होने पर कांग्रेस कार्यकर्ता निराशा में

भोपाल। मध्य प्रदेश में लंबे समय से सत्ता से बाहर कांग्रेस लगातार संगठन को मजबूत करने के साथ जमीनी कार्यकर्ता को उत्साहित करने के प्रयास कर रही है मगर समय-समय पर लगने वाले झटके कांग्रेस को मजबूत नहीं होने दे रहे। राज्यसभा के चुनाव में पार्टी उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के नामांकन निरस्त होने और चुनाव आयोग तथा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दलील को खारिज किए जाने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में गहरी निराशा जाने का अंदेशा सताने लगा है।

राज्य की सियासत पर गौर करें तो लगभग ढाई दशक के समय में एक ऐसा वक्त भी आया जब कांग्रेस को राज्य की सत्ता संभालने का मौका मिला मगर आपसी खींचतान के चलते यह सरकार पूरा कार्यकाल ही नहीं कर पाई । सत्ता गंवाने के बावजूद कांग्रेस के भीतरी हालात बहुत ज्यादा नहीं बदले हैं, हां पार्टी ने वर्ष 2023 की विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन जरूर कर दिया था।

हाल के घटनाक्रम ने तो कांग्रेस पर बड़ा प्रहर कर दिया है, राज्य की तीन राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होना था, विधायकों की संख्या बल के आधार पर भाजपा के दो और कांग्रेस के एक उम्मीदवार का निर्वाचित होना तय था। भाजपा ने संख्या बल के बाद आधार पर अपने दो उम्मीदवार तरुण चुघ और रजनीश अग्रवाल के नामांकन पत्र दाखिल कर दिए।अब बारी कांग्रेस की थी तो कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार बनाया।

इसके बाद कांग्रेस के अंदरखाने खींचतान शुरू हुई और भाजपा ने तीसरे उम्मीदवार के तौर पर महेश केवट को मैदान में उतार दिया। यह स्थिति यहां कांग्रेस को चिंता में डाल देने वाली थी। फिर क्या था पार्टी ने विधायकों को कर्नाटक ले जाने की तैयारी की, वहीं दूसरी ओर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के संपर्क में कांग्रेस के कई विधायक आने लगे और इससे भाजपा को यह भरोसा होने लगा कि उसका तीसरा उम्मीदवार हर हाल में जीतेगा।

संक्षिप्त खबर

हिंदू धर्म और भगवान राम के खिलाफ कथित टिप्पणियों के लिए लेखक पर केस दर्ज

बेंगलुरु। कर्नाटक के दावणगेरे जिले में पुलिस ने लेखक और तर्कवादी केएस भगवान के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इस कार्यक्रम के दौरान लेखक केएस भगवान ने कथित तौर पर हिंदू धर्म, भगवान राम और हिंदू धर्मग्रंथों के खिलाफ टिप्पणियां की थीं। जानकारी सामने आई कि लेखक केएस भगवान के खिलाफ दावणगेरे जिले में हरिहर ग्रामीण पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। यह एसआईआर 12 जून को हरिहर के केआर नगर निवासी दिनेश की शिकायत पर दर्ज की गई। शिकायत के अनुसार, लेखक ने 9 जून को आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। यह कार्यक्रम कर्नाटक दलित संघर्ष समिति की ओर से बी. कृष्णप्पा जयंती और भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि लेखक ने भगवान श्री राम, हिंदू धार्मिक मान्यताओं और वाल्मीकि रामायण के बारे में अपमानजनक और भड़काऊ बयान दिए। शिकायत में कहा गया है, 'लेखक ने टिप्पणी की कि 'भगवान श्री राम का जन्म राजा दशरथ से नहीं हुआ था' और 'हिंदू देवताओं की पूजा नहीं की जानी चाहिए।' कथित तौर पर लेखक ने कहा था, 'हिंदू देवताओं की पूजा नहीं की जानी चाहिए। हिंदू देवता हत्या करने वाले देवता हैं और वाल्मीकि ने रामायण के बारे में गलत जानकारी देकर धर्मग्रंथ का अपमान किया है।'

ममता बनर्जी के खिलाफ एफआईआर पर एनडीए नेता बोले, 'लोगों का गुस्सा सामने आ रहा'

पटना। टीएमसी के बागी सांसद जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया के दावों पर एनडीए नेताओं की प्रतिक्रिया सामने आई है। आईएएनएस से बातचीत करते हुए बिहार सरकार में मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि पूरे देश में कांग्रेस और टीएमसी जैसी पार्टियों ने जिस तरह का माहौल बनाया है, उसी का परिणाम है कि ये सभी पार्टियां पतन की ओर जा रही हैं। ममता बनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के मामले को लेकर दिलीप जायसवाल ने कहा कि ममता बनर्जी का दिन पूरा हो गया है। जिस तरह से टीएमसी की गुंडागर्दी इतने लंबे समय से पश्चिम बंगाल में चल रही थी, बंगाल चुनाव परिणाम का दिन बंगाल की आजादी का दिन था। टीएमसी के लोगों ने भी जश्न मनाया कि ममता बनर्जी के तानाशाही से हमको छुट्टी मिल गई। टीएमसी से निकाले गए ऋजु दत्ता के बयान पर उन्होंने कहा कि जब टीएमसी सत्ता में आई थी, तो पूरी कम्युनिस्ट पार्टी उसके साथ चली गई थी। अब फिर वही स्थिति बंगाल की बनती जा रही है और सभी लोग नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर विश्वास कर रहे हैं। मीनाक्षी नटराजन के आरोप पर दिलीप जायसवाल ने कहा कि खुद उनकी ओर से गलती की गई, उसके बाद ऐसी बातें बोली जा रही हैं। देश के पास इतना समय नहीं है कि फालतू बातों पर ध्यान दे। वहीं, जदयू नेता राजीव रंजन प्रसाद ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि अब बिल्कुल साफ हो गया है कि टीएमसी औपचारिक विभाजन की ओर बढ़ गई है। ममता बनर्जी के लिए पार्टी या अभिषेक बनर्जी, दोनों में से तय करने का वक्त आ गया है। अगर वे फैसला नहीं ले पाती हैं तो पार्टी बचाना उनके बस का नहीं है। ममता बनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने को लेकर राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि जब तक टीएमसी की सरकार थी, लोग डरे हुए थे। टीएमसी के किसी भी नेता के खिलाफ उनकी हिम्मत नहीं होती थी कि शिकायत कर सके।

असम राइफल्स ने काकचिंग में युद्ध में इस्तेमाल होने वाले हथियारों का जखीरा किया बरामद

इंफाल। असम राइफल्स और थोउबल पुलिस के कमांडो ने मणिपुर के काकचिंग जिले के पूर्णाहेतुपोकपी इलाके में एक सफल संयुक्त अभियान चलाया। इस दौरान युद्ध में इस्तेमाल होने वाले सामान और सैन्य उपकरणों का एक बड़ा जखीरा बरामद हुआ।

इस अभियान ने इलाके में सक्रिय उग्रवादी गुटों को बड़ा झटका दिया और शांति व सुरक्षा बनाए रखने के प्रति सुरक्षा बलों की प्रतिबद्धता को भी दिखाया। बरामद सामान में एक .32 पिस्तौल (अमेरिका निर्मित) और चार राउंड गोलियां, दो एसबीबीएल बंदूकें, दो डेटोनेटर, गोला-बारूद, 17 एके राउंड, 18 एसएलआर राउंड, 29 राउंड .303 गोला-बारूद और तीन इसांस के साथ ही एक स्ट्राइकर स्प्रिंग, दो टियर स्मोक शेल, 12 केसीपी लोगो स्टिकर और एक बाइपॉड शामिल थे। अभियान के दौरान बरामद सुरक्षा उपकरणों में 12 बुलेटप्रूफ प्लेट, दो बुलेटप्रूफ फाइबर प्लेट, दो हेलमेट, एक बुलेटप्रूफ जैकेट, 60 कॉम्बैट शर्ट, 57 कॉम्बैट पैंट, दो कॉम्बैट जैकेट, 18 कॉम्बैट कैप, आठ जोड़ी कॉम्बैट जूते, 23 कॉम्बैट बेल्ट और एक एमपी-5 स्लिंग शामिल थे। बरामद हथियार, गोला-बारूद और अन्य सामान को आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए हेइरोक पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है।

इसके पहले 21 मणिपुर पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों ने 67 हथियार बरामद किए थे। मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने लमडेंग स्थित एक अवैध यूएनएलएफ कैंप में तलाशी अभियान चलाया। वहां से 29 हथियार बरामद किए गए, जिनमें एके-सीरीज राइफल, एम-सीरीज राइफल, पिस्तौल और अन्य आधुनिक हथियार शामिल थे। इसी दिन एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने 38 और हथियार बरामद किए। इनमें एके सीरीज राइफल, एम-सीरीज राइफल, स्नाइपर राइफल, कार्बाइन, शॉटगन, मोर्टार, आरपीजी-7 लॉन्चर, एंटी-ड्रोन जैमर और बड़ी मात्रा में विस्फोटक व गोला-बारूद शामिल थे।

पूर्वी चंपारण में कार से 10.54 किलोग्राम अफीम जब्त अंतरराज्यीय तस्कर गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चम्पारण जिले के डुमरिया घाट थाना क्षेत्र में पुलिस और विशेष कार्य बल को मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हाथ लगी, जब एक अर्टिगा कार से 10.540 किलोग्राम अफीम जब्त किया गया। इस मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

बताया जाता है कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि डुमरियाघाट थाना क्षेत्र से एक कार द्वारा मादक पदार्थों की बड़ी खेप का परिवहन किया जा रहा है। इसी सूचना के आधार पर जिले के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर पुलिस की एक टीम रामपुर खजुरिया के समीप वाहन की तलाशी शुरू की गई। इसी क्रम में एक अर्टिगा कार को रोका गया और उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में कार की डिक्की से तीन पॉकेट्स में 10.540 किलोग्राम अफीम बरामद की गई। सभी पॉकेट्स कार की डिक्की के ऊपरी हिस्से में टेप से चिपकाए गए थे। पुलिस ने मौके से तीन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान झारखंड के चतरा जिले के रहने वाले साजन कुमार यादव और मुन्ना कुमार यादव के अलावा गया जिले के अनुज कुमार साव के रूप में हुई है।

अखिलेश यादव की बेटी पर टिप्पणी करने वालों को सीएम योगी की कड़ी चेतावनी

आजमगढ़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव की बेटी पर टिप्पणी करने वालों को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि पिछले दिनों कुछ लोगों ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की पुत्री के खिलाफ गलत टिप्पणी की थी। जैसे ही यह मेरे संज्ञान में आया, मैंने तत्काल पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया। बेटी के खिलाफ कोई भी अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार नहीं होनी चाहिए। हर बेटी का सम्मान होना चाहिए। हम उन संस्कार में पले-बढ़े हैं, जहां कहा जाता है कि गांव की बेटी-बहन, सबकी बेटी-बहन। अखिलेश यादव दूसरों को उपदेश देते हैं, वह अपने चेलों-चपाटों को भी उपदेश दें कि भाषा संयमित कर लें। उनके लोग बहन-बेटियों, बुजुर्गों, दिवंगत लोगों व वरिष्ठ नेताओं के प्रति कैसी टिप्पणी करते हैं, उन्हें अपने लोगों को संस्कारित करने की आवश्यकता है। अच्छा होगा कि उन्हें समझाएं, नहीं समझा सकते तो हमारे हवाले कर दें, हम समझा देंगे। सीएम योगी शनिवार को आजमगढ़ में 955 करोड़ से अधिक लागत की 39 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मंत्रियों व जनप्रतिनिधियों की मांग पर सीएम ने घोषणा की कि महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय में उनकी भव्य अश्वारोही प्रतिमा लगेगी। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को पुरानी जेल को कन्वेंशन सेंटर के रूप में तैयार करने के लिए कार्ययोजना बनाने का भी निर्देश दिया।

महाराष्ट्र के धुले में बस ने बाइक को मारी टक्कर, मां-बेटे सहित तीन की दर्दनाक मौत

धुले। महाराष्ट्र के धुले जिले में रफ्तार ने एक बार फिर अपना घातक रूप दिखाया। तेज रफ्तार बस की टक्कर से बाइक पर सवार एक ही परिवार के तीन सदस्यों की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है।

धुले शहर के पारोळा रोड पर शनिवार तड़के हुए इस हृदयविदारक हादसे में वरखेडी गांव के निवासी मां-बेटे सहित तीन लोगों की जान चली गई। मृतकों की पहचान सुभाष धनगर, नंदू पाटिल और उनकी मां सिंधुबाई पाटिल के रूप में हुई है।

तीनों एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर कहीं जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार लग्जरी बस ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों और सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, नक्षत्र लॉन्स के समीप जब वे सड़क पार करने का प्रयास कर रहे थे, तभी धुले की ओर से आ रही एक अनियंत्रित बस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर की तीव्रता इतनी अधिक थी कि मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए और तीनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

वरखेडी गांव में इस घटना की सूचना मिलते ही मातम छा गया। एक ही परिवार के तीन सदस्यों का अचानक मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। पड़ोसी और रिश्तेदार लगातार घर पहुंचकर परिवार को सांत्वना दे रहे हैं। गांव के लोगों का कहना है कि सुबह-सुबह यह खबर सुनकर किसी की समझ में नहीं आ रहा है कि कैसे एक पल में पूरा परिवार उजड़ गया। इस दुर्घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। धुले सहित महाराष्ट्र के कई इलाकों में तेज रफ्तार वाहनों के कारण लगातार हादसे हो रहे हैं।

कल्याण बनर्जी को टीएमसी नहीं, टीएमसी को 'कल्याण' की जरूरत है : रिजू दत्ता

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से निलंबित नेता रिजू दत्ता ने पार्टी के अंदर हालिया विवादों को लेकर अपनी राय रखी। उन्होंने कल्याण बनर्जी, अभिषेक बनर्जी, मदन मित्रा और अन्य मामलों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कानून को अपना काम करने दिया जाना चाहिए और जांच के बाद ही सच्चाई सामने आएगी।

कल्याण बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के बीच हाल में सामने आए मतभेदों पर रिजू दत्ता ने आईएएनएस से कहा कि यह अच्छी बात है कि दोनों नेताओं के बीच सुलह का माहौल दिखाई दे रहा है। एक दिन पहले अभिषेक बनर्जी ने कल्याण बनर्जी को पिता समान बताया था, और अब कल्याण बनर्जी ने भी बड़े दिल का परिचय देते हुए उन्हें बेटे की तरह माफ कर दिया है। यह तृणमूल कांग्रेस का आंतरिक मामला है, लेकिन कल्याण बनर्जी को टीएमसी की जरूरत नहीं है, बल्कि टीएमसी को कल्याण बनर्जी की जरूरत है। वर्तमान परिस्थितियों में अभिषेक बनर्जी को बड़े और अनुभवी वकीलों की जरूरत पड़ सकती है, और ऐसे समय में कल्याण बनर्जी की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

अभिषेक बनर्जी और उनके निजी सहायक सुमित रॉय पर लगे आरोपों को लेकर भी रिजू दत्ता ने कहा कि उनकी जानकारी के अनुसार सुमित रॉय और अभिषेक बनर्जी के खिलाफ कई आरोप हैं। उन्होंने दावा किया कि उनके खिलाफ ईडी, सीबीआई और सीआईडी के मामले चल रहे हैं।

देवास्वोम के विशेष सरकारी अधिवक्ता के.बी. प्रदीप ने दिया इस्तीफा

तिरुवनंतपुरम। देवास्वोम बोर्ड के विशेष सरकारी अधिवक्ता के.बी. प्रदीप ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया। उनकी नियुक्ति की वजह से वी.डी. सतीशन के नेतृत्व वाली यूडीएफ सरकार को काफी शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी। दरअसल सबरीमाला सोना चोरी मामले से जुड़ी एक कंपनी के वकील को देवस्वम से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों की जिम्मेदारी सौंपने को लेकर सरकार की आलोचना हो रही थी।

केरल हाईकोर्ट में देवस्वोम विभाग के लिए स्पेशल सरकारी वकील के तौर पर प्रदीप की नियुक्ति से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। विपक्षी पार्टियों ने सवाल उठाया कि एक ऐसे वकील को अहम कानूनी पद देना कितना सही है, जिसने 'स्मार्ट क्रिएशन्स' का प्रतिनिधित्व किया था। यह चेन्नई की एक कंपनी है जो सबरीमाला सोने की चोरी के मामले में जांच के दायरे में है। विवाद तब और बढ़ गया जब सरकार ने 'स्पेशल सरकारी वकील' का पद बनाया, जो पहले नहीं था। आलोचकों का आरोप था कि यह पद खास तौर पर प्रदीप के लिए बनाया गया था। अब तक, देवस्वोम विभाग में सिर्फ एक सीनियर सरकारी वकील हुआ करता था। सबरीमाला मंदिर की सोने की परत चढ़ी संरचनाओं से सोने की चोरी के सिलसिले में स्मार्ट क्रिएशन्स जांचकर्ताओं की निगरानी में आ गई थी। कंपनी का संबंध मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी से था। आरोप था कि मंदिर से हटाए गए पैनलों को कंपनी की फैक्ट्री में ले जाया गया, जहां सोने को अलग किया गया और कथित तौर पर अन्य कार्यों में इस्तेमाल किया गया।

प्रदीप ने इससे पहले मीडिया के सामने स्मार्ट क्रिएशन्स का बचाव करते हुए कहा था कि कोई गड़बड़ी नहीं हुई है और कंपनी के पास पहले से ही सोने की परत चढ़ी सतह पर सोना चढ़ाने की तकनीकी सुविधा नहीं है।

देवस्वोम मंत्री के. मुरलीधरन द्वारा नियुक्ति का बचाव करने से विवाद और बढ़ गया। उन्होंने बयान दिया था कि आरोपी की कमजोरियों को जानने वाला व्यक्ति उपयोगी हो सकता है। विपक्ष ने इस बयान की कड़ी आलोचना की। विपक्ष का कहना था कि यह बयान सरकार का प्रतिनिधित्व करने के लिए बचाव पक्ष से जुड़े वकील की नियुक्ति को उचित ठहराने जैसा प्रतीत होता है।

पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शनिवार को नई सरकार के कामकाज के तरीके की आलोचना करते हुए कहा कि प्रदीप की नियुक्ति से 'सब कुछ साफ हो जाता है'। नियुक्तियों को लेकर नई यूडीएफ सरकार से जुड़ा यह दूसरा विवाद है।

स्पेसएक्स के शेयरों की धमाकेदार शुरुआत, पहले ही दिन 19 प्रतिशत चढ़े; कंपनी का मार्केट कैप रिकॉर्ड 2.2 ट्रिलियन डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) ने अमेरिकी शेयर बाजार में शानदार शुरुआत की। कंपनी के शेयरों ने शुरुआती निवेशकों को 31 प्रतिशत तक का लाभ दिया और कारोबार के अंत में अपने ऑफरिंग प्राइस 135 डॉलर से 19 प्रतिशत ऊपर बंद हुए।

कारोबार के अंत में शेयर 160.95 डॉलर पर बंद हुए, जिससे स्पेसएक्स का कुल बाजार मूल्य (मार्केट कैप) पहले ही कारोबारी दिन लगभग 2.2 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया। इसके साथ ही रॉकेट निर्माण कंपनी के संस्थापक एलन मस्क दुनिया के पहले ट्रिलियनियर बन गए। और इसी के साथ, शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के पहले ही दिन स्पेसएक्स दुनिया की छठी सबसे मूल्यवान सार्वजनिक कंपनी बन गई।

स्पेसएक्स की बाजार में एंट्री ऐसे समय में हुई है, जब इस साल शेयर बाजार मुख्य रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्षेत्र की संभावनाओं को लेकर निवेशकों के उत्साह पर आगे बढ़ रहा है।

इस सार्वजनिक निर्गम के जरिए कंपनी ने लगभग 75 अरब डॉलर जुटाए, जो इतिहास के सबसे बड़े आईपीओ में से एक माना जा रहा है।

कंपनी की लिस्टिंग को संस्थागत और खुदरा निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। रिपोर्टों के अनुसार, कुल ऑर्डर 350 अरब डॉलर से अधिक के रहे, लेकिन इसके बावजूद करीब एक-तिहाई निवेशकों को शेयर नहीं मिल सके। केवल खुदरा निवेशकों की मांग ही 100 अरब डॉलर से अधिक रही।

विश्लेषकों के अनुसार, वर्ष 2026 में मस्क की एआई कंपनी एक्सएआई के स्पेसएक्स में विलय और एआई के क्षेत्र में कंपनी के बढ़ते प्रयासों ने इस आईपीओ को एआई-आधारित कारोबारी मॉडल्स के प्रति बाजार के उत्साह की बड़ी परीक्षा के रूप में पेश किया।

हालांकि, कुछ विश्लेषकों ने चेतावनी भी दी है कि कंपनी का ऊंचा मूल्यांकन उसके मौलिक वित्तीय प्रदर्शन से काफी आगे निकल सकता है। स्पेसएक्स ने वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 4.28 अरब डॉलर का शुद्ध घाटा दर्ज किया था। आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में 1 अरब डॉलर या उससे अधिक राशि जुटाने वाले आईपीओ में पहले दिन सबसे बड़ी बढ़त का रिकॉर्ड डिजाइन सॉफ्टवेयर कंपनी फिग्मा के नाम है, जिसके शेयर वर्ष 2025 में लिस्टिंग के दिन 250 प्रतिशत तक चढ़े थे। हालांकि बाद में उस तेजी का बड़ा हिस्सा खत्म हो गया और अब उसके शेयर आईपीओ मूल्य से लगभग 45 प्रतिशत नीचे कारोबार कर रहे हैं।

इस बीच, एलन मस्क के ट्रिलियनियर बनने के बाद अमेरिका के डेमोक्रेटिक नेताओं, जिनमें मैसाचुसेट्स की सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन और कैलिफोर्निया के प्रतिनिधि रो खन्ना शामिल हैं, ने अमेरिका के सबसे अमीर लोगों पर संपत्ति कर लगाने की मांग उठाई है।

पृथ्वी की कक्षा में बृहस्पति का चांद 'यूरोपा' आ जाए तो क्या होगा? जानें क्या है 'यूरोपा क्लिपर' मिशन

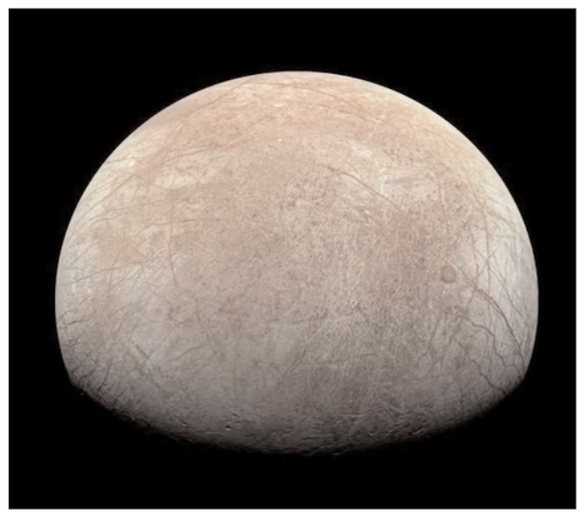

नई दिल्ली। यह सोचने में ही रोमांच होता है कि अगर बृहस्पति का बर्फीला चंद्रमा यूरोपा अचानक पृथ्वी की कक्षा में आ जाए तो आसमान कैसा दिखेगा। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा इस बारे में विस्तार से दिलचस्प जानकारी देता है।

नासा ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर यूरोपा की एक तस्वीर पोस्ट करते हुए दिलचस्प जानकारी दी। एजेंसी के मुताबिक, ऐसी स्थिति में यूरोपा रात के आकाश में हमारे चंद्रमा से करीब पांच गुना अधिक चमकदार नजर आएगा। इसकी वजह इसकी बेहद चमकीली बर्फीली सतह है। यही कारण है कि यूरोपा वैज्ञानिकों के लिए लंबे समय से आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। अब नासा का 'यूरोपा क्लिपर' मिशन इस रहस्यमयी दुनिया के कई सवालों के जवाब तलाशने के लिए रवाना हो चुका है।

नासा ने हाल ही में यूरोपा के बारे में जानकारी साझा करते हुए बताया कि यह बृहस्पति का चौथा सबसे बड़ा चंद्रमा है। आकार के लिहाज से यह पृथ्वी के चंद्रमा का लगभग 90 प्रतिशत है, लेकिन इसकी बर्फ से ढकी सतह सूर्य के प्रकाश को अधिक परावर्तित करती है। यही वजह है कि अगर यह पृथ्वी के आसपास होता तो इसकी चमक काफी ज्यादा दिखाई देती।

वैज्ञानिकों की सबसे बड़ी दिलचस्पी यूरोपा की सतह के नीचे मौजूद विशाल महासागर को लेकर है। माना जाता है कि मोटी बर्फ की परत के नीचे तरल पानी का एक विशाल समुद्र मौजूद है। पानी को जीवन के लिए सबसे जरूरी तत्वों में से एक माना जाता है, इसलिए वैज्ञानिक यह जानना चाहते हैं कि क्या वहां जीवन के अनुकूल परिस्थितियां मौजूद हैं।

इसी उद्देश्य से नासा ने 'यूरोपा क्लिपर' मिशन तैयार किया है। यह पहला ऐसा मिशन है जिसे विशेष रूप से यूरोपा का विस्तृत अध्ययन करने के लिए डिजाइन किया गया है। स्पेस क्राफ्ट को बृहस्पति और उसके चंद्रमा की संरचना, बर्फीली सतह, महासागर और संभावित रहने योग्य वातावरण की जांच का जिम्मा सौंपा गया है।

यूरोपा क्लिपर को बृहस्पति तक पहुंचने के लिए लगभग 2.9 अरब किलोमीटर की यात्रा करनी होगी। मिशन अप्रैल 2030 में अपने गंतव्य तक पहुंचेगा। इसके बाद यह बृहस्पति की परिक्रमा करते हुए यूरोपा के करीब 49 बार फ्लाईबाई करेगा। हर बार इसके वैज्ञानिक उपकरण सक्रिय होकर महत्वपूर्ण आंकड़े जुटाएंगे।

स्पेस क्राफ्ट में नौ अल्ट्रा मॉडर्न वैज्ञानिक उपकरण और एक खास ग्रेविटी एक्सपेरिमेंट लगाया गया है। इनकी मदद से वैज्ञानिक यह समझने की कोशिश करेंगे कि क्या यूरोपा पर आज भी ऐसे हालात मौजूद हैं, जहां जीवन विकसित हो सकता है। यदि इस मिशन से सकारात्मक संकेत मिलते हैं, तो यह पृथ्वी के बाहर जीवन की खोज के इतिहास में एक बड़ी उपलब्धि साबित हो सकती है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले ताजिकिस्तान में विशेष सत्र, शामिल हुए विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह

दुशांबे । योग दिवस को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तैयारियां जोरों-शोरों से चल रही हैं। इसी के तहत ताजिकिस्तान में भारत सरकार के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले एक योग सत्र का आयोजन किया गया। इसमें विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने भी हिस्सा लिया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस आयोजन की तस्वीरें साझा करते हुए उन्होंने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम दुशांबे स्थित भारतीय और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के सहयोग से आयोजित किया गया।

उन्होंने आगे लिखा, 'इस अवसर पर प्रतिभागियों ने योग के विभिन्न आसनों और प्राणायाम का अभ्यास किया। कार्यक्रम में भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ-साथ 'फ्रेंड्स ऑफ इंडिया' समूह और ताजिकिस्तान के योग प्रेमियों ने भी उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।'

मंत्री ने इस दौरान योग के

महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह समग्र स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और प्रकृति के साथ सामंजस्य को बढ़ावा देने का एक प्रभावी माध्यम है। योग की यह प्राचीन परंपरा आज भी दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित कर रही है।

कार्यक्रम में यह संदेश भी दिया गया कि योग भारत की सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो वैश्विक स्तर पर शांति, स्वास्थ्य और एकता को बढ़ावा देता है।

इस बार 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 (आईडीवाई 2026) का मुख्य थीम 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' रखा गया है। यह थीम इस बात पर केंद्रित है कि योग के माध्यम से बढ़ती उम्र में भी शरीर को सक्रिय, स्वस्थ, और मानसिक रूप से संतुलित बनाए रखा जा सकता है।

थीम की आधिकारिक घोषणा केंद्रीय आयुष मंत्रालय की ओर से की गई थी। यह घोषणा आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव गणपतराव जाधव ने खजुराहो में की थी।

राष्ट्रीय स्तर पर इस वर्ष का मुख्य आयोजन कोलकाता में किया जा रहा है। यहां एक बड़े पैमाने पर सामूहिक योग सत्र आयोजित होने की योजना है।

कांगो में इबोला के मामलों की संख्या बढ़कर 689 हुई, मृतकों की संख्या 139 पहुंची

किंशासा । डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो (डीआरसी) में इबोला के पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर 689 हो गई है, जिनमें 139 लोगों की मौत शामिल है। यह जानकारी स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा जारी नवीनतम स्थिति रिपोर्ट में दी गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को 17 नए पुष्ट मामले सामने आए, जिनमें पांच मौतें शामिल हैं। ये सभी मामले पूर्वी प्रांत इटुरी में दर्ज किए गए। इबोला वायरस के बुंडिबुग्यो स्ट्रेन से फैले इस प्रकोप ने पूर्वी क्षेत्र के तीन प्रांतों- इटुरी, नॉर्थ किवू और साउथ किवू के 29 स्वास्थ्य क्षेत्रों को प्रभावित किया है।

गुरुवार तक 168 संदिग्ध मामले भी दर्ज किए गए थे, जिनमें 64 लोगों की मौत हो चुकी है।

रिपोर्ट में कई परिचालन चुनौतियों का भी उल्लेख किया गया है, जिनमें मृत्यु के बाद नमूना परीक्षण (पोस्ट-मॉर्टम स्वैबिंग) कराने में लोगों की अनिच्छा, इबोला उपचार केंद्रों की सीमित क्षमता, नॉर्थ किवू में संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण सामग्री की कमी, तीनों प्रांतों में चेतावनी एवं निगरानी रिपोर्टिंग प्रणाली की कमजोरी तथा 2.15 करोड़ डॉलर (21.5 मिलियन डॉलर) की वित्तीय कमी शामिल है।

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) द्वारा गुरुवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, इटुरी में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों (आईडीपी) के एक शिविर में इबोला से संबंधित दो मौतें दर्ज की गई हैं।

वर्तमान प्रकोप को डीआरसी के स्वास्थ्य मंत्रालय ने 15 मई को आधिकारिक रूप से घोषित किया था। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, 1976 में वायरस की पहचान होने के बाद से यह देश में इबोला का 17वां प्रकोप है।

मई 2026 में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा दोनों में इबोला प्रकोप की पुष्टि हुई थी। इस बार फैला बुंडिबुग्यो प्रजाति का इबोला ऐसा प्रकार है, जिसके लिए अभी तक कोई स्वीकृत टीका या विशेष उपचार उपलब्ध नहीं है।

हेल्दी एजिंग के लिए योग, 'नी मूवमेंट' से मजबूत घुटने, दूर होगा जोड़ों का दर्द

नई दिल्ली। विश्व योग दिवस 2026 अब बस 8 दिन दूर है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने इस बार के योग दिवस का मुख्य विषय 'हेल्दी एजिंग के लिए योग' रखा है। मंत्रालय का कहना है कि स्वस्थ मन और शरीर किसी भी उम्र में बेहतर जीवन जीने का आधार बनाते हैं। इसी क्रम में मंत्रालय ने 'नी मूवमेंट' योग अभ्यास के बारे में जानकारी दी है, जो घुटनों और कूल्हों को मजबूत बनाने में बेहद उपयोगी है।

उम्र बढ़ने के साथ घुटनों का दर्द, कूल्हों में अकड़न और शरीर के निचले हिस्से की कमजोरी आम समस्या बन गई है। लंबे समय तक बैठे रहने वाली जीवनशैली ने इन परेशानियों को और बढ़ा दिया है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, 'नी मूवमेंट' (समस्थिति) एक आसान योग व्यायाम है जो घुटनों और कूल्हे के जोड़ों को मजबूत बनाता है। इससे संतुलन बेहतर होता है और रोजमर्रा

की गतिविधियां जैसे चलना, बैठना, खड़े होना और सीढ़ियां चढ़ना आसान हो जाते हैं।

नी मूवमेंट का अभ्यास जोड़ों की लचीलापन बढ़ाता है, मांसपेशियों को सक्रिय करता है और जोड़ों में प्राकृतिक चिकनाई बनाए रखता है। नियमित अभ्यास से घुटनों का दर्द कम होता है, अकड़न दूर होती है और चोट का खतरा घटता है। यह व्यायाम खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो कम शारीरिक गतिविधि करते हैं या लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि घुटनों में दर्द और अस्थिरता अक्सर जोड़ों के कम उपयोग या कमजोरी के संकेत होते हैं। 'नी मूवमेंट' जैसे आसान अभ्यास इन समस्याओं का प्राकृतिक समाधान है। यह व्यायाम बिना किसी उपकरण के घर पर आसानी से किया जा सकता है। उचित तरीके से करने पर धीरे-धीरे जोड़ों की गति बढ़ती है और शरीर मजबूत होता है। इस अभ्यास को धीरे-धीरे शुरू करें। अगर किसी को तेज दर्द हो तो योग एक्सपर्ट्स से सलाह जरूर लें। बिना किसी उपकरण के घर पर आसानी से किया जाने वाला यह व्यायाम शरीर की मुद्रा को सुधारता और संतुलन बढ़ाता है।

स्वस्थ जीवन के लिए हेल्दी लिवर जरूरी, स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया 'सुरक्षा कवच' का महत्व

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों को लिवर के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए बताया है कि स्वस्थ लिवर अच्छे स्वास्थ्य की बुनियाद है। शरीर के कई जरूरी कार्यों को सुचारू रूप से चलाने में लिवर की अहम भूमिका होती है। इसी कारण इसकी देखभाल करना और स्वस्थ रखना बेहद जरूरी है।

मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे अपने लिवर की सेहत को गंभीरता से लें, क्योंकि एक स्वस्थ लिवर न केवल शरीर को बीमारियों से बचाता है, बल्कि बेहतर जीवनशैली और लंबे समय तक अच्छे स्वास्थ्य का आधार भी बनता है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, लिवर शरीर का एक ऐसा अंग है, जो बिना रुके कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाता है। यह न केवल शरीर को संक्रमण और विभिन्न बीमारियों से बचाने में मदद करता है, बल्कि रक्त में शुगर के स्तर को संतुलित रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यही वजह है कि लिवर को शरीर का एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच माना जाता है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, लिवर शरीर में मौजूद हानिकारक और विषैले पदार्थों को बाहर निकालने का काम भी करता है। भोजन, दवाइयों और अन्य स्रोतों से शरीर में पहुंचने वाले कई तत्वों को यह फिल्टर करता है, जिससे शरीर के अन्य अंग सुरक्षित रहते हैं।

हार्ट हेल्थ के लिए रामबाण हैं योगासन, तनाव और चिंता से मिलेगी राहत

नई दिल्ली। विश्व योग दिवस को कुछ ही दिन रह गए हैं। ऐसे में भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने दिल की सेहत को लेकर महत्वपूर्ण सलाह दी है। मंत्रालय के अनुसार, व्यस्त जीवनशैली में लोग अपनी उपलब्धियों और कमाई पर तो ध्यान देते हैं, लेकिन दिल की देखभाल करना अक्सर भूल जाते हैं। जबकि दिल ही हमारी जिंदगी की हर धड़कन को संजोकर रखता है।

हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि ज्यादा पाने, ज्यादा कमाने और ज्यादा करने की भागदौड़ में हम उस अंग को नजरअंदाज कर देते हैं जो बिना थके दिन-रात काम करता

रहता है। स्वस्थ दिल लंबी और खुशहाल जिंदगी की नींव है। मंत्रालय ने योगासन, ध्यान और प्राणायाम को दिल की सेहत के लिए बेहद जरूरी बताया है।

योग और ध्यान से मन शांत रहता है, तनाव कम होता है और भावनात्मक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। नियमित योगाभ्यास से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है, कोलेस्ट्रॉल लेवल संतुलित होता है और हृदय की मांसपेशियां मजबूत बनती हैं। आसन जैसे भुजंगासन, शवासन, अनुलोम-विलोम प्राणायाम और सूर्य नमस्कार दिल की सेहत सुधारने में खास भूमिका निभाते हैं। ये आसन रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं और हृदय को स्वस्थ रखते हैं।

भुजंगासन: -पेट के बल लेटकर शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर उठाया जाता है। यह रीढ़ को मजबूत बनाता है और पीठ दर्द में लाभकारी माना जाता है।

फीफा वर्ल्ड कप:

अमेरिका ने धमाकेदार जीत के साथ किया आगाज, पराग्वे को एकतरफा मुकाबले में 4-1 से हराया

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सह-मेजबान अमेरिका ने टूर्नामेंट का आगाज धमाकेदार जीत के साथ किया है। एकतरफा मुकाबले में अमेरिका ने पराग्वे को 4-1 से शिकस्त दी।

अमेरिका की ओर से फोलारिन बालोगुन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए। अमेरिका की टीम पूरे मैच में हावी नजर आई और पराग्वे को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। अमेरिका के लिए मैच की शुरुआत शानदार रही। मुकाबले के सातवें मिनट में ही अमेरिका ने 1-0 की बढ़त बना बना ली। डेमियन बोबाडिला ने पराग्वे के डिफेंस को भेदते हुए बेहतरीन गोल दागा।

मैच के 31वें मिनट में फोलारिन बालोगुन ने अमेरिका की बढ़त को दोगुना कर दिया।

शानदार शुरूआत

मुकाबले के सातवें मिनट में ही अमेरिका ने 1-0 की बढ़त बना ली। डेमियन बोबाडिला ने पराग्वे के डिफेंस को भेदते हुए बेहतरीन गोल दागा।

बालोगुन का जलवा

31वें मिनट में फोलारिन बालोगुन ने अमेरिका की बढ़त को दोगुना किया। पहले हाफ के इंजरी टाइम में बालोगुन ने फिर गोल दागा और अमेरिका को 3-0 से आगे कर दिया।

पराग्वे को मिली सांतवना

दूसरे हाफ में पराग्वे ने संधर्ष किया और 73वें मिनट में सबस्टीट्यूट खिलाड़ी मॉरीसियो ने पहला गोल दागा। स्कोर हुआ 3-1।

आखिरी पलों में पक्की हुई जीत

स्टॉपेज टाइम में गियोवानी रेयना ने शानदार गोल कर अमेरिका की बढ़त 4-1 कर दी और टीम की दमदार जीत पर मुहर लगा दी।

PLAYER OF THE MATCH

फोलारिन बालोगुन

दो गोल कर बने जीत के हीरो, 1930 के बाद वर्ल्ड कप में दो गोल करने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी

"यह जीत सिर्फ शुरुआत है। हमारा लक्ष्य पूरे टूर्नामेंट में इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखना है।

– ग्रेग बेरहल्टर, कोच, अमेरिका

निकहत जरीन: मां थीं बॉक्सर बनने के खिलाफ, समाज की तोड़ी बेड़ियां, दो बार विश्व चैंपियन बन रचा इतिहास

नई दिल्ली। जब निकहत जरीन ने बॉक्सिंग की दुनिया में करियर बनाने की ठानी, तो सामने कई बड़ी चुनौतियां थीं। निकहत की मां तक नहीं चाहती थीं कि वह बॉक्सिंग की रिंग में उतरे। हालांकि, निकहत ने मजबूत इरादे और बुलंद हौसलों के दम पर न सिर्फ समाज की बेड़ियों को तोड़ा, बल्कि रिंग में उतरकर विश्व की कई दिग्गज बॉक्सरों को चारों खाने चित भी किया।

निकहत का जन्म 14 जून, 1996 को तेलंगाना के निजामाबाद में हुआ। निकहत के चाचा खुद एक बॉक्सिंग कोच थे और वह निकहत के भाइयों को बॉक्सिंग की बारीकियां सिखाया करते थे। निकहत की भी रुचि इस खेल के प्रति बचपन से ही बढ़ने लगी।

13 साल की उम्र में उन्होंने बॉक्सिंग में करियर बनाने की ठान लीं। हालांकि, उनकी खुद की मां नहीं चाहती थीं कि बेटी बॉक्सिंग के रिंग में उतरे। पिता को छोड़कर परिवार के बाकी सदस्यों को भी निकहत के बॉक्सिंग रिंग में उतरने पर ऐतराज था।

हालांकि, निकहत इस खेल में अपना करियर बनाने का सोच चुकी थीं। शुरुआत में निकहत ने बॉक्सिंग की बारीकियां अपने चाचा से ही सीखीं। पढ़ाई के साथ-साथ बॉक्सिंग ट्रेनिंग कर पाना निकहत के लिए चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। निकहत ने दिन-रात कड़ी ट्रेनिंग की और इस खेल में अपनी पहचान बनाने के सफर पर निकल पड़ीं।

2011 में उन्होंने महिला जूनियर और यूथ वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

वहीं, 2014 में निकहत ने यूथ वर्ल्ड चैंपियनशिप में रजत पदक अपने नाम किया। हालांकि, अभी निकहत ने बॉक्सिंग की दुनिया में पांव जमाना शुरू ही किया था कि कंधे की चोट ने उन्हें पीछे धकेल दिया। दाहिने कंधे की हड्डी टूटने की वजह से उन्हें सर्जरी से गुजरना पड़ा।

मगर निकहत हार मानने वालों में से नहीं थीं। एक साल तक बॉक्सिंग रिंग से दूर रहने के बाद निकहत लौटीं और उन्होंने मेमोरियल बॉक्सिंग टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार वापसी की। साल 2021 में निकहत ने बैंकॉक में खेली गई एशियाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।

वहीं, साल 2022 में इस खेल में निकहत ने अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की। इस्तांबुल में वह दमदार प्रदर्शन करके पहली बार विश्व चैंपियन बनीं और उन्होंने स्वर्ण पदक जीता।

इसी साल निकहत ने कॉमनवेल्थ गेम्स में भी स्वर्ण पदक जीतकर अपनी काबिलियत से हर किसी को परिचित कराया। 2023 में भी निकहत का शानदार सफर जारी रहा और वह लगातार दूसरी बार विश्व चैंपियन बनीं। निकहत मैरी कॉम के बाद विश्व चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली महज दूसरी भारतीय महिला बॉक्सर बनीं। निकहत को साल 2022 में भारतीय सरकार द्वारा अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

भारतीय शूटिंग के दबदबे में जसपाल राणा की अहम भूमिका रही: अवनि लेखरा

नई दिल्ली। पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता अवनि लेखरा ने दिग्गज शूटर (निशानेबाज) और कोच रहे जसपाल राणा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। अवनि ने कहा कि वह एक ऐसे इंसान के जाने से बहुत दुखी हैं, जिसने भारतीय शूटिंग में अहम भूमिका निभाई।

अवनि लेखरा ने एक्स पर लिखा, 'जसपाल राणा सर के निधन से बहुत दुखी हूं। एक जाने-माने एथलीट और कोच, दोनों के तौर पर, शूटिंग के खेल में हमारे देश का दबदबा बनाने में उनका अहम रोल रहा है। उनके परिवार, करीबी लोगों और पूरी भारतीय शूटिंग बिरादरी के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।'

राणा का निधन शुक्रवार को नई दिल्ली में दिल से जुड़ी बीमारी के कारण हो गया। वह 49 साल के थे। मुनिक में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप से लौटने के ठीक बाद राणा का निधन हो गया। टूर्नामेंट में भारत ने चार पदक जीते थे।

उनके पार्थिव शरीर को देहरादून में उनके घर पर परिवार के सदस्यों, दोस्तों, साथी एथलीटों और प्रशंसकों के पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए रखा गया था।

हर्डलर तेजस शिरसे ने बनाया नया नेशनल रिकॉर्ड, कॉमनवेल्थ गेम्स क्वालिफिकेशन मार्क हासिल किया

लुधियाना। भारतीय हर्डलर तेजस शिरसे ने शनिवार को इंडियन एथलेटिक्स सीरीज 9 में शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। तेजस ने 13.27 सेकंड में पुरुषों की 110 मीटर हर्डल रेस पूरी करते हुए नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया। इसी के साथ उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की टीम में अपनी जगह बनाने की दावेदारी मजबूत कर ली है।

24 वर्षीय एथलीट ने साल 2024 में बनाए अपने ही 13.41 सेकंड के नेशनल रिकॉर्ड को तोड़ा। यह किसी भारतीय एथलीट के सबसे बेहतरीन स्प्रिंट-हर्डल प्रदर्शनों में से एक था। इसी के साथ एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के कॉमनवेल्थ गेम्स क्वालिफिकेशन स्टैंडर्ड (13.39 सेकंड) को भी आसानी से पार किया।

'बी' फाइनल में शिरसे ने ब्लॉक से जबरदस्त शुरुआत करते हुए शुरुआती बढ़त बना ली। आखिरी हर्डल से टकराने के बावजूद, उन्होंने फिनिश लाइन तक अपनी रफ्तार बनाए रखी और 13.27 सेकंड का समय दर्ज किया। कृषिक एम 13.55 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

पिछले महीने तेजस ने रांची में आयोजित फेडरेशन कप में 13.50 सेकंड के साथ गोल्ड हासिल किया था। 13.27 सेकंड का उनका यह प्रदर्शन फिलहाल साल 2026 के लिए कॉन्टिनेंटल लिस्ट में छठे स्थान पर है।

यह उपलब्धि भारतीय एथलेटिक्स के लिए और भी अहम है। अगर तेजस चुने जाते हैं, तो वह साल 2014 में सिद्धार्थ थिंगलाया के बाद कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लेने वाले पहले भारतीय पुरुष हर्डलर बन सकते हैं।

दूसरी तरफ, मेंस 800 मीटर रेस में मोहम्मद अफसल का प्रदर्शन निराशाजनक रहा, जिन्होंने 1:47.00 का समय लिया, जबकि क्वालिफिकेशन स्टैंडर्ड 1:45.00 था। इस नतीजे से कॉमनवेल्थ गेम्स टीम में जगह बनाने की उनकी उम्मीदें समाप्त हो सकती हैं।

ऑस्ट्रेलिया ओपन: सिंधु सेमीफाइनल में यामागुची से हारीं, भारत का अभियान समाप्त

सिडनी। ऑस्ट्रेलियन बैडमिंटन ओपन के विमेंस सिंगल्स सेमीफाइनल में शनिवार को हार के साथ भारतीय स्टार पीवी सिंधु का 2026 सीजन में पहली बार खिताबी मुकाबले में पहुंचने का सपना अधूरा रह गया। ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु को मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अकाने यामागुची के हाथों 20-22, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा।

सिंधु ने कड़े मुकाबले वाले पहले गेम में तीसरी वरीयता प्राप्त जापानी खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी, लेकिन फिर यामागुची ने मैच पर पकड़ बनाते हुए मुकाबला 43 मिनट में अपने नाम किया। इसी के साथ यामागुची ने बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह बना ली।

वर्ल्ड नंबर 10 सिंधु के लिए यह सीजन में एक और करीबी हार थी। जनवरी में मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद, ऑस्ट्रेलियन ओपन बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर इस साल उनका दूसरा सेमीफाइनल था।

पहले गेम में वैसा ही मुकाबला देखने को मिला, जिसकी फैंस को उम्मीद थी। सिंधु ने शुरुआती कुछ रैलियों में दबदबा बनाए रखा और मिड-गेम ब्रेक तक मामूली बढ़त हासिल की। ??हालांकि, यामागुची ने लगातार 6 प्वाइंट्स जीतकर मैच का रुख अपनी ओर मोड़ लिया।

इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए अंतर को खत्म किया और मुकाबले को रोमांचक बना दिया। उन्होंने 2019 के स्कोर पर एक गेम प्वाइंट बचाया, लेकिन जापानी शटलर ने संयम बनाए रखते हुए बढ़त हासिल की और पहला गेम अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में यामागुची ने लगातार सात प्वाइंट्स जीतकर सिंधु की वापसी की उम्मीदों को झटका दिया। इसके बाद, वर्ल्ड नंबर 3 खिलाड़ी ने मैच पर पकड़ बनाए रखते हुए सिंधु के खिलाफ अपने करियर के 29वें मुकाबले में 14वीं जीत दर्ज की।

इस हार के साथ सिडनी में भारत का सफर भी खत्म हो गया। इससे पहले, पुरुषों की डबल्स जोड़ी एमआर अर्जुन और हरिहरन अम्साकरुणन क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गए थे। वहीं, भारत के पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी शुरुआती दौर से आगे नहीं बढ़ पाए। भारतीय शटलर अब अगले हफ्ते शुरू होने वाले 'मकाऊ ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट' पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

कैंसस सिटी में चोरी हुए इंग्लैंड फुटबॉल टीम के उपकरण, जांच में जुटी पुलिस: रिपोर्ट

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अपने शुरुआती मुकाबले से पहले इंग्लैंड फुटबॉल टीम की तैयारियों को बड़ा झटका लगा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टीम के कुछ ट्रेनिंग उपकरण कैंसस सिटी पहुंचने के दौरान चोरी हो गए हैं। इस मामले की जांच स्थानीय पुलिस कर रही है।

बताया जा रहा है कि इंग्लैंड टीम का ट्रेनिंग सामान फ्लोरिडा स्थित प्री-टूर्नामेंट ट्रेनिंग कैंप से कैंसस सिटी के स्वोप सॉकर विलेज भेजा जा रहा था। इसी दौरान सामान ले जा रही गाड़ी से कुछ उपकरण गायब हो गए। इंग्लैंड की टीम शनिवार को कैंसस सिटी पहुंचने वाली थी और वहां अभ्यास शुरू करने की तैयारी कर रही थी।

स्थानीय पुलिस ने पुष्टि की है कि इस मामले को चोरी के रूप में दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने एक बयान में बताया, 'हम टीम की एक गाड़ी से उपकरण की संभावित चोरी की जांच कर रहे हैं, जो शुक्रवार शाम कैंसस सिटी पहुंची थी और उसमें से कुछ सामान गायब थे। जांच जारी है। आगे की जांच तक दो लोगों को हिरासत में लिया गया है।'

रिपोर्ट के मुताबिक, यह कथित घटना इंग्लैंड के वर्ल्ड कप कैंपेन के शुरू होने से कुछ ही दिन पहले हुई है, जिसमें थॉमस ट्यूशेल की टीम बुधवार को डलास में ग्रुप-स्टेज मैच में क्रोएशिया से भिड़ेगी। हालांकि, इंग्लैंड फुटबॉल संघ के अधिकारियों को उम्मीद है कि इस घटना का टीम की तैयारियों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। टीम के लिए जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं ताकि खिलाड़ियों के अभ्यास कार्यक्रम में कोई बड़ी रुकावट न आए। इंग्लैंड के मैनेजर थॉमस ट्यूशेल और उनकी टीम शनिवार को कैंसस सिटी पहुंचेगी। ट्रेनिंग का सामान पहले ही भेज दिया गया था ताकि खिलाड़ियों के पहुंचने तक सभी तैयारियां पूरी हो सकें। इंग्लैंड को इस वर्ल्ड कप जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

इंग्लैंड के पास 2018 विश्व कप सेमीफाइनल में क्रोएशिया से मिली हार का बदला लेने का सुनहरा मौका होगा।

'किसी से भी हारो, पाकिस्तान से नहीं': जेमिमा रोड्रिग्स

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच हमेशा से रोमांचक होता रहा है। फैंस बेसब्री से दोनों देशों के बीच होने वाले मैच का इंतजार करते हैं। भारतीय टीम की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने कहा है कि हम किसी भी टीम से हार सकते हैं, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ हार मंजूर नहीं है।

जेमिमा रोड्रिग्स ने जियोस्टार पर कहा, 'मुझे याद है जब मैंने अपना पहला भारत-पाकिस्तान मैच खेला था। ड्रेसिंग रूम में, हरमन दी ने हमसे बात की थी, और कहा था, 'इसे नकारो मत। बाहर से दबाव होता है क्योंकि हम भारत बनाम पाकिस्तान का इतिहास जानते हैं। हम जानते हैं कि फैंस क्या उम्मीद करते हैं।' '

रोड्रिग्स ने कहा, 'मेरी बिल्डिंग का वॉचमैन भी कहता है, 'किसी से भी हारो, लेकिन पाकिस्तान से नहीं।' यह उस तरह का दबाव है क्योंकि लोग क्रिकेट को पसंद करते हैं। उन्हें यह प्रतिस्पर्धा पसंद है।'

मध्यक्रम बल्लेबाज ने कहा, 'भारतीय टीम एक बड़े लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है, जो टी20 विश्व कप की ट्रॉफी उठाना है।'

उन्होंने कहा, 'हम एक टीम के तौर पर विश्व कप की ट्रॉफी उठाने के बारे में सोचते रहते हैं। यह हमारी दिनचर्या के हिस्से की तरह है। हमारा मानना ??है कि अगर आप किसी चीज को काफी देर तक देखते हैं, तो आप उस दिशा में आगे बढ़ना शुरू कर देते हैं। यह हमारी टीम की थीम है। हमने 2025 विश्व कप के दौरान ऐसा किया था। अमोल सर ने यहां भी करने के लिए कहा है, और हम इसे जारी रखेंगे।'

टूर्नामेंट से पहले टीम की तैयारियों और दबाव पर बात करते हुए जेमिमा ने कहा, 'हम हर गेम के लिए अलग तरह से तैयारी करते हैं। हम खुद को मुश्किल स्थिति में डाल रहे हैं, चाहे वह प्रशिक्षण में हो या मैदान पर। हमारे बहुत सारे सेशन होते हैं जहां हम अलग-अलग स्थिति में खेलते हैं।'

उन्होंने कहा, 'हर कोई कहता है कि आपको दबाव में अच्छा खेलना है, लेकिन आप ऐसा कैसे करते हैं? आप अभ्यास के दौरान खुद को बार-बार दबाव में डालकर और उन हालात को जितना हो सके चुनौतीपूर्ण बनाकर ऐसा करते हैं, ताकि जब आप मैच में जाएं, तो तैयार महसूस करें।'

जेमिमा ने कहा, 'हमारी तैयारी बहुत अच्छी रही है। टीम में आत्मविश्वास दिख रहा है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415